राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात,संस्करण बुधवार 02 अक्टूबर 2024 वर्ष-7,अंक-250 पृष्ठ-08 मूल्य-01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पहला कॉलम

पेजर ब्लास्ट इजरायल का मास्टरस्ट्रोक.....सेना प्रमुख

नई दिल्ली । लेबनान में हुए पेजर ब्लास्ट पर अब भारतीय सेना प्रमुख ने प्रतिक्रिया दी है। सेना प्रमुख ने पेजर सप्लाई करने के तरीके को इजरायल का मास्टरस्ट्रोक बताया है। इजरायल और हिजबुल्ला के बीच संघर्ष जारी है। सितंबर के अंत में लेबनान में दो दिन में लगातार पेजर और वॉकी टॉकी ब्लास्ट की घटनाएं हुई थीं, जिसमें 30 से ज्यादा लोगों की मौत हुई थी। आरोप थे कि इन हमलों के पीछे इजरायल का हाथ है। सेना प्रमुख जनरल द्विवेदी से पेजर को बम बनाने को लेकर सवाल हुआ तब उन्होंने कहा, ...जिस पेजर की आप बात कर रहे हैं, वह एक ताइवान कंपनी है, इस पेजर को हंगरी की कंपनी को सप्लाई किया जा रहा है। इसके बाद हंगरी की कंपनी उन्हें दे रही है। तैयार की गई शेल की कंपनी इजरायल की ओर से एक मास्टरस्ट्रोक जैसा था। उन्होंने कहा, और इसके लिए आपको सालों की तैयारी की जरूरत होती है। इससे पता लगता है कि वह इसके लिए तैयार थे। युद्ध तब शुरू नहीं होता, जब आप लड़ना शुरू करते हैं। युद्ध तब शुरू होता, जब आप प्लानिंग करना शुरू कर देते हैं। और यह सबसे ज्यादा जरूरी है...। जनरल द्विवेदी से पूछा गया कि भारत इसतरह की चीजों से निपटने के लिए क्या कर रहा है। उन्होंने कहा, ...हमारी बात पर आते हैं। सप्लाई चेन में रुकावट, अवरोध आना ऐसी चीजें हैं, जिनके लिए हमें बहुत सतर्क रहना होगा। हमें अलग-अलग स्तरों पर निरीक्षण करना ही होगा।

मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के राष्ट्रीय महासचिव ने वक्फ की जमीनें बेच कर करोड़ों कमाए

कैबिनेट मंत्री किरोड़ीलाल मीणा ने फजल-उर-रहीम पर लगाए गंभीर आरोप

जयपुर। कैबिनेट मंत्री किरोड़ीलाल मीणा ने ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के राष्ट्रीय महासचिव मौलाना मोहम्मद फजल-उर-रहीम पर जमीनों पर अवैध कब्जे करने के आरोप लगाया है। किरोड़ीलाल ने कहा कि मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के राष्ट्रीय महासचिव वक्फ (संशोधन) बिल 2024 का विरोध कर रहे हैं। वह बिल के विरोध में देश में मुसलमान को भड़का रहे हैं। उन्होंने कहा कि फजल ने फर्जी दस्तावेज के आधार पर वक्फ की जमीनों को निजी जागीर मानकर बेच दिया। फजल कांग्रेस के इशारे पर देश में माहौल बिगाड़ने पर उतारू हैं। किरोड़ीलाल ने कहा कि फजल के भाई जिया-उर-रहीम फर्जी दस्तावेज बनाकर वक्फ प्रॉपर्टी को बेच रहे हैं। इन दोनों ने 2005 में फर्जी इकरारनामा के जरिए जामिया हिदायत ट्रस्ट जयपुर और मौलाना अब्दुल रहीम एजुकेशनल ट्रस्ट की जयपुर व अहमदाबाद में स्थित 18 से 20 बीघा भूमि करोड़ों रुपए में बेचकर अवैध कॉलोनियां बसा दीं। उन्होंने आरोप लगाया कि इन दोनों मुंबई में भी आदिवासियों की जमीन को बेचकर करोड़ों रुपए अर्जित किए हैं।

दो कुकी नेताओं को छोड़ो, बदले में दो मेतई युवकों को ले जाओ

इंफाल । मणिपुर में केंद्रीय बलों की भर्ती के लिए परीक्षा देने जा रहे तीन मेतई युवकों का अपहरण, कुकी उग्रवादियों ने कर लिया था। इसमें से एक युवक को उन्होंने छोड़ दिया है। जो युवक छोड़ा गया है। उसके हाथों संदेश पहुंचाया गया है। जेल में बंद दो कुकी नेताओं को रिहा करने पर ही दोनों मैतई युवकों को छोड़ा जाएगा। पुलिस और कुकी संगठन के बीच में वार्ता चल रही है। कुकी संगठन ने जेल में बंद मार्क हाओकिप और जेम्स हाओकिप को छोड़ने की मांग की है। कुकी संगठन ने बंधकों की अदला बदली की मांग रखी है। जेल में बंद कुकी नेताओं को 24 मई 2022 को दिल्ली में राजद्रोह के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। जब से वह जेल में बंद है। जेम्स को जेल में मणिपुर में 2003 में हुई हत्या और अपहरण के आरोप में बंद किया गया है।

जलवायु कार्यकर्ता को हिरासत में लेने पर भड़के केजरीवाल

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल मंगलवार को सुबह सुबह आग बबूला हो गए। उनकी नाराजगी का कारण जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक को हिरासत में लेना था। उन्होंने कहा कि देश में ये कौन सा तमाशा चल रहा है, कभी किसानों को दिल्ली आने से रोका जाता है तो कभी लद्दाख के लोगों को। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक ने सवाल करते हुए कहा कि क्या दिल्ली किसी एक शख्स की बपौती है?लद्दाख को छठी अनुसूची का दर्जा देने की मांग को लेकर पैदल दिल्ली की सीमा तक आए जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक को दिल्ली पुलिस ने सोमवार रात हिरासत में ले लिया। सिंघु बॉर्डर पर वांगचुक समेत करीब 120 लोगों को हिरासत में लिया गया। दिल्ली पुलिस सूत्रों के अनुसार हिरासत में लिए गए लोगों को अलीपुर और शहर की सीमा से लगे अन्य पुलिस थानों में ले जाया गया। दिल्ली के कई इलाकों में छह दिन के लिए बीएनएस की धारा 163 लागू है। हिरासत में लिए जाने की सूचना देते हुए सोनम वांगचुक के एक पोस्ट को शेयर करते हुए दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि यह गलत है। उन्होंने बिना किसी का नाम लिए लिखा, दिल्ली में आने से कभी किसानों को रोकते हैं, कभी लद्दाख के लोगों को रोकते हैं। क्या दिल्ली किसी एक शख्स की बपौती है? दिल्ली देश की राजधानी है। दिल्ली में आने का सब को अधिकार है। ये सरासर गलत है।

वैश्विक कोविड लॉकडाउन के दौरान.....चंद्रमा की सतह में तापमान गिरा

भारतीय शोधकर्ताओं ने किया खुलासा

बेंगलुरु । (एजेंसी)

भारतीय शोधकर्ताओं ने पाया है कि 2020 के वैश्विक कोविड लॉकडाउन का चंद्रमा तक गहरा प्रभाव पड़ा था। एक स्टडी से पता चला है कि अप्रैल-मई 2020 के सबसे सख्त लॉकडाउन के दौरान चंद्रमा की सतह के तापमान में असामान्य गिरावट दिखी गई थी।

फिजिकल रिसर्च लेबोरेटरी (पीआरएल) के के दुर्गा प्रसाद और जी अंबिली ने 2017 और 2023 के बीच चंद्रमा के निकटवर्ती भाग पर छह विभिन्न स्थानों-ओशनस प्रोसेलारम के दो स्थान, मेरे सेरेनिटैटिस, मेयर इम्ब्रियम, मेयर ट्रैंक्विलिटैटिस और मेरे क्रिसियम पर रात्रि के समय सतह के तापमान का विश्लेषण किया। पीआरएल के निदेशक अनिल भारद्वाज ने कहा कि यह हमारे समूह का एक महत्वपूर्ण कार्य है। यह काफी अद्वितीय है।

कैसे किया ये शोध

नासा के चंद्रयान के आंकड़ों का उपयोग कर शोधकर्ताओं ने पाया कि लॉकडाउन के महीनों में चंद्रमा के तापमान में अन्य वर्षों की तुलना में लगातार 8-10 डिग्री कम (8-10 केल्विन) हो गया था। शोधकर्ता प्रसाद ने बताया कि हमने वास्तव में 12 सालों का डेटा विश्लेषण किया था, लेकिन अध्ययन में समानता बनाए रखने के लिए हमने सात सालों (2017 से 2023) का डेटा प्रयोग किया, लॉकडाउन वाले साल 2020 से पहले के तीन साल और उसके बाद के तीन साल।

शोधकर्ताओं का मानना है कि लॉकडाउन के दौरान पृथ्वी से निकलने वाली विकिरण में कमी के कारण चंद्रमा के तापमान में गिरावट आई। चूंकि मानवीय गतिविधियों में काफी कमी आई थी, ग्रीनहाउस गैसों और वायुमंडलीय कणों का उत्सर्जन भी कम हो गया, इस कारण पृथ्वी के वायुमंडल में कम गर्मी फैली और वापस निकली।

तापमान में काफी बदलाव

शोधकर्ताओं ने विभिन्न स्थानों और वर्षों में तापमान में काफी बदलाव भी देखा। सबसे कम कुल तापमान 2020 में साइट-2 पर 96.2 केल्विन था, जबकि सबसे कम तापमानों में सबसे अधिक 2022 में साइट-1 पर 143.8 केल्विन था। आमतौर पर, 2020 में अधिकांश स्थानों पर सबसे ठंडा तापमान देखा गया, जबकि 2021 और 2022 में जब पृथ्वी

पर मानवीय गतिविधियां फिर से शुरू हुईं, तब एक उल्लेखनीय तापमान बढ़ने का रुझान दिखाई दिया। शोधकर्ता प्रसाद ने समझाया कि चंद्रमा पृथ्वी के विकिरण के चिन्ह का एक प्रवर्धक के रूप में कार्य करता है। इस अनूठी वैश्विक घटना ने हमें यह देखने का एक दुर्लभ मौका प्रदान किया कि पृथ्वी पर मानवीय गतिविधियों में बदलाव हमारे निकटतम खगोलीय पड़ोसी को कैसे प्रभावित कर सकता है। शोध पत्र में लिखा है कि चूंकि कोविड लॉकडाउन के दौरान चंद्रमा के रात्रि के समय सतह के तापमान में असामान्य कमी देखी गई है, इसलिए अन्य संभावित कारकों जैसे सौर गतिविधि और मौसमी प्रवाह विविधता के प्रभावों की भी जांच की गई है।

भारत दौरे पर आने वाले जमैका के पहले पीएम होलनेस.....

पीएम मोदी से की मुलाकात

नई दिल्ली। (एजेंसी)

भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को हैदराबाद हाउस में जमैका के प्रधानमंत्री एंड्रयू होलनेस के साथ चर्चा की। पीएम होलनेस की नई दिल्ली यात्रा का ऐतिहासिक महत्व है। वे भारत दौरे पर आने वाले जमैका के पहले पीएम हैं। उनकी चार दिवसीय यात्रा 3 अक्टूबर तक जारी रहेगी। इसके पहले दिन में होलनेस ने राजघाट पर महात्मा गांधी को पुष्पांजलि अर्पित की। विदेश मंत्रालय ने तस्वीरें साझा कर लिखा, राष्ट्रपिता का सम्मान! जमैका के पीएम एंड्रयू होलनेस ने मंगलवार को राजघाट पर महात्मा गांधी को पुष्पांजलि अर्पित की।

जमैका के प्रधानमंत्री राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ और अन्य उच्च पदस्थ अधिकारियों और व्यापारिक नेताओं से भी मुलाकात करने वाले है।

होलनेस के भारत दौरे पर कई समझौता ज्ञापनों (एमओयू) पर हस्ताक्षर होने की उम्मीद है, जिससे द्विपक्षीय सहयोग और मजबूत होगा। दोनों देशों का औपनिवेशिक अतीत साझा है, लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति प्रतिबद्धता और क्रिकेट के प्रति जुनून दोनों देशों में देखने को मिलता है। यात्रा से भारत-जमैका के बीच कूटनीतिक संबंधों के मजबूत होने की उम्मीद है।

आबादी का एक छोटा हिस्सा होने के बावजूद भारतीयों ने अपने

जमैका पर सांस्कृतिक और सामाजिक जीवन पर गहरा प्रभाव डाला है। 1995 में, जमैका सरकार ने देश के सामाजिक और आर्थिक विकास में भारतीयों के योगदान को मान्यता देकर 10 मई को भारतीय विरासत दिवस घोषित किया। 1 मार्च, 1998 को जमैका में भारतीय संस्कृति के लिए राष्ट्रीय परिषद का गठन किया गया। यह भारतीय संघों का छात्र संगठन है जिसका मिशन भारतीय संस्कृति को संरक्षित और बढ़ावा देना है।

राजस्थान, हरियाणा, पंजाब सहित कई राज्यों से विदा हुआ मानसून

नई दिल्ली। (एजेंसी)

अगले 2-3 दिनों के दौरान राजस्थान, हरियाणा, पंजाब के कुछ और हिस्सों के साथ-साथ जम्मू-कश्मीर, गिलगिट, बाल्टिस्तान, मुजफ्फराबाद और हिमाचल प्रदेश के कुछ हिस्सों से मॉनसून की विदाई के लिए स्थिति अनुकूल बन सकती है। हिमाचल प्रदेश से मॉनसून की विदाई सामान्य रूप से 25 सितंबर तक हो जाती है। धीमी हुई मॉनसून की विदाई की रफ्तार अब फिर तेज होती नजर आ रही है। मौसम विज्ञान विभाग ने संकेत दिए हैं कि अगले 2-3 दिनों में कुछ राज्यों से मॉनसून की विदाई के लिए स्थिति अनुकूल बनती नजर आ रही है। खास बात है कि केरल के रास्ते समय से पहले एंट्री लेने वाले मॉनसून की विदाई करीब 10 दिनों की देरी से शुरू हुई थी। मौसम विभाग का कहना है कि उत्तर पश्चिम, पश्चिम और मध्य भारत के क्षेत्रों में अगले एक सप्ताह के दौरान खास बारिश की संभावनाएं नहीं हैं। इधर, पूर्वोत्तर के अधिकांश राज्यों में इस सप्ताह के दौरान बारिश के आसार हैं। दक्षिण भारतीय राज्यों तमिलनाडु, पुडुचेरी, करईकल, केरल और माहे में अगले 2-3 दिनों के दौरान भारी बारिश की संभावनाएं हैं। मौसम विभाग ने बताया है कि 2024 का दक्षिण-पश्चिम मॉनसून सोमवार को आधिकारिक रूप से समाप्त हो गया। इस दौरान भारत में 934.8 मिमी वर्षा दर्ज की गई, जो दीर्घावधि औसत का 108 प्रतिशत तथा और 2020 के बाद से सबसे अधिक बारिश है। मध्य भारत में इस क्षेत्र के दीर्घकालिक औसत से 19 प्रतिशत अधिक वर्षा हुई, दक्षिणी प्रायद्वीप में सामान्य से 14 फीसदी ज्यादा तथा उत्तर-पश्चिम भारत में सामान्य से सात प्रतिशत अधिक बारिश दर्ज की गई।

जब .....गडकरी ने कहा, सरकार विषकन्या जैसी होती

विपक्ष ने शिंदे सरकार की घेराबंदी की

नागपुर। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी का कहना है कि महाराष्ट्र सरकार की लड़की बहिन योजना के चलते अन्य सेक्टरों को मिलने वाली सब्सिडी प्रभावित होगी। उन्होंने कहा, यह बात तय नहीं है कि निवेशकों को उनकी सब्सिडी समय पर मिलेगी, क्योंकि शिंदे सरकार को लड़की बहिन योजना के लिए भी फंड देना है। गडकरी ने विदर्भ के कारोबारियों से संवाद में कहा कि आंत्रप्रेन्योर्स को निवेश के लिए आगे आना चाहिए क्योंकि सब कुछ सरकार पर ही नहीं छोड़ा जा सकता। इतना ही नहीं उन्होंने सरकार को विषकन्या जैसा बताया। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि यह मायने नहीं रखता कि किस पार्टी की सरकार है, लेकिन सरकार विषकन्या जैसी ही होती है। गडकरी के बयान को विपक्ष ने हाथोंहाथ लेकर शिंदे सरकार को प्रदेश की आर्थिक सेहत को लेकर घेरना शुरू कर दिया। उद्धव सेना और एनसीपी-शरद पवार ने कहा कि यदि सरकार के लोग ही आर्थिक सेहत को लेकर चिंता जा रहे हैं तब यह चिंता की बात है। गडकरी ने कहा, मेरी राय है कि सरकार किसी की भी हो यानी किसी भी पार्टी की हो, उसे दूर ही रखें। गडकरी ने मजाकिया अंदाज में कहा, सरकार विषकन्या की तरह है, जिसके साथ भी जाती है, उसका नाश कर देती है। इसलिए इस मामले में मत पड़ो। उन्होंने कारोबारियों से कहा कि आप सब्सिडी के भरोसे न रहें। अब जबकि लड़की बहिन योजना की शुरुआत हो चुकी है, तब सरकार को फंड का इस्तेमाल वहां भी करना है। बता दें कि महाराष्ट्र सरकार ने राज्य की 21 से 65 साल तक की महिलाओं को प्रति माह 1500 रुपये देने का वादा किया है। यह स्कीम उन महिलाओं के लिए होगी, जिनके परिवार की सालाना कमाई 2.5 लाख रुपये से कम है। वित्त विभाग का अनुमान है कि इस योजना पर महाराष्ट्र सरकार को सालाना 46000 करोड़ रुपये खर्च आएगा। अब गडकरी की ओर से दिए बयान पर विपक्ष ने तंज कसा है। राउत ने कहा, गडकरी ने सही सवाल उठाया है। यदि ऐसे समय में फंड का बेजा प्रयोग होता है, जब सरकार के पास पैसे की कमी है और दूसरी स्कीमों को रोकना पड़ रहा है, तब केंद्र सरकार की भी कुछ जिम्मेदारी बनती है।

बिहार में नदियां उफान पर, कई गांव बने तालाब, राहत व बचाव कार्य जारी

पटना। (एजेंसी)

बिहार में कोसी समेत प्रमुख नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं। यहां बाढ़ से 16 जिले प्रभावित हैं, जिससे करीब 9 लाख लोगों की जिंदगी पर संकट आ गया है। राहत और बचाव कार्यों में जुटी एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीमें प्रभावित क्षेत्रों में लगातार काम कर रही हैं। बाढ़ पीड़ितों के लिए 43 राहत शिविर बनाए गए हैं, जहां 11 हजार से ज्यादा लोगों को पहुंचाया गया है।

बाढ़ का सबसे ज्यादा असर बिहार के उत्तर-पूर्वी इलाके में दिख रहा है, जहां पश्चिमी चंपारण, पूर्वी चंपारण, शिवहर, सीतामढ़ी और दरभंगा में तटबंधों के टूटने के कारण बाढ़ का पानी चार सौ से ज्यादा गांवों में भर गया है। खगड़िया और मधेपुरा जिलों के भी कई गांव बाढ़ के पानी में डूबे हुए हैं।

आपदा प्रबंधन विभाग के मुताबिक पूर्वी चंपारण, पश्चिमी चंपारण, अररिया, किशनगंज, गोपालगंज, शिवहर, सीतामढ़ी, सुपौल, सिवान, मधेपुरा, मुजफ्फरपुर, पूर्णिया, मधुबनी, दरभंगा, सारण और सहरसा जिले बाढ़ से प्रभावित हैं। राहत और बचाव की टीमें नावों के माध्यम से सुरक्षित स्थानों पर लोगों को ले जा रही हैं। आपदा प्रबंधन मंत्री संतोष कुमार खुद बाढ़ की स्थिति की निगरानी कर रहे हैं।

नीतीश सरकार ने बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में कम्युनिटी किचन की शुरुआत की है, जिसके तहत जिला प्रशासन 127 केंद्रों के जरिए रोज करीब 50 हजार लोगों को भोजन उपलब्ध कराया जा रहा है। अब तक करीब 55 हजार लोगों को राशन के पैकेट बांटे जा चुके हैं और बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में आठ सौ नाव चलाई गई हैं जो लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचा रही हैं।

इसके अलावा, डॉक्टरों टीम भी तैनात की गई है, बोट एंबुलेंस को भी मौके पर भेजा गया है। महामारी से बचाव के लिए लोगों को ब्लीचिंग पाउडर दिया जा रहा है ताकि डेंगू और अन्य बीमारियों का प्रकोप न फैले।

बिहार सरकार राहत कार्यों को तेजी से आगे बढ़ाने का प्रयास कर रही है, ताकि बाढ़ से प्रभावित लोगों की मदद की जा सके और उनकी जीवन रक्षा सुनिश्चित की जा सके।

कोलकाता रेप-मर्डर मामला

पीड़ित को न्याय व अन्य मांगों को लेकर जूनियर डॉक्टर्स फिर हड़ताल पर

कोलकाता। (एजेंसी)

पश्चिम बंगाल में जूनियर डॉक्टरों ने फिर हड़ताल कर दी उन्होंने कामकाज पूरी तरह से ठप कर दिया है। यह प्रदर्शन कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में एक ट्रेनी डॉक्टर के साथ दुष्कर्म और हत्या मामले के खिलाफ किया जा रहा है। डॉक्टरों ने बंगाल की ममता सरकार पर दबाव डालने का फैसला लिया है, जिसमें उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने और स्वास्थ्य ढांचे में सुधार की मांगें शामिल हैं।

जूनियर डॉक्टरों ने बैठक के बाद यह फैसला लिया। बैठक में अस्पतालों की सुरक्षा को मजबूत करने, स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार और मरीजों के रिश्तेदारों द्वारा अस्पतालों में मारपीट और धमकी देने जैसे मामलों पर चर्चा की गई। डॉक्टरों की दस मांगें हैं और उनका कहा है कि जब तक उन्हें सुरक्षा और मरीजों की सेवाओं में सुधार के लिए स्पष्ट कार्रवाई नहीं मिलती, तब तक हड़ताल जारी रहेगी।

पश्चिम बंगाल जूनियर डॉक्टर्स फ्रंट ने कहा कि हम हड़ताल पर लौटने के लिए बाध्य हैं। जब तक सरकार हमारी मांगों का समाधान नहीं करती, हमारे पास कोई विकल्प नहीं है। उन्होंने सीबीआई जांच की धीमी गति पर भी चिंता जताई और कहा कि इससे असली अपराधियों को सजा नहीं मिल रही है।

डॉक्टरों ने सुप्रीम कोर्ट की ओर से इस जघन्य घटना की सुनवाई में तेजी लाने के लिए की गई पहल की सराहना की, लेकिन उन्होंने निराशा व्यक्त की कि कोर्ट ने केवल सुनवाई को स्थगित कर दिया है। डॉक्टरों ने कहा कि हमने सीएम ममता बनर्जी और मुख्य सचिव से अपनी मांगों के संबंध में चर्चा की है, लेकिन सरकार ने हमारे पत्रों का जवाब नहीं दिया। वे इस बात से भी नाराज हैं कि राज्य सरकार ने उनकी बैठक का आयोजन नहीं किया, जिसमें जूनियर डॉक्टरों का पर्याप्त प्रतिनिधित्व होता। इस हड़ताल से अस्पतालों में चिकित्सा सेवाएं प्रभावित हो सकती हैं, जिससे

मरीजों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

महात्मा गांधी की भारत की आजादी में अहम् भूमिका थी

भारत छोड़ो आंदोलन (1942) द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान महात्मा गांधी ने भारत छोड़ो आंदोलन की शुरुआत की, जिसका नारा था 'करो या मरो'। इस आंदोलन का उद्देश्य भारत को ब्रिटिश शासन से तत्काल स्वतंत्रता दिलाना था। गांधी जी के इस आह्वान पर पूरे देश में लाखों लोगों ने अंग्रेजों के खिलाफ आंदोलन किया। इस आंदोलन ने ब्रिटिश सरकार को समझा दिया कि अब भारतीयों को अधिक समय तक गुलाम नहीं रखा जा सकता, और इसके बाद ही स्वतंत्रता के लिए अंतिम चरण की तैयारियां शुरू हुईं। भारत की आजादी के लिए ब्रिटिश साम्राज्य के खिलाफ अनेक आंदोलन लड़े और भारत को आज़ादी दिलाई।

(लेखक - संजय गोस्वामी)

(2अक्टूबर जन्मदिन पर विशेष)

महात्मा गांधी, जिनका पूरा नाम मोहनदास करमचंद गांधी था, एक महान भारतीय स्वतंत्रता संग्राम सेनानी और अहिंसा के पुजारी थे। उनका जन्म 2 अक्टूबर 1869 को गुजरात के पोरबंदर में हुआ था। गांधी जी ने भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन में एक प्रमुख भूमिका निभाई और उन्हें 'राष्ट्रपिता' के रूप में भी सम्मानित किया जाता है।गांधी जी की शिक्षा इंग्लैंड में हुई, जहां से उन्होंने कानून की पढ़ाई की। वकील बनने के बाद वे दक्षिण अफ्रीका गए, जहां उन्होंने भारतीय समुदाय के खिलाफ हो रहे भेदभाव का सामना किया और यहीं से उनके जीवन में सत्य और अहिंसा के सिद्धांतों का बीजारोपण हुआ। दक्षिण अफ्रीका में 21 साल बिताने के बाद, गांधी जी भारत लौटे और ब्रिटिश शासन के खिलाफ विभिन्न आंदोलनों का नेतृत्व किया। महात्मा गाँधी द्वारा किए गए आंदोलन महात्मा गांधी, जिन्हें बापू के नाम से भी जाना जाता है, ने भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में अद्वितीय योगदान दिया। उनके नेतृत्व में किए गए विभिन्न आंदोलनों ने न केवल भारत को स्वतंत्रता की दिशा में अग्रसर किया, बल्कि दुनिया को भी अहिंसा और सत्य के मार्ग पर चलने की प्रेरणा दी। महात्मा गांधी द्वारा किए गए ये आंदोलन न केवल भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के महत्वपूर्ण अध्याय हैं, बल्कि वे दुनिया को सत्य और अहिंसा की ताकत का अहसास भी कराते हैं। गांधी जी के नेतृत्व में किए गए ये आंदोलन भारत की स्वतंत्रता की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित हुए और आज भी उनकी शिक्षाएं और आदर्श मानवता के लिए प्रेरणा का स्रोत बने हुए हैं। यहां महात्मा गांधी द्वारा किए गए प्रमुख आंदोलनों का वर्णन किया गया है- 1. चंपारण सत्याग्रह (1917) चंपारण सत्याग्रह महात्मा गांधी द्वारा भारत में किया गया पहला बड़ा आंदोलन था। यह बिहार के चंपारण जिले में हुआ, जहां ब्रिटिश ज़मींदार गरीब किसानों से जबरन नील की खेती करा रहे थे। इस अन्याय का सामना करने के लिए गांधी जी ने सत्याग्रह का मार्ग अपनाया, जिससे ब्रिटिश सरकार को नील की खेती के अत्याचार को समाप्त करने पर मजबूर होना पड़ा। यह आंदोलन भारतीय किसानों की पहली बड़ी जीत थी और गांधी जी के नेतृत्व को पूरे देश ने स्वीकारा। 2. असहयोग आंदोलन (1920-1922) जलियांवाला बाग हत्याकांड के बाद, गांधी जी ने ब्रिटिश सरकार के खिलाफ असहयोग आंदोलन की शुरुआत की। इस आंदोलन का उद्देश्य ब्रिटिश सरकार की नीतियों का विरोध करना और स्वराज की प्राप्ति करना था। गांधी जी ने लोगों से अपील की कि वे सरकारी नौकरियों, विदेशी वस्त्रों, और ब्रिटिश संस्थानों का बहिष्कार करें। लाखों भारतीयों ने इस आंदोलन में हिस्सा लिया, जिससे ब्रिटिश सरकार को भारी नुकसान हुआ। हालाँकि, चौरी चौरा कांड के बाद गांधी जी ने इस आंदोलन को वापस ले लिया, लेकिन इसने भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में एक महत्वपूर्ण मोड़ लाया। 3. नमक सत्याग्रह (दांडी मार्च, 1930) महात्मा गांधी द्वारा चलाया गया नमक सत्याग्रह, जिसे दांडी मार्च के नाम से भी जाना जाता है, ब्रिटिश सरकार के नमक कर के खिलाफ एक अहिंसक विरोध था। 12 मार्च 1930 को गांधी जी ने साबरमती आश्रम से दांडी गांव तक 24 दिनों का पैदल मार्च किया और वहां समुद्र से नमक बनाकर ब्रिटिश कानून का उल्लंघन किया। इस आंदोलन ने ब्रिटिश शासन की जड़ें हिला दीं और यह भारतीय स्वतंत्रता संग्राम का एक महत्वपूर्ण पड़ाव बना। 4. दलित आंदोलन (1932) महात्मा गांधी ने दलितों के अधिकारों के लिए भी संघर्ष किया। 1932 में उन्होंने अखिल भारतीय छुआछूत विरोधी लीग की स्थापना की और छुआछूत विरोधी आंदोलन की शुरुआत की।

उनका उद्देश्य समाज से अस्पृश्यता को समाप्त करना और दलितों को समान अधिकार दिलाना था। इसके लिए उन्होंने उपवास और सत्याग्रह का सहारा लिया, जिससे भारतीय समाज में जागरूकता आई और दलितों के उत्थान के लिए कई सुधार किए गए। 5. भारत छोड़ो आंदोलन (1942) द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान महात्मा गांधी ने भारत छोड़ो आंदोलन की शुरुआत की, जिसका नारा था 'करो या मरो'। इस आंदोलन का उद्देश्य भारत को ब्रिटिश शासन से तत्काल स्वतंत्रता दिलाना था। गांधी जी के इस आह्वान पर पूरे देश में लाखों लोगों ने अंग्रेजों के खिलाफ आंदोलन किया। इस आंदोलन ने ब्रिटिश सरकार को समझा दिया कि अब भारतीयों को अधिक समय तक गुलाम नहीं रखा जा सकता, और इसके बाद ही स्वतंत्रता के लिए अंतिम चरण की तैयारियां शुरू हुईं। भारत की आजादी के लिए ब्रिटिश साम्राज्य के खिलाफ अनेक आंदोलन लड़े और भारत को आज़ादी दिलाई।गांधी जी के नेतृत्व में कई महत्वपूर्ण आंदोलनों का आयोजन किया गया, जिनमें असहयोग आंदोलन, नमक सत्याग्रह और भारत छोड़ो आंदोलन प्रमुख हैं। उनकी नीतियों में सत्य, अहिंसा, स्वदेशी, और आत्मनिर्भरता का महत्व था। गांधी जी ने भारतीय समाज को जाति-भेद, छुआछूत, और सामाजिक अन्याय के खिलाफ जागरूक किया और स्वतंत्रता संग्राम को एक नैतिक आधार प्रदान किया। 1947 में भारत की स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद भी गांधी जी ने सामाजिक समरसता और शांति की दिशा में काम जारी रखा।

30 जनवरी 1948 को नाथूराम गोडसे द्वारा उनकी हत्या कर दी गई, लेकिन उनके सिद्धांत और विचारधारा आज भी पूरी दुनिया में प्रेरणा का स्रोत हैं। गांधी जी का जीवन एक ऐसा मार्गदर्शक है, जो मानवता को सत्य, अहिंसा और न्याय के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है।

संपादकीय

मिथुन को फाल्के

मिथुन चक्रवर्ती का भारतीय सिनेमा के सर्वोच्च सम्मान दादा साहेब फाल्के से सम्मानित होना इस देश में फिल्म कला ही नहीं, बल्कि कला के आम सर्वहारा पारखियों का भी सम्मान है। भारतीय सिनेमा के एक कद्दावर अभिनेता मिथुन चक्रवर्ती को प्यार से मिथुन दा या दादा कहकर संबोधित किया जाता है। अक्सर यह कहा जाता है कि मिथुन सिंगल स्क्रीन सिनेमा हॉल में अगली पंक्तियों में बैठने वाले दर्शकों के सुपरस्टार हैं, पर यह भी नहीं भूलना चाहिए कि उन्हें एक गंभीर सक्षम अभिनेता के रूप में भी देखा जाता है। साल 1978 में ख्यात निर्देशक मृणाल सेन के निर्देशन में अपनी पहली ही फिल्म मृगया के लिए उन्होंने सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का राष्ट्रीय सम्मान हासिल किया था। सिने दुनिया में ऐसे गिने-चुने अभिनेता हुए हैं, जिन्होंने अपनी पहली ही कृति या प्रदर्शन के लिए राष्ट्रीय सम्मान जीता है और आगे चलकर व्यावसायिक रूप से बहुत कामयाब भी हुए हैं। दादा साहेब फाल्के सम्मान पाने वाले वह 54वें कलाकार हैं और उनको मिला यह सम्मान देश के हर वर्ग के लिए चर्चा योग्य समाचार है। वह अमीरों के भी हीरो हैं और गरीबों के भी। उनकी भाव-भंगिमा और जीवन शैली को देश में असंख्य लोगों ने अपनाया है। पहले विचार से नक्सली रहे मिथुन को सर्वश्रेष्ठ नर्तक के रूप में भी जाना जाता है और बंगाल की भूमि की ओर से वह भारतीय सिनेमा को एक ऐसे योगदान की तरह हैं, जिनको हिंदी सिनेमा में भुलाना मुश्किल है। बांग्ला, ओडिया, भोजपुरी सहित अनेक भाषाओं में फिल्में करने वाले मिथुन को बड़ी व्यावसायिक कामयाबी साल 1982 में डिस्को डांसर से मिली थी और उसके बाद उन्हें कभी पीछे मुड़कर देखने की जरूरत नहीं पड़ी। घर एक मंदिर, प्यार झुकता नहीं, गुलामी उनकी बहुचर्चित फिल्में हैं। नृत्य, गीत में बेहतरीन अभिनय के साथ, मारधाड़ के दृश्यों में स्वाभाविकता, भावपूर्ण दृश्यों में गहराई और चरित्रों में डूब जाने की कला उन्हें सबसे अलग खड़ा कर देती है। वह आम ईमानदार भारतीयों के सशक्त प्रतिनिधि बन जाते हैं। मिसाल के लिए, फिल्म अग्निपथ में उनकी छोटी भूमिका को देखा जा सकता है। मिथुन के बारे में यह कहा जा सकता है कि वह जहां भी खड़े हो जाते हैं, अपने लिए मुकम्मल जगह बना लेते हैं और सबका ध्यान खींच लेते हैं। पैसों के सदुपयोग के मोर्चे पर भी वह एक आदर्श कारोबारी हैं। ताहादेर कथा जैसी शानदार बांग्ला फिल्म हो या गुरु जैसी हिंदी फिल्म, एक मैथड एक्टर के रूप में वह खूब चमकते हैं, पर उनकी दलाल, चिता, जल्लाद, रावण राज शैली की चटक-भड़कीली फिल्में भी खूब हैं, जो छोटे कस्बों, एक स्क्रीन वाले सिनेमाघरों और मजदूरों-गरीबों के बीच खूब व्यापार करती हैं। मिथुन समाज के उस वर्ग के नायक रहे हैं, जिसे अपने स्तर का शुद्ध मनोरंजन चाहिए, बोझिल संदेश-उपदेश नहीं। अति-नाटकीयता, अति-अभिनय इस वर्ग को कुछ देर के लिए ही सही उनकी अपनी असली परेशानियों से अलग दुनिया में ले आता है। मिथुन चक्रवर्ती की यह सिनेमाई छवि उनके वास्तविक व्यवहार में भी साफ झलकती है, वह देश के सिने संसार के मजदूरों, जूनियर कलाकारों, जरूरतमंदों के एकाधिक संगठनों-संस्थाओं के नेता-अभिभावक रहे हैं। मिथुन आम लोगों को यकीन दिलाने और सपने दिखाने वाले अभिनेता हैं कि अगर आसमां तक मेरे हाथ जाते, तो कदमों में तेरे सितारे बिछाते।

देश प्रेम की भावना से ओत-प्रोत रहने वाले व्यक्ति थे लाल बहादुर शास्त्री

(लेखक- मुकेश तिवारी)

जवाहरलाल नेहरू के निधन के पश्चात देश के समक्ष एक चुनौती खड़ी हो गई थी कि अगला प्रधानमंत्री किसे बनाया जाए ऐसे में श्री लाल बहादुर शास्त्री को हिंदुस्तान का दूसरा प्रधानमंत्री बनने पर आम सहमति हो गई उन कठिन परिस्थितियों में जब उन्होंने देश का नेतृत्व संभाला, तो उनकी कार्य कुशलता, समझदारी, धैर्य परिपक्वता आदि बहुत से गुणों से सारा मुल्क भली-भांति अवगत हुआ साथ ही लोगों के सामने यह भी उदाहरण उभर कर आया कि हिंदुस्तान जैसे देश का प्रधानमंत्री एक साधारण घर का व्यक्ति भी हो सकता है। व्यक्ति कठोर परिश्रम,आत्मावलंबन, आत्मसम्मान, दूरदर्शिता, विनम्रता और सहनशीलता जैसे गुणों के कारण ही महान बनता है। इसके ज्वलंत उदाहरण थे-लालबहादुर शास्त्री

लाल बहादुर शास्त्री का जन्म 2 अकटूबर 1904 को उत्तर प्रदेश के मुगलसराय में हुआ था। इनके पिता का नाम मुंशी शारदा प्रसाद श्रीवास्तव और मां का नाम राम दुलारी देवी था। शास्त्री जी के पिता प्राथमिक विद्यालय में शिक्षक थे। उन्हे लोग मुंशी जी कहकर संबोधित करते थे। शास्त्री जी के बाल्यकाल में ही इनके सिर से इनके पिता का साया उठ गया था। पिता के निधन के पश्चात उनकी मां रामदुलारी देवी अपने पिता हजारीलाल के घर मिर्जापुर आ गई। हालांकि कुछ समय बाद ही शास्त्री के नाना भी चल बसे ऐसी स्थिति में लालबहादुर शास्त्री की परवरिश करने में उनके मौसा मौसी ने उनकी मां की हर तरह से मदद की। इस सबके बावजूद वे उन सुनहरे दिनों से वंचित हो गए जिसके वे हकदार थे। खेलने खाने की उम्र में उन्हें अभावों में जीवन यापन करने पर विवश होना पड़ा। यही अहम् वजह थी कि उनमें स्वावलंबन की प्रवृत्ति बाल्यकाल से भरी हुई थी। वे बाल्यकाल से ही भोजन बनाने। कपड़े साफ करने से लेकर अपना सारा काम स्वयं ही अपने हाथों से करते थे। अभावों ने उन्हें संयमशील, परिश्रमी, कर्मशील, स्वाभिमानी और स्वावलंबी बनाया, जो जीवनपर्यंत उनकी पूंजी रही, लालबहादुर शास्त्री जी में ज्ञान प्राप्ति की इतनी बलवती थी कि उसके आगे अभाव रुपी सारी बाधाएं बोनी हो जाती। पढ़ने की लगन और अभावों के बीच जब अंतर्द्वंद्व छिड़ता तो अभाव ही हमेशा पराजित होता। यह बात इस उदाहरण से स्पष्ट होती है कि जब शास्त्री जी के पास नाविक को देने के लिए पैसे नहीं होते थे। तो वे रामनगर से गंगा नदी को तैरकर पार करके हरिश्चंद्र स्कूल पहुंचते और अपनी कक्षा में सबसे ज्यादा अंकों से उत्तीर्ण होते थे।

आगे चलकर स्वयं के सभी काम अपने हाथ से करना उनकी आदत बन गई थी। वह जेल में होते थे या बाहर अपने कपड़े स्वयं ही धोते थे। प्रधानमंत्री बनने पर भी कभी-कभी वह अपने कमरे की सफाई स्वयं कर लेते थे। नौकर जब तक बिस्तर बछाने के लिए आते तब तक वे स्वयं ही बिछा चुके होते थे। उनकी इस आदत को देखकर यदि कोई उन्हें मना करता तो वे बड़े आदर से कहते भाई। जो आदत बाल्यकाल से बनी है। उसमें क्यों परिवर्तन किया जाए। ईश्वर ने जब हाथ पैर सही सलामत दिए हैं तब दूसरों को कष्ट क्यों दिया जाए। शास्त्री जी ने जन्म से लेकर मृत्यु पर्यन्त कर्म की ही उपासना की उन्होंने किसी आवश्यक वस्तुओं की। अभिलाषा कभी नहीं रखी यह उनके व्यक्तित्व कि सबसे बड़ी खासियत थी। शास्त्री जी सदा आत्मसम्मानी को बनाए रखने में भरोसा करते थे। पाकिस्तान द्वारा भारत पर आक्रमण कर देने पर शास्त्री जी ने सैनिकों का मनोबल बढ़ाया तथा किसानों को भी उनके बराबर का दर्जा दिया। जय जवान जय किसान का नारा देकर उन्होंने तत्कालीन परिस्थितियों में दोनों को आवश्यक माना। शास्त्री जी सैनिकों को सतत रूप से खाद्य साम्रगी की आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए हफ्ते में स्वयं एक दिन व्रत रखते थे। साथ ही उन्होंने समूचे देशवासियों से भी एक दिन का व्रत रखने की अपील की। इसका सकारात्मक प्रभाव यह हुआ कि पूरा देश उनसे सहमत होकर एक दिवसीय उपवास रखने लगा और इस तरह उपवास से बचा राशन सीमा पर जूझ रहे जवानों को उपलब्ध होता रहा इसका सकारात्मक प्रभाव शास्त्री जी के जीवन पर यह पड़ा कि उनके हृदय में दीन-हीन। पिछड़े ,शोषित तथा उपेक्षित वर्ग के लोगों के लिए करुणा का भाव उमड़ पड़ा था। अभावों ने उन्हें संयमशील, परिश्रमी कर्मशील, स्वाभिमानी व स्वावलंबी बनाया जो मरते दम तक उनकी पूजी रही।

इससे यह बात स्पष्ट होती है कि यदि किसी बात के लिए व्यक्ति दृढ़ संकल्प ले ले तो उसे अपने कार्य में सफलता अवश्य मिलती है। शास्त्री जी का व्यक्तित्व गलत बातों को कभी भी स्वीकार नहीं कर सका। प्राय: ऐसा होता है कि हम दूसरों को तो नसीहत देते हैं परंतु स्वयं उस नसीहत का पालन नहीं करते। शास्त्री जी स्वयं कोई कार्य करके। तब दूसरों को नसीहत देते थे। उदाहरणार्थ घर के भीतर टहलते हुए वे पुस्तकों, पेन, पेंसिल, रबर, कपड़ों आदि को यथा स्थान रख देते थे, इससे उनका तात्पर्य मात्र इतना ही था कि घर के अन्य सदस्य यह सीख ले कि वस्तुओं को यथा स्थान पर रखना चाहिए। हकीकत में सदस्यों को कुछ कहने सुनने की अपेक्षा उनके ऊपर इसका सकारात्मक प्रभाव पड़ता और वे मन ही मन यह दृढ़ निश्चय करते कि अब आगे से उन्हें वैसा करने का मौका नही देता। ऐसे अनेक उदाहरण है। जो लाल बहादुर शास्त्री के स्व -प्रणेता होने का प्रमाण प्रस्तुत करते हैं। शास्त्री जी अपने वाक् चातुर्य से कर्म क्षेत्र में सदैव ही अपना विशिष्ट प्रभाव छोड़ने में सफल रहे। उनकी खासियत यह थी कि वह प्रत्येक कार्य वक्त पर करते थे। शास्त्री जी अपने जीवन में नैतिक गुणों पर ज्यादा बल देते थे। कोई भी प्रलोभन उन्हें सही मार्ग से विचलित नहीं कर सका। इस शास्त्री जी का कहना था कि व्यक्ति कहीं भी रहें। कितना भी ऊंचा उठ जाए या नीचे गिरे। उसे अपने भीतर के सत्य को नही शास्त्री जी विनम्र व सहनशील व्यक्ति थे। यदि कोई उन्हें कठोर शब्दों में कुछ बोल देता था तो भी वे उस का तत्काल प्रतिकार नहीं करते थे। शास्त्री का खान-पान पूर्णत: शाकाहारी था। भोजन में उन्हें दाल रोटी, सब्जी, चावल पसंद थे। शास्त्री जी का जीवन सादगीपूर्ण था। उनके घर में सिर्फ वही वस्तुएं थी, जो दैनिक जीवन के लिए जरूरी होती है।

(चिंतन-मनन)

उत्सव है बुद्धत्व

बुद्धत्व मौलिक रूप से प्रांति है, विद्रोह है, बगावत है। काशी के पंडितों की सभा प्रमाणपत्र थोड़े ही देगी बुद्ध को! बुद्धपुरुष तुम्हें पोप की पदवियों पर नहीं मिलेंगे और न शंकराचार्यों की पदवियों पर मिलेंगे। क्योंकि ये तो परंपराएं हैं। और परंपरा में जो आदमी सफल होता है, वह मुर्दा हो तो ही सफल हो पाता है। परंपरा के द्वारा पद पाना सिर्फ मुर्दों के भाग्य में हैं, जीवंत लोगों के नहीं। यह सौभाग्य है जीवितों का और मुर्दों का दुर्भाग्य! इसलिए तुम कैसे पहचानोगे? और पूरी पहचान का तुम विचार ही मत करना। क्योंकि तुम पूरा पहचानोगे तो तुम बुद्ध हो जाओगे और तुम बुद्ध होते तो पहचानने की जरूरत न थी। तुम नहीं हो, इसीलिए तो पहचानने चले हो। इसलिए पूरे-पूरे का खयाल मत करना। छोटा सा टुकड़ा चांदनी का तैर आए तुम्हारे पास, तो बहुत धन्यभाग! अहोभाग! तुम उतने ही पर भरोसा करना। उस चांदनी के टुकड़े को पकड़ कर अगर बढ़ते रहे, चलते रहे, तो किसी दिन पूरे चांद के भी मालिक हो जाओगे। किसी दिन पूरा आकाश भी तुम्हारा हो जाएगा। तुम्हारा है; लेकिन अभी तुम्हें पहुंचना नहीं आया, चलना नहीं आया। अभी तुम घुटने के बल चलते हुए छोटे बच्चे की भांति हो। अभी तुम्हें चलने का अभ्यास करना है। तो संत उदास नहीं होंगे। बुद्धपुरुष उदास नहीं होंगे। जिनको तुम देखते हो मंदिरों-मस्जिदों में बैठे गुरु-गंभीर लोग, लंबे चेहरों वाले लोग, बुद्धपुरुष वैसे नहीं होंगे। बुद्धपुरुष तो उत्सव है। बुद्धपुरुष तो ऐसा है जिसमें अस्तित्व के कमल खिल गए। बुद्धपुरुष गंभीर नहीं। बुद्धपुरुष के पास तो मृदुहास मिलेगा। हल्की-हल्की हंसी। एक मुस्कुराहट। एक स्मित। एक उत्सव। एक आनंदभाव। तो तुम्हारी आंसुओं से भरी आंखों और कारागृह में दबे चित्त के पास अगर तुम्हें कभी कोई एक स्मित, एक हास, एक उत्सव की झलक भी आ जाए, तो छोड़ा मत उन चरणों को। उन्हीं के सहारे तुम परममुक्ति और स्वातंत्र्य के आकाश तक पहुंच जाओगे। अब तक तो तुम्हारी पहचान पतझड़ से थी। तुम्हारा जीवन राग आंसुओं और रुदन से भरा था। तुमने जीवन का कोई और अहोभाव का क्षण जाना नहीं था। नरक ही नरक जाना था। जिस क्षण किसी व्यक्ति के पास तुम्हें लगे- हवा का झोंका आया- स्वच्छ, ताजा, मलयाचल से चलकर, पहाड़ों से उतर कर तुम्हारी घाटियों में, तुम्हारे अंधेरे में- हवा का ऐसा झोंका जिसके पास अनुभव में हो जाए, समझना बुद्धत्व करीब है। कुछ घटा है।

विचार मंथन

सबसे बड़े अमीर कहलाने से डरने लगे हैं बड़े-बड़े उद्योगपति

(लेखक - सनत जैन)

चीन और भारत में पूंजीपतियों को लेकर एक जैसे हालात चीन और भारत में देखने को मिलने लगे हैं। इस कारण भारत के उद्योगपति भी इन दिनों भयभीत हैं । भारतीय उद्योगपतियों में सरकार का डर भय बना हुआ है । ईडी, सीबीआई और आयकर जैसी संस्थाएं तथा सरकार द्वारा बार-बार कानून में बदलाव किए जाने से उद्योगपति भयभीत हैं। उद्योगपतियों को सुनयोजित रूप से सरकार द्वारा प्रताड़ित किया जा रहा है । जनता के बीच में भी उद्योगपतियों की छवि खराब बनाई जा रही है । इस स्थिति को देखते हुए चीन और भारत से हजारों रिच मैन हर साल बड़ी संख्या में चीन और भारत छोड़कर विदेश की नागरिकता लेकर अपने देश से पलायन कर रहे हैं । हाल ही में चीन में एक बहुत बड़ा परिवर्तन देखने को मिला है । जैसे ही कोई सबसे बड़ा सुपर रिच मैन बनता है । उसके बाद वह अपनी कंपनी के शेयरों के दाम गिराकर सुपर रिच मैन की सूची से तुरंत नीचे आने का प्रयास करने लगता है । पिछले दिनों चीन की ई-कॉमर्स कंपनी के दिग्गज डीडीडी के संस्थापक कोलिन हुआंग जो चीन में हमेशा सुर्खियों में बने रहते हैं । हाल ही में चीन के सबसे बड़े अमीर व्यक्ति बनने के बाद, उन्होंने खुद ही अपनी कंपनी के बारे में निवेशकों से कहा, भविष्य में उनकी कंपनी के लाभ में कमी होगी । जिसके बाद उनके शेयरों की बिकवाली शुरू हो गई । एक झटके में उनकी कंपनी के शेयर के दाम गिरे । वह सबसे बड़े कारोबारी की सूची में नीचे आ गए । इसको सारी दुनिया में आश्चर्य के रूप में देखा जा रहा है । हुआंग ने अपने ही एक बयान से अपनी कंपनी का 14 अरब डॉलर का नुकसान किया । सरकार और जनता की निगाह में आने से बचने के लिए उन्होंने यह काम जानबूझकर किया । ऐसा चीन में कहा जा रहा है । उनके इस कृत्य ने दुनिया के सभी सुपर रिचमैनो को आश्चर्यचकित कर दिया है । 1970 के दशक तक चीन में कम्युनिस्ट राज था । 1970 में चीन के नए राष्ट्रपति जियाओपिंग सर्वोच्च नेता बने । उन्होंने उदारवादी दृष्टिकोण अपनाया । उन्होंने पूंजीवादी व्यवस्था को भी स्वीकार किया । जिसके कारण चीन में पूंजीवादी व्यवस्था भी बनना शुरू हुई । आज चीन सबसे बड़ा पूंजीवादी देश के रूप में विकसित हुआ है । कई विकासशील देशों की तुलना में चीन ने सबसे ज्यादा पूंजी का निर्माण किया है । चीन के उद्योगपति सारी दुनिया के देशों में पिछले तीन दशकों में बड़ी तेजी के साथ पहुंचे । 2000 आते-आते तक चीन ने अपनी धाक पूरी दुनिया के देशों में बना ली । चीन के दो बड़े उद्योगपतियों की कुल संपत्ति 2010 तक 10 अरब डॉलर के ऊपर पहुंच गई थी । चीन की शासन व्यवस्था में बदलाव आया । बड़े उद्योगपतियों के ऊपर चीन की सरकार की निगाहें खराब हुई । भ्रष्टाचार के आरोप में चीन के कई उद्योगपतियों को जेल भेजा गया । सत्ता में बैठे हुए चीनी नेताओं ने पूंजीपतियों को अपना निशाना बनाना शुरू कर दिया । उसके बाद बड़े-बड़े पूंजीपति चीन छोड़कर दूसरे देशों में जाकर शरण लेने लगे । वर्तमान में चीन के जो उद्योगपति हैं । वह सरकार और जनता की निगाह में सबसे बड़े सुपर रिच मैन की भूमिका में नहीं आना चाहते हैं । जिसके कारण वहां अब कोई रिच मैन बनने के लिए तैयार नहीं होता है । जिसका असर अब चीन में देखने को मिल रहा है । पिछले 10 वर्षों में यही स्थिति भारत में देखने को मिल रही है । भारत से पिछले 10 सालों से हर साल हजारों पूंजीपति देश छोड़कर विदेशों में शरण ले रहे हैं । वहां की नागरिकता ले रहे हैं । वहां पर भारी निवेश कर रहे हैं । भारत सरकार की निगाहें दो बड़े पूंजीपतियों को छोड़कर, अन्य पूंजीपतियों के लिए समान अवसर उपलब्ध कराने वाली नहीं हैं। जिसके कारण भारत छोड़कर जाने वाली पूंजीपतियों की संख्या हर साल हजारों में हो गई है । लाखों पूंजीपति उद्योगपति भारत छोड़कर विदेश की नागरिकता ले चुके हैं । जिस तरह से क्रोनि पूंजीबाद का असर भारत में देखने को मिल रहा है । महंगाई बेरोजगारी और अर्थव्यवस्था को लेकर जो असंतुलन बना है, उसके बाद भारत से पूंजीपतियों का पलायन बड़ी तेजी के साथ होने लगा है । इस बात का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है । शारजाह के प्रॉपर्टी मार्केट में भारतीयों की हिस्सेदारी 29 फ़ीसदी पर पहुंच गई है । भारत के बड़े-बड़े पूंजीपति यूएई, शारजाह, कनाडा, ब्रिटेन, अमेरिका और जर्मनी में भारी निवेश कर रहे हैं । भारत में भारतीय पूंजीपति निवेश नहीं कर रहे हैं । दुनिया भर के देशों में आर्थिक मंदी की जो लहर देखने को मिल रही है ।

कॉमर्शियल गैस सिलेंडर 48.50 रुपये हुआ महंगा, नई दरें लागू

नई दिल्ली। त्योनहारों की शुरुआत होने से पहले ही सार्वजनिक क्षेत्र की तेल एवं गैस विपणन कंपनियों (ओएमसी) ने कॉमर्शियल गैस सिलेंडर के दाम में 48.50 रुपये का इजाफा किया है। हालांकि, घरेलू रसोई गैस सिलेंडर के भाव में कोई बदलाव नहीं किया गया है। नई दरें आज (मंगलवार) से प्रभावी हो गई है। इंडियन ऑयल की वेबसाइट के मुताबिक नई दिल्लीर में 19 किलोग्राम वाले कॉमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमत 48.50 रुपये बढ़ कर 1740 रुपये हो गयी है, जो पहले 1691.50 रुपये में मिल रहा था। कोलकाता में इसका भाव 48 रुपये बढ़ कर 1850.50 रुपये हो गया है, जो पहले 1802.50 रुपये में मिल रहा था। मुंबई में यह 48.50 रुपये बढ़ कर 1692.50 रुपये में मिल रहा है, जिसका भाव पहले 1644 रुपये था। इसके अलावा चेन्नई में यह सिलेंडर 1903 रुपये का मिल रहा है, जो पहले 1855 रुपये में मिल रहा था। उल्लेहखनीय है कि सरकारी तेल विपणन कंपनियों आईओसी, एचपीसीएल और बीपीसीएल ने 14.2 किलोग्राम वाले घरेलू गैस सिलेंडर के दाम में कोई बदलाव नहीं किया है। दिल्ली में यह 803 रुपये और मुंबई में 802.50 रुपये का मिल रहा है।

एस्कॉर्ट्स कुबोटा की ट्रैक्टर बिक्री सितंबर में 2.5 प्रतिशत बढ़कर 12,380 इकाई

नई दिल्ली। कृषि एवं निर्माण उपकरण विनिर्माता एस्कॉर्ट्स कुबोटा लिमिटेड की सितंबर में ट्रैक्टर बिक्री 2.5 प्रतिशत बढ़कर 12,380 इकाई हो गई, जबकि पिछले साल इसी महीने उसने 12,081 ट्रैक्टर बेचे थे। एस्कॉर्ट्स कुबोटा लिमिटेड ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया, सितंबर 2024 में घरेलू ट्रैक्टर की बिक्री 11,985 इकाई रही। यह आंकड़ा सितंबर 2023 में बेची गई 11,334 इकाइयों के मुकाबले 5.7 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है। कंपनी ने कहा, ''समय पर, व्यापक तथा औसत से अधिक मानसून के कारण जलाशयों में पुनः जल स्तर बढ़ने तथा व्यापार की अनुकूल शर्तों के कारण हम चालू वित्त वर्ष की दूसरी छमाही में बिक्री में अच्छी वृद्धि की उम्मीद कर रहे हैं।'' इसमें कहा गया, पिछले महीने ट्रैक्टर का निर्यात घटकर 395 इकाई रह गया, जबकि सितंबर 2023 यह 747 ट्रैक्टर रहा था।

बजाज ऑटो की वाहन बिक्री सितंबर में 20 प्रतिशत बढ़ी

मुंबई। बजाज ऑटो की वाहन बिक्री सितंबर में 20 प्रतिशत बढ़कर 4,69,531 इकाई हो गई, जो पिछले साल इसी महीने 3,92,558 इकाई रही थी। कंपनी ने बयान में कहा, समीक्षाधीन महीने में घरेलू बिक्री सितंबर 2023 में बेची गई 2,53,193 इकाइयों से 23 प्रतिशत बढ़कर 3,11,887 वाहन हो गई। निर्यात सालाना आधार पर 13 प्रतिशत बढ़कर 1,57,644 इकाई हो गया। इसमें कहा गया, समीक्षाधीन महीने में दोपहिया वाहनों की बिक्री 4,00,489 इकाई रही, जो पिछले वर्ष इसी माह में बेची गई 3,27,712 इकाई से 22 प्रतिशत अधिक है। कंपनी ने कहा, इसमें से घरेलू दोपहिया वाहनों की बिक्री 2,59,333 इकाई रही, जो पिछले साल इसी महीने में 2,02,510 इकाइयों से 28 प्रतिशत अधिक है। निर्यात सालाना आधार पर 13 प्रतिशत अधिक 1,41,156 इकाई रहा, जबकि सितंबर 2023 में 1,25,202 इकाई था। वाणिज्यिक वाहनों की बिक्री पिछले महीने छह प्रतिशत बढ़कर 69,042 इकाई हो गई, जबकि एक साल पहले इसी अवधि में यह 64,846 इकाई थी।

सोना और सेंसेक्सः निवेश में जारी है मुकाबला, सोने ने दी चुनौती

नई दिल्ली ।

वर्तमान में सोना और सेंसेक्स दोनों में आगे निकलने के लिए दौड़ जारी है। इस समय सोने में तेजी देखी जा रही है, जिससे निवेशकों का उत्साह बढ़ा है क्योंकि सोने ने इस साल जनवरी से अब तक रिटर्न के मामले में बीएसई सेंसेक्स को पीछे छोड़ दिया है। बाजार के विशेषज्ञों का कहना है कि आने वाले मे हिनों में सोने में और तेजी देखी जा सकती है। हालांकि, देखा जाए तो एक साल की अवधि में सेंसेक्स ने सोने को काफी हद तक पछाड़ दिया है। जुलाई में बजट के दौरान सोने पर सीमा शुल्क में कमी के बावजूद निवेशकों की निराशा केवल दो महीने में खुशी में बदल गई। दूसरी ओर जून में लोकसभा चुनाव के दौरान शेयर बाजार में आई गिरावट ने निवेशकों को चिंतित कर दिया था लेकिन इसके बाद सेंसेक्स ने 85,000 के आंकड़े को पार कर लिया है। यह पहली बार है जब सेंसेक्स ने इस उच्चतम स्तर को छुआ है। पिछले पांच सालों में सोने ने निवेशकों को शानदार रिटर्न दिया है। सितंबर 2019 में सोने की कीमत लगभग 38,000 रुपये प्रति 10 ग्राम थी, जो अब बढ़कर करीब 75,000 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई है। इस तरह सोने की कीमत में 37,000 रुपये की बढ़ोतरी हुई है, जो कि 97 फीसदी का रिटर्न दर्शाता है। इस दौरान सोने ने हर साल औसतन 15.54 फीसदी रिटर्न दिया, जबकि 2020 में रिटर्न 34 फीसदी तक पहुंचा। वहीं सेंसेक्स ने इस अवधि में और भी बेहतर प्रदर्शन किया है। सितंबर 2019 में सेंसेक्स 38,800 अंकों पर था, जबकि वर्तमान में यह 85,500 अंक पर पहुंच चुका है। इस प्रकार सेंसेक्स ने 5 साल में 120 फीसदी का रिटर्न दिया, जो सोने के मुकाबले 23 फीसदी अधिक है। सेंसेक्स ने औसतन 19.20 फीसदी रिटर्न दिया, जिसमें सितंबर 2020 में सबसे ज्यादा 58 फीसदी का रिटर्न देखा गया। बाजार के विश्लेषकों का कहना है कि दिसंबर 2025 तक सेंसेक्स एक लाख के आंकड़े को छू सकता है। हालांकि विश्लेषकों का कहना है कि वह भी प्रति 10 ग्राम एक लाख रुपये तक पहुंचने में पीछे नहीं रहेगा। फेड रिजर्व की ब्याज दरों में कटौती और मिडिल ईस्ट में तनाव को देखते हुए सोने की कीमतों में और बढ़ोतरी की संभावना है। इस प्रकार निवेशकों के लिए दोनों विकल्पों में चुनौतियां और संभावनाएं हैं।

जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर की खुदरा बिक्री सितंबर में आठ प्रतिशत घटकर 4,588 इकाई

नई दिल्ली। मोटर वाहन विनिर्माता जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया की सितंबर में खुदरा बिक्री सालाना आधार पर आठ प्रतिशत घटकर 4,588 इकाई रह गई। कंपनी की सितंबर 2023 में खुदरा बिक्री 5,003 इकाई थी। जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया ने बयान में कहा, नये ऊर्जा वाहन (एनईवी) कंपनी की कुल बिक्री में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। पिछले महीने की बिक्री में इनकी हिस्सेदारी 49 प्रतिशत रही। कंपनी ने कहा कि वह अक्टूबर 2024 से 'वाहन' मंच पर आ जाएगी। हालांकि कंपनी भारत में अपने परिचालन की शुरुआत से ही लगातार अपनी खुदरा बिक्री संख्या की जानकारी दे रही है, लेकिन 'वाहन' मंच से जुड़ना समय के साथ इन संख्याओं की परिपक्वता तथा स्थिरता का एक स्वाभाविक परिणाम है। वाहन विनिर्माता ने कहा, श्राद्ध और मानसून के लंबे समय तक जारी रहने के कारण मोटर वाहन उद्योग को बिक्री के मोर्चे पर कुछ चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। हालांकि, आगामी त्योहारों से बाजार में सकारात्मक रुख के साथ ग्राहकों की संख्या बढ़ने की उम्मीद है।

शेयर बाजार हल्की गिरावट पर बंद

मुम्बई ।

घरेलू शेयर बाजार मंगलवार को हल्की गिरावट पर बंद हुआ। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट बिकवाली से आई है। आज सुबह बाजार की बढ़त के साथ शुरुआत हुई पर दूसरे सत्र में गिरावट से बाजार नीचे आ गया। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 33.49 अंक करीब 0.04फीसदी नीचे आकर 84,266.29 के लेवल पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 13.95 अंक तकरीबन 0.05 फीसदी नीचे आकर 25,796.90 के लेवल पर बंद हुआ।

आईटी और स्मॉलकैप स्टॉक्स में हुई अच्छी खरीदारी से बाजार बड़ी गिरावट से बच गया। वहीं व्यापक सूचकांकों की बात की जाए तो निफ्टी स्मॉलकैप आज 0.79 फीसदी और निफ्टी मिडकैप 0.34 फीसदी बढ़कर बंद हुए।

निफ्टी में आज केवल दो ऐसे स्टॉक्स रहे, जो 1 फीसदी से ज्यादा की बढ़त बना सके। ये निफ्टी आईटी और मीडिया स्टॉक्स हैं। निफ्टी आईटी के शेयरों ने आज ओवरआल 1.17 फीसदी और निफ्टी मीडिया के शेयरों ने 1.60 फीसदी की बढ़त बनाई। इसके अलावा आज सेक्टोरल इंडेक्सों में निफ्टी मेटल, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, पीएसयू बैंक, फार्मा और ऑटो स्टॉक्स के शेयर रहे। सबसे ज्यादा गिरावट निफ्टी ऑयल एंड गैस के शेयरों में 0.67 फीसदी की रहीं। इसके अलावा, रियल्टी, प्राइवेट बैंक, एफएमसीजी, फाइनेंशियल सर्विसेज और बैंक के शेयर भी नीचे आये।

आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स के 14 शेयर बढ़त पर बंद हुए। इनमें सबसे ज्यादा उछाल दर्ज करने वाला शेयर टेक महिंद्रा का रहा। टेक महिंद्रा के शेयर आज 2.93 फीसदी की बढ़त के साथ ही बंद हुआ। इसके अलावा, महिंद्रा एंड महिंद्रा का शेयरों ने भी 2.22 फीसदी ऊपर आया। सबसे अधिक लाभ वाले शेयरों में इंफोसिस, कोटक महिंद्रा, एसबीआई, एचसीएल टेक, अदाणी पोर्ट्स, नेस्ले इंडिया, आईसीआईसीआई बैंक , टीसीएस, अल्ट्राटेक सीमेंट्स, बजाज फिनसर्व, सनफार्मा और बजाज फाइनेंस के शेयर रहे।

इसी प्रकार निफ्टी के 21 शेयर भी ऊपर आकर बंद हुए। सबसे अधिक लाभ वाले शेयरों में टेक महिंद्रा, महिंद्रा एंड महिंद्रा, ब्रिटानिया, इंफोसिस, अदाणी एंटरप्राइजेज, कोटक महिंद्रा बैंक जैसे स्टॉक्स शामिल रहे।

सेंसेक्स पर आज इंडइइंड बैंक के शेयरों में सबसे अधिक 2.68 फीसदी की गिरावट दर्ज की गयी। इसके अलावा, एशियन पेंट्स, हिंदुस्तान यूनिलिवर, टाटा मोटर्स, टाटा स्टील, टाइटन. रिलायंस इंडस्ट्रीज, एनटीपसी, एलएंडटी, पावर ग्रिड, एक्सिस बैंक, आईटीसी, भारती एयरटेल, मारुति सुजूकी, एचडीएफसी बैंक और जेएसडब्यू स्टील के शेयर नीचे आये। वहीं निफ्टी में इंडसइंड बैंक के शेयरों में सबसे अधिक गिरावट रही । इसके अलावा, ओएनजीसी, एशियन पेंट्स, बजाज ऑटो और टाटा स्टील के शेयर नीचे आये। बाजार जानकारों के अनुसार ग्लोबल मार्केट में नरम रुझान और एफपीआई की तरफ से जमकर शेयरों की बिकवाली के चलते बाजार भावना में गिरावट आई और इसी से बाजार नीचे आया। वहीं दुनिया भर के बाजारों की बात करें तो गत दिवस अमेरिकी बाजार में तेजी रही। एशियाई बाजारों में, टोक्यो में बढ़त रही जबकि दक्षिण कोरिया, हांगकांग और चीनी बाजार छुट्टी के कारण बंद रहे। वहीं यूरोपीय बाजार बाजारों में मिश्रित कारोबार हुआ।

आईएमएफ दल ऋण समझौते पर श्रीलंका की नई सरकार के साथ करेगा चर्चा

कोलंबो।

अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) का उच्च स्तरीय दल बुधवार को श्रीलंका पहुंचेगा और नवनिर्वाचित राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके नीत सरकार के साथ नवीनतम आर्थिक सुधारों पर चर्चा करेगा। आईएमएफ ने 24 सितंबर को कहा था कि वह श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके नीत नई सरकार के साथ बातचीत शुरू करेगा। साथ ही वह 48 महीने के कर्ज के तहत जारी आर्थिक सुधारों की तीसरी समीक्षा के समय पर चर्चा करेगा। पूर्व राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे नीत सरकार जुलाई में राष्ट्रपति चुनाव की घोषणा के समय 2.9 अरब अमेरिकी डॉलर की तीसरी किस्त जारी करने के लिए आईएमएफ के साथ बातचीत कर रही थी। तीसरी समीक्षा के बाद करीब 36 करोड़ अमरीकी डॉलर के वितरण की उम्मीद थी, जिसे आईएमएफ ने चुनाव के अंत तक रोक दिया था। जारी किए गए बयान के मुताबिक एशिया प्रशांत विभाग के निदेशक कृष्णा श्रीनिवासन नीत एक उच्च स्तरीय दल दो से चार अक्टूबर को कोलंबो की यात्रा करेगा, जहां वह राष्ट्रपति दिसानायके और नए आर्थिक दल से मुलाकात करेगा।

साथ ही आईएमएफ द्वारा समर्थित श्रीलंका के आर्थिक कार्यक्रम के तहत नवीनतम आर्थिक वृद्धि तथा आर्थिक सुधारों पर चर्चा करेगा। श्रीलंका में नेशनल पीपुल्स पावर (एनपीपी) सरकार के 21 सितंबर को निर्वाचित होने के बाद आईएमएफ के साथ उनकी यह पहली बातचीत होगी। यह बैठक 2.9 अरब अमेरिकी डॉलर की ऋण सुविधा की चौथी किस्त जारी करने के मुद्दे के लिए महत्वपूर्ण होगी। चुनाव के कारण तीसरी समीक्षा और चौथी किस्त को जारी करने से रोक दिया गया था। इससे पहले तीसरी समीक्षा पूरी होने के बाद चौथी किस्त इस साल दिसंबर में जारी करने की योजना थी। आईएमएफ के दौरे से पहले सोमवार को सरकारी नीति निर्माताओं ने कहा कि राष्ट्रीय विमानन कंपनी श्रीलंकन एयरलाइंस के पुनर्गठन की योजना को टाल दिया गया है। हालांकि, इस बारे में कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया।घाटे में चल रही सरकारी कंपनियों के संबंध में आईएमएफ की गवर्नेंस डायग्नोस्टिक रिपोर्ट में विमानन कंपनी के पुनर्गठन का मुद्दा भी शामिल था।

एटीएफ 4,567.76 रुपये प्रति किलो लीटर तक हुआ सस्ता , नई दरें लागू

नई दिल्ली। त्योहारी सीजन की शुरुआत होने से पहले ही सार्वजनिक क्षेत्र की तेल एवं गैस विपणन कंपनियों (ओएमसी) ने एविएशन टरबाइन फ्यूल (एटीएफ) के दाम में 4,567.76 रुपये प्रति किलोलीटर तक घटा दी है। एटीएफ के भाव घटने से हवाई सफर सस्ताट हो सकता है। नई दरें मंगलवार से लागू हो गई है। इंडियन ऑयल की वेबसाइट के मुताबिक नई दिल्लीह में विमान ईंधन एटीएफ 5883 रुपये सस्ता होकर 87,597.22 रुपये प्रति किलोलीटर (1000 लीटर) हो गया है। वहीं, कोलकाता में एटीएफ 5,687.64 रुपये सस्ता होकर अब 90,610.80 रुपये प्रति किलोलीटर हो गया है। इसी तरह मुंबई में एटीएफ का भाव 5,566.65 रुपये सस्ता होकर 81,866.13 रुपये प्रति किलोलीटर में मिल रहा है, जो पहले 87,432.78 रुपये प्रति किलोलीटर का था। चेन्नई में एटीएफ के दाम 6,099.89 रुपये तक घटे हैं, जो अब 90,964.43 रुपये प्रति किलोलीटर में मिल रहा है। उल्लेहखनीय है कि एविएशन टर्बाइन फ्यूल (एटीएफ) को जेट फ्यूल भी कहा जाता है। यह विमानों को चलाने के लिए इस्तेमाल होने वाला ईंधन है। इसकी दरें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों पर निर्भर करती हैं। एटीएफ की कीमतों में कटौती होने से हवाई सफर सस्ता होने की उम्मींद बढ़ जाती है, जबकि एयरलाइन कंपनियों को राहत मिलती है।

जयशंकर ने अमेरिका की वाणिज्य मंत्री से की मुलाकात

वाशिंगटन।

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने अमेरिका की वाणिज्य मंत्री जीना रायमोंडो के साथ बैठक की और दोनों पक्षों ने देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार तथा निवेश संबंधों को मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा की। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी नीत सरकार के तीसरी बार सत्ता में आने के बाद जयशंकर पहली बार अमेरिका की यात्रा पर पहुंचे हैं। इस दौरान वह अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन के प्रशासन के अन्य वरिष्ठ नेताओं व अधिकारियों से भी मुलाकात करेंगे। विदेश मंत्री ने मंगलवार सुबह सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, ''हमने सेमीकंडक्टर, आईसीईटी, महत्वपूर्ण खनिजों, विश्वसनीय साझेदारी तथा आपूर्ति श्रृंखला की मजबूती पर चर्चा की। हम अपने प्रौद्योगिकी सहयोग और आर्थिक साझेदारी में जो प्रगति कर रहे हैं, उसकी सराहना करते हैं।''

अमेरिकी वाणिज्य विभाग ने सोमवार को हुई बैठक का विवरण देते हुए बयान में कहा, जयशंकर और रायमोंडो ने अमेरिका-भारत सीईओ फोरम तथा अमेरिका-भारत वाणिज्यिक वार्ता पर चर्चा की।

अमेरिकी वाणिज्य विभाग और केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के नेतृत्व में की गई इन पहलों का मकसद अमेरिका-भारत व्यापार और निवेश संबंधों को मजबूत करना है। बयान में कहा गया, ''उन्होंने समृद्धि के लिए भारत-प्रशांत आर्थिक ढांचे (आईपीईएफ) के तहत अब तक की प्रगति की भी सराहना की। साथ ही आईपीईएफ समझौतों को लागू करने के लिए काम को आगे बढ़ाने की अपनी साझा प्रतिबद्धता भी दोहरायी।''

सेबी ने नए एसेट क्लास को दी मंजूरी, इंडेक्स डेरिवेटिव्स के नियमों में कोई बदलाव नहीं

-नए एसेट क्लास में निवेश की न्यूनतम सीमा 10 लाख होगी

नई दिल्ली।

मार्केट रेगुलेटर सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया (सेबी) ने तमाम संभावनाओं और आशंकाओं को नकारते हुए इंडेक्स डेरिवेटिव्स के नियमों में कोई फेरबदल नहीं किया है। हालांकि सेबी ने किसी एक एक्सचेंज के एक इंडेक्स को फिलहाल वीकली कॉन्ट्रैक्ट देने की अनुमति देने का प्रस्ताव किया है। कहा जा रहा है कि अगर इस प्रस्ताव को मंजूरी मिल जाती है, तो एक हफ्ते में दो एक्सपायरी की व्यवस्था के पहले चरण की शुरुआत हो जाएगी। इसके साथ ही सेबी की गवर्निंग बॉडी ने म्यूचुअल फंड्स और पोर्टफोलियो मैनेजमेंट सर्विसेज के बीच के अंतर को पाटने के लिए नए एसेट क्लास को शुरू करने की मंजूरी दे दी है।

उल्लेखनीय है कि 30 जुलाई को सेबी ने एक कंसल्टेशन पेपर जारी करके शेयर बाजार में स्थिरता बढ़ाने और छोटे निवेशकों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए इंडेक्स डेरिवेटिव्स के नियमों में कुछ फेरबदल करने का प्रस्ताव रखा था। इस प्रस्ताव में कॉन्ट्रैक्ट के साइज को कम से कम चार गुना बढ़ाने, ऑप्शंस प्रीमियम को तुरंत इकट्ठा करने और वीकली कांट्रैक्ट्स की संख्या घटाने की बात कही गई थी।

मौजूदा व्यवस्था के तहत इंडेक्स आधारित कांट्रैक्ट्स का प्रावधान है, जिनकी डेली एक्सपायरी होती है। इस व्यवस्था में छोटे और खुदरा निवेशको के लिए जोखिम काफी अधिक होता है। सेबी की हाल में ही आई एक रिपोर्ट में इस बात का खुलासा भी किया गया था कि ऐसे सौदों में 93 प्रतिशत छोटे निवेशकों को नुकसान का सामना करना पड़ा है। इसी वजह से फ्यूचर्स एंड ऑप्शंस से जुड़ी वर्किंग कमेटी ने इंडेक्स डेरिवेटिव्स के नियमों में बदलाव के कुछ सुझाव दिए थे। इन्हीं सुझावों के आधार पर सेबी ने 30 जुलाई को कंसल्टेशन पेपर में अपने प्रस्तावों को शामिल किया था, जिससे इस बात का अनुमान लगाया जा रहा था कि मार्केट रेगुलेटर वर्किंग कमेटी से जुड़ी सिफारिश के आधार पर नए फ्रेमवर्क को लागू करने की बात को लेकर गंभीर है।

सेबी की गवर्निंग बॉडी ने हालांकि एक बड़ा फैसला लेते हुए म्युचुअल फंड्स और पोर्टफोलियो मैनेजमेंट सर्विसेज (पीएमएस) के अंतर को खत्म करने के लिए नए एसेट क्लास को शुरू करने के प्रस्ताव को मंजूर कर लिया है। सेबी की गवर्निंग बॉडी ने हर इन्वेस्टर के हिसाब से 10 लाख रुपये के मिनिमम टिकट साइज के आधार पर नए एसेट क्लास को हरी झंडी दिखा दी है। इसके तहत एसेट मैनेजमेंट कंपनी (एएमसी) में निवेश स्ट्रेटजी के तहत नया प्रोडक्ट पेश किया जा सकेगा।

सेबी की ओर से उपलब्ध कराई जानकारी के मुताबिक नए प्रोडक्ट के तहत पेश किए गए ऑफर को इन्वेस्टमेंट स्ट्रेटजी माना जाएगा, ताकि इसे पारंपरिक म्युचुअल फंड के तहत ऑफर की गई स्कीम से अलग रखा जा सके। नए प्रोडक्ट के लिए इन्वेस्टमेंट की मिनिमम लिमिट एसेट मैनेजमेंट कंपनी में सभी इन्वेस्टमेंट स्ट्रेटजी के तहत 10 लाख रुपये प्रति इन्वेस्टर होगी। इस नए प्रोडक्ट का मकसद नए एसेट क्लास के माध्यम से देश के इन्वेस्टमेंट सिनेरियो में बेहतर ऑप्शन को शामिल करना है। इस साल जुलाई में सेबी द्वारा जारी किए गए कंसल्टेशन पेपर में नए एसेट क्लास को लॉन्च करने की बात को लेकर भी राय मांगी गई थी। ये एसेट क्लास पोर्टफोलियो मैनेजमेंट सर्विस (पीएमएस) और म्युचुअल फंड के बीच का होगा, ताकि निवेशक अधिक जोखिम लेकर इसमें बड़ी रकम का निवेश कर सकें। इस नए एसेट क्लास का उद्देश्य निवेशकों को 10 से लेकर 50 लाख रुपये की सीमा में इन्वेस्टमेंट का ऑप्शन उपलब्ध कराना है। इसीलिए इसमें निवेश की मिनिमम लिमिट 10 लाख रुपये रखी गई है। ये एसेट क्लास तुलनात्मक तौर पर ऊंचे रिटर्न की पेशकश करेगा। हालांकि इसमें जोखिम भी तुलनात्मक तौर पर अधिक होगा।

टाटा के यूके के पोर्ट टैलबोट में स्टील प्लांट में उत्पादन बंद

लगभग 2,800 कर्मचारियों की नौकरियां खत्म हो जाएंगी

नई दिल्ली ।

टाटा ग्रुप के युनाइटेड किंगडम (यूके) के पोर्ट टैलबोट में स्थित स्टील प्लांट में स्टील उत्पादन का काम बंद हो गया है। यह फैसला बुधवार से प्रभावी हो गया है। कंपनी ने वहां स्थित ब्लास्ट फर्नेस, सिंटर प्लांट और सेकेंडरी स्टील प्लांट तथा कुछ एनर्जी सिस्टम को भी बंद कर दिया है। टाटा स्टील ने पोर्ट टैलबोट प्लांट के एक ब्लास्ट फर्नेस और कोक ओवन को इस साल की शुरुआत में ही बंद कर दिया था। हालांकि, ब्लास्ट फर्नेस से इलेक्ट्रिक आर्क फर्नेस में इस बदलाव में लगभग 2,800 नौकरियां खत्म हो जाएंगी। दरअसल, यह प्लांट काफी पुरानी हैं और ये एसेट अपने जीवन के अंतिम चरण में पहुंच गई हैं। इस प्लांट को वर्तमान स्वरूप में चलाना आर्थिक और पर्यावरणीय रूप से व्यवहार्य नहीं है। टाटा स्टील यूके के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि हम जानते हैं कि पोर्ट टैलबोट एक जाना माना स्टील प्लांट रहा है। इस प्लांट में उत्पादन को बढ़ाने के लिए हमेशा नई तकनीक अपनाने पर बल दिया गया है। यह प्लांट अक्सर अन्य स्टील निर्माताओं के लिए मानक निर्धारित करते हैं। उन्होंने कहा, उस परंपरा में, हम कम ष्टह्व2 स्क्रैप-आधारित स्टीलमेकिंग में अपने 1.25 बिलियन के निवेश के माध्यम से एक उज्जवल, हरित भविष्य की योजना बना रहे हैं, जो पूरे ब्रिटेन में 5,000 से अधिक नौकरियों को बनाए रखेगा। यह पूरे ब्रिटेन में टाटा स्टील के कारोबार को प्रतिस्पर्धा में बनाए रखने में मदद करेगा। टाटा स्टील कुल 1.25 बिलियन पाउंड स्टर्लिंग के निवेश से यूके में इलेक्ट्रिक आर्क फर्नेस का निर्माण कर रही है। इस प्लांट के लिए टाटा स्टील को ब्रिटिश सरकार से 500 मिलियन पाउंड स्टर्लिंग की सब्सिडी भी मिलेगी।

भारत का ऑलराउंड प्रदर्शन, बांग्लादेश को दूसरे टेस्ट में हराकर किया क्लीन स्वीप

कानपुर (एजेंसी)। कानपुर के ग्रीन पार्क स्टेडियम में खेला गया भारत और बांग्लादेश के बीच दूसरा टेस्ट मैच भारतीय टीम ने 7 विकेट से अपने नाम किया। इसके साथ ही रोहित ब्रिगेड ने दो मैचों की सीरीज को 2-0 से अपने नाम किया है। कानपुर टेस्ट की जीत किसी करिश्माई जीत से कम नहीं थी, क्योंकि मैच के दो दिन का खेल बारिश के कारण बाधित रहा था और पहले दिन महज 35 ओवर का ही खेल हुआ था।

यशस्वी जायसवाल ने दोनों पारियों में बेहतरीन पारी खेकर अर्धशतक जड़े। दूसरे टेस्ट मैच के आखिरी दिन भारत के सामने सबसे बड़ी चुनौती ये थी कि बांग्लादेश के 8 विकेट गिराने हैं। ये काम भारत के लिए जसप्रीत बुमराह (3), रविंद्र जडेजा (3), अश्विन (3) और आकाशदीप (1) ने मिलकर कर दिया। दिन के पहले सेशन में बांग्लादेश को 146 पर ढेर कर दिया। इस तरह जीत के लिए 95 रनों का लक्ष्य भारत को मिला, जिसे रोहित एंड कंपनी ने 17.2 ओवर में 3 विकेट खोकर हासिल कर लिया। बांग्लादेश ने पहली पारी में 233 रन बनाए थे।

इसके जवाब में भारत ने 285/9 पर पारी घोषित कर दी थी। बांग्लादेश की दूसरी पारी को भारत ने 146 पर समेट दिया था। भारत ने आसानी से 95 रनों के लक्ष्य को चेज कर लिया। वहीं इस टेस्ट सीरीज को जीतने के बाद टीम इंडिया ने अपने नाम एक महारिकॉर्ड दर्ज कराया। रोहित ब्रिगेड ने वह कारनामा कर दिखाया जो आजतक दुनिया की कोई भी टीम नहीं कर पाई।

दरअसल, भारतीय टीम ने नवंबर 2012 में इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज हारने के बाद अपने घर में एक बार भी हार नहीं झेली। बांग्लादेश के खिलाफ मिली टेस्ट सीरीज में जीत के बाद भारत ने ये रिकॉर्ड बरकरार रखा।

वहीं 12 साल से टीम इंडिया अपने घर में कोई भी टेस्ट सीरीज नहीं हारी है। भारत ने घर में पिछले 51 टेस्ट मैचों में सिर्फ 4 मैच गंवाए हैं। वहीं, टीम इंडिया ने साल 2012 से लेकर अभी तक अपने घर में 40 टेस्ट मैच जीते। इस दौरान 7 टेस्ट मैच ड्रॉ पर खत्म हुए।

अश्विन डब्लूटीसी के तीनों संस्करणों में 50 विकेट लेने वाले पहले गेंदबाज बने

कानपुर (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के दिग्गज स्पिनर आर अश्विन ने बांग्लादेश के खिलाफ यहां खेले जा रहे दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में तीन विकेट लेने के साथ ही एक अहम रिकार्ड अपने नाम कर लिया। अब अश्विन विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्लूटीसी) के तीनों की संस्करणों में 50 से ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बन गये हैं। अश्विन ने बांग्लादेश की पहली पारी में शाकिब अल हसन का विकेट लेते ही अपने 50 विकेट पूरे किये। अश्विन ने इसके बाद बांग्लादेश की दूसरी पारी में भी 2 विकेट लिए।

अश्विन के नाम अब डब्ल्यूटीसी के इस सत्र में 52 विकेट हो गए हैं। उनसे ज्यादा विकेट किसी अन्य गेंदबाज ने नहीं लिए हैं। वहीं ऑस्ट्रेलिया के जोश हेजलवुड 51 विकेट के साथ ही दूसरे नंबर पर हैं, इसके अलावा ऑस्ट्रेलिया के ही पैट कमिंस 48 विकेट लेकर तीसरे नंबर पर हैं। अश्विन ने इससे पहले डब्ल्यूटीसी (2019-21) के पहले सत्र में 71 विकेट लिए थे। वे पहले सत्र में सबसे ज्यादा विकेट लेने के मामले में दूसरे नंबर पर थे। इसके बाद उन्होंने दूसरे सत्र में कुल 61 विकेट लिए। इस प्रकार अश्विन ने डब्ल्यूटीसी के तीन सत्रों के 37 मैचों में कुल 182 विकेट लिए हैं। अब उन्हें नाथन लायन 187 का रिकार्ड तोड़ने के लिए छह विकेट की जरुरत है।.

मोर्कल ने जडेजा को मैच विजेता खिलाड़ी बताया

कानपुर (एजेंसी)। भारतीय टीम के गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्कल ने ऑलराउंडर रविन्द्र जडेजा की जमकर प्रशंसा करते हुए उसे एक संपूर्ण खिलाड़ी बताया है। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व क्रिकेटर रहे मोर्कल ने कहा कि जडेजा एक मैच विजेता खिलाड़ी हैं जो अपनी गेंदबाजी और बल्लेबाजी के बल पर किसी भी मैच का रुख बदल सकते हैं। कोच ने कहा कि जिस प्रकार जडेजा ने 74 मैचों टेस्ट मैचों में ही 3000 रन और 300 विकेट हासिल किये उससे उनकी क्षमताओं का अंदाजा होता है। इससे पहले केवल इंग्लैंड के महान ऑलराउंडर इयान बॉथम ने 72 मैचों में 3000 टेस्ट रन और 300 विकेट लिए थे। जडेजा ने बांग्लादेश हसन महमूद को आउट कर अपने 300 विकेट पूरे किये। मोर्कल ने कहा कि मेरे लिए जडेजा एक ऐसा खिलाड़ी है जो किसी भी भूमिका चाहे वह बल्लेबाजी हो या गेंदबाज खरा उतरता है। हैवह मैदान पर ऐसा खिलाड़ी है जो जादू कर सकता है। वह ऐसा खिलाड़ी है जिसे आप हमेशा अपनी टीम में रखना चाहेंगे। वह पिछले कई वर्षों से भारत के लिए लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहा है। मोर्कल के अनुसार 300 क्लब में शामिल होना एक बड़ी उपलब्धि है। वह किसी भी मैच में अपनी ओर से पूरे प्रयास करता है। जडेजा ने आर अश्विन के साथ मिलकर विरोधी टीम के बल्लेबाजों को कोई अवसर नहीं दिया है। मोर्कल ने कहा कि ये दोनो ही बल्लेबाज को कोई अवसर नहीं देते हैं। आपको इहमेशा रन बनाने के तरीके खोजने होंगे। दोनों गेंदबाज अगर एक साथ गेंदबाजी करते है तो बल्लेबाजों को रन बनाने के लिए संघर्ष करना पड़ता है।

विराट कोहली ने शाकिब अल हसन को गिफ्ट किया बल्ला

कानपुर (एजेंसी)। भारतीय स्टार बल्लेबाज विराट कोहली ने कानपुर में दूसरे टेस्ट मैच की समाप्ति के बाद बांग्लादेश के पूर्व कप्तान शाकिब अल हसन को उनके उल्लेखनीय टेस्ट करियर के लिए अपना क्रिकेट बल्ला उपहार में दिया। शाकिब ने घोषणा की है कि दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ आगामी श्रृंखला घरेलू धरती पर उनकी आखिरी श्रृंखला होगी, बशर्ते उन्हें मौका दिया जाए। अन्यथा, भारत के खिलाफ श्रृंखला उनकी विदाई सीरीज के रूप में याद रखी जाएगी।

शाकिब ने कानपुर में भारत के खिलाफ दूसरे टेस्ट से पहले प्री-मैच प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि यह मेरी आखिरी टेस्ट सीरीज हो सकती है। मैं दक्षिण अफ्रीका श्रृंखला के लिए उपलब्ध हूं, लेकिन चूंकि घर पर बहुत कुछ हो रहा है, स्वाभाविक रूप से, सब कुछ मुझ पर निर्भर नहीं करता है। मैंने बीसीबी के साथ टेस्ट क्रिकेट के लिए अपनी योजनाओं पर चर्चा की है। विशेष रूप से इस श्रृंखला और घरेलू श्रृंखला के बारे में। मैंने फारूक भाई (बीसीबी अध्यक्ष) और चयनकर्ताओं को बता दिया है। अगर मौका है और अगर मैं खेल सकता हूं, तो मेरा आखिरी टेस्ट मीरपुर में होगा। बोर्ड यह सुनिश्चित

करने की कोशिश कर रहा है कि मैं खेल सकूं और सुरक्षित महसूस कर सकूं, साथ ही मैं बिना किसी रोक-टोक के देश छोड़ सकता हूं। मैं बांग्लादेश का नागरिक हूं, इसलिए मुझे बांग्लादेश वापस जाने में कोई समस्या नहीं होनी चाहिए। मेरे करीबी दोस्त और परिवार के सदस्य चिंतित हैं। उम्मीद है कि चीजें बेहतर हो रही हैं। इसका कोई समाधान होना चाहिए।

बहरहाल, अक्टूबर में होने वाली सीरीज अभी अस्थायी है। क्योंकि क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका ने इस सप्ताह के शुरू में आयोजन स्थल के निरीक्षण के बाद अभी तक सुरक्षा मंजूरी नहीं दी है। ऐसा तब हुआ है जब शेख हसीना ने 5 अगस्त को बांग्लादेश के प्रधान मंत्री पद से इस्तीफा दे दिया और देश में छात्रों के नेतृत्व में हिंसक विरोध प्रदर्शन के बाद देश छोड़कर भाग गईं। तब शाकिब कनाडा में ग्लोबल टी20 लीग खेल रहे थे। टूर्नामेंट के समापन के बाद वह पाकिस्तान दो मैचों की टेस्ट श्रृंखला खेलने आए। पाकिस्तान में ऐतिहासिक सीरीज जीतकर बांग्लादेश की टीम भारत पहुंची थी। लेकिन वह यहां भारत से टेस्ट सीरीज नहीं जीत पाई।

बता दें कि इस सप्ताह की शुरुआत में बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) के क्रिकेट संचालन प्रभारी शहरयार नफीस ने कहा था कि जब शाकिब अवामी लीग सरकार के पतन के बाद पहली बार बांग्लादेश लौटेंगे तो उन्हें ÷गलत तरीके से परेशान÷ नहीं किया जाएगा। शाकिब पर पिछले महीने ढाका में एक हत्या के मामले में 147 लोगों के समेत मामला दर्ज किया गया था। 38 वर्षीय इस साल जनवरी में संसद सदस्य बने। इस मामले पर बांग्लादेश के कानून सलाहकार आसिफ नजरूल ने भी उम्मीद जताई थी कि मामले के सिलसिले में शाकिब को गिरफ्तार नहीं किया जाएगा।

भारतीय महिला टीम ने टी20 विश्वकप के लिए काफी अच्छी तैयारी की - लक्ष्मण

बेंगलुरू । राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) प्रमुख वीवीएस लक्ष्मण ने कहा है कि भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने टी20 विश्वकप के लिए काफी अच्छी तैयारी की है जिसका परिणाम टूर्नामेंट में मिलेगा। लक्ष्मण के अनुसार कप्तान हरमनप्रीत कौर की टीम ने सेंटर आफ एक्सीलैंस में लगाये गए शिविर में काफी अभ्यास करने के साथ ही मैच भी खेले हैं। भारतीय टीम चार अक्टूबर को दुबई में न्यूजीलैंड के खिलाफ पहला मैच खेलेगी। लक्ष्मण ने कहा, 'उन्होंने जिस प्रतिबद्धता, समर्पण और ऊर्जा के साथ तैयारी की है, वह सराहना के योग्या है। मुझे उनकी तैयारियों पर गर्व है। यह काफी अच्छा शिविर था और मुख्य कोच अमोल मजूमदार ने इस तरीके से तैयार किया था कि पहले चरण में मानसिक और शारीरिक पहलुओं पर ध्यान केन्द्रित किया गया। इसके बाद ब्रेक था और दूसरे चरण में कौशल तथा तकनीकी पहलू पर जोर दिया गया। इस दौरान टीम ने केवल नेट्स अभ्यास ही नहीं किया बल्कि मैच भी खेले। लक्ष्मण ने कहा कि महिला प्रीमियर लीग के आने के बाद देश में महिला क्रिकेट तेजी से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा, 'मेरा मानना है कि महिला क्रिकेट का ग्राफ तेजी से ऊपर जा रहा है। युवा लड़कियों और अंतरराष्ट्रीय महिला खिलाड़ियों की तैयारी का स्तर पहले से अच्छा हुआ।

यह जादू नहीं, बांग्लादेश के खिलाफ जीत के बाद बोले जसप्रीत बुमराह

कानपुर । भारतीय क्रिकेट टीम के दिग्गज तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने स्वयं को जादूगर कहे जाने पर कानपुर टेस्ट जीतने के बाद कहा कि मैं विशेषण में विश्वास नहीं रखता यह परिस्थितियों के अनुसार अनुभव का उपयोग है। दूसरे टेस्ट मैच में कुल छह विकेट लेने वाले बुमराह ने (स्वयं को जादूगर कहे जाने पर) कहा कि मैं इस तरह के विशेषण में विश्वास नहीं रखता। यह टेस्ट जीत बेहद खास है। ऐसी स्थिति में आप अपने अनुभव का उपयोग करते हैं। उन्होंने कहा कि चेन्नई की तुलना में यहां जीतना तुलनात्मक तौर पर अलग था। आकाश दीप बढ़िया गेंदबाजी कर रहे हैं और जिस तरह से वह लगातार बेहतर कर रहे हैं, उसे देखकर मैं बेहद

खुश हूं। हमारा लंबा टेस्ट सत्र है इसलिए टी-20 विश्वकप के बाद से ब्रेक जरूरी था। अभ्यास भी उतना ही आवश्यक है और यह भी देखना जरूरी था कि इस टेस्ट सत्र के लिए हमारी तैयरी पूरी हो। बुमराह ने बांग्लादेश की पहली पारी में 18 ओवर में 50 रन देकर तीन महत्वपूर्ण विकेट झटके थे। चौथे दिन के पहले सत्र की शुरुआत में जसप्रीत बुमराह ने बांग्लादेश के बल्लेबाज मुशिफकुर रहीम (11) को अपनी जादुई गेंद पर बोल्ड कर दिया था। इसके बाद बांग्लादेश की दूसरी पारी में भी उन्होंने परिस्थितियों के अनुसार अपने अनुभव का उपयोग करते हुए 10 ओवर में मात्र 17 रन देकर तीन विकेट लिए।

एलिस पेरी है विश्व की सबसे धनी महिला क्रिकेटर

मुम्बई । पिछले कुछ समय में महिला क्रिकेट भी काफी ऊपर गया है और इसमें भी पुरुष क्रिकेट की तरह ही लीग टूर्नामेंट शुरु हो गये है। इससे महिला क्रिकेटरों के प्रदर्शन के साथ ही उनकी कमाई भी तेजी से बढ़ी है। आज ऑस्ट्रेलिया और भारत की कई महिला क्रिकेटर करोडों की कमाई कर रही हैं। ये महिलाएं अब अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों के अलावा अलग-अलग देशों में लीग क्रिकेट भी खेलती है। विश्व की सबसे धनी महिला क्रिकेटर हैं ऑस्ट्रेलिया की ऑलराउंडर एलिस पेरी हैं। 33 साल की पेरी की कुल नेट वर्थ 14 मिलियन डॉलर तकरीबन 117 करोड़ से ज्यादा भारतीय रुपये है। पेरी क्रिकेट के अलावा विज्ञापनों से भी मोटी कमाई करती हैं। इसके अलावा वह महिला आईपीएल और ऑस्ट्रेलिया की महिला बिग बैश लीग के अलावा कई अन्य टी20 लीग भी खेलती हैं। वहीं कमाई में दूसरे नंबर पर भी ऑस्ट्रेलिया की ही पूर्व कप्तान मेग लैनिंग हैं। लैनिंग की कुल संपत्ति 9 मिलियन डॉलर तकरीबन 75 करोड़ से रुपये हैं। वहीं भारतीय महिला क्रिकेट टीम की पूर्व कप्तान मिताली राज तीसरे नंबर पर है। मिताली की नेट वर्थ तकरीबन 42 करोड़ रुपये है। वहीं भारतीय टीम की सलामी बल्लेबाज ओपनर स्मृति की नेट वर्थ लगभग 34 करोड़ के आसपास है। इसके अलावा भारतीय टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर की नेट वर्थ लगभग 26 करोड़ है। इंग्लैंड की दिग्गज विकेटकीपर सारा टेलर की कुल संपत्ति लगभग 17 करोड़ है। ऑस्ट्रेलिया की ही एक अन्य ऑलराउंडर हॉली फरलिंग की नेट वर्थ लगभग 13 करोड़ है।

डब्ल्यूटीसी के इतिहास की सबसे सफल कप्तान बने रोहित शर्मा, विराट कोहली और बेन स्टोक्स को पछाड़ा

कानपुर (एजेंसी)। रोहित शर्मा की अगुवाई में टीम इंडिया ने बांग्लादेश टीम को दो मैचों की टेस्ट सीरीज में मात देकर 2-0 से सीरीज अपने नाम कर ली। इसके साथ ही रोहित शर्मा आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप यानी डब्ल्यूटीसी के इतिहास के सबसे सफल कप्तान बन गए। रोहित शर्मा विनिंग पर्सेंटेज के हिसाब से डब्ल्यूटीसी में सबसे ज्यादा मैच जीतने वाले कप्तान बन गए हैं। इस मामले में रोहित शर्मा अपने ही देश के पूर्व कप्तान विराट कोहली और इंग्लैंड की टीम के मौजूदा कप्तान बेन स्टोक्स को पीछे छोड़ दिया है। इतना ही नहीं, रोहित शर्मा ने इंग्लैंड के पूर्व कप्तान जो रूट की भी बराबरी डब्ल्यूटीसी टेस्ट मैच जीतने के मामले में कर ली है।

भारत की टीम के मौजूदा कप्तान रोहित शर्मा का जीत प्रतिशत डब्ल्यूटीसी के इतिहास में 66.70 हो गया है, जबकि विराट कोहली ने 63.6 प्रतिशत के हिसाब से वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप में मैच जीते थे। लिस्ट में तीसरे नंबर बेन स्टोक्स हैं, जिनका जीत प्रतिशत इंग्लैंड के लिए 62.5 है। हालांकि, सबसे ज्यादा टेस्ट मैच पैट कमिंस ने 17 टेस्ट मैच डब्ल्यूटीसी के इतिहास में जीते हैं। बेन स्टोक्स 15 टेस्ट मैचों के साथ दूसरे नंबर पर हैं। विराट कोहली ने 14 टेस्ट डब्ल्यूटीसी में जीते हैं और रोहित शर्मा के साथ जो रूट ने 12-12 टेस्ट मैचों में जीत हासिल की है।

बता दें कि, रोहित शर्मा ने श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट सीरीज से कप्तानी संभाली थी। इसके बाद से वे एक भी सीरीज हारे नहीं हैं। एक सीरीज ड्रॉ जरुर रही है, लेकिन वे हर एक सीरीज को जीते हैं। हालांकि, एक अपवाद ये भी है कि वे डब्ल्यूटीसी का फाइनल भी हारे हैं।

रोनाल्डो के गोल से अल नस्र ने चैंपियन्स लीग में अल रेयान को हराया

रियाद । क्रिस्टियानो रोनाल्डो के गोल से सऊदी अरब के अल नस्र ने सोमवार को एएफसी चैंपियन्स लीग एलीट ग्रुप चरण के मैच में कतर के अल रेयान को 2-1 से हराया। पांच बार के बेलोन डिओर पुरस्कार विजेता रोनाल्डो वायरल संक्रमण के कारण इराक के अल शोर्ता के खिलाफ दो हफ्ते पहले 1-1 से ड्रॉ रहे टीम के पहले मैच में नहीं खेल पाए थे। उनका एक गोल ऑफ साइड हो गया लेकिन मैच खत्म होने से 14 मिनट पहले उन्होंने एक और गोल दागकर टीम की जीत सुनिश्चित की। लीवरपूल के पूर्व फारवर्ड सादियो माने ने मध्यांतर से ठीक पहले अल नस्र को बढ़त दिलाई जबकि रोनाल्डो ने टीम की बढ़त को 2-0 किया। मैच खत्म होने से तीन मिनट पहले रोजर गुएडेस ने अल रेयान के लिए गोल दागा लेकिन टीम को हार से नहीं बचा पाए। अन्य मुकाबलों में सऊदी अरब के अल अहली ने यूएई के अल वासल को 2-0 से हराकर लगातार दूसरी जीत दर्ज की जबकि कतर के अल साद ने ईरान के एस्टेघलाल को इसी अंतर से हराया। ईरान के पर्सेपोलिस और उज्बेकिस्तान के पाख्ताकोर का मुकाबला 1-1 से बराबर रहा।

जर्मनी के खिलाफ घरेलू हॉकी सीरीज की तैयारी के लिये शिविर में 40 संभावित

कानपुर (एजेंसी)। हॉकी इंडिया ने विश्व चैम्पियन जर्मनी के खिलाफ इस महीने के आखिर में यहां होने वाली दो मैचों की श्रृंखला की तैयारी के लिये बेंगलुरू में सीनियर पुरूष राष्ट्रीय कोचिंग शिविर में 40 संभावित खिलाड़ियों का चयन किया है। जर्मनी के खिलाफ 23 और 24 अक्टूबर को मेजर ध्यानचंद नेशनल स्टेडियम पर दो मैच खेले जायेंगे। शिविर एक से 19 अक्टूबर तक चलेगा।

भारतीय टीम ने पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक जीता और चीन में एशियाई चैम्पियंस ट्रॉफी में खिताब बरकरार रखा। शिविर में फोकस खिलाड़ियों के कौशल को निखारने और मैचों के दौरान की रणनीति पर होगा। भारतीय कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने कहा, '' विश्व चैम्पियन के खिलाफ खेलना बेहतरीन मौका है जिसमें हम अपनी क्षमता दिखा सकते हैं। संभावित खिलाड़ियों में शामिल हर एक के पास विभिन्न स्तर पर अनुभव है और हम एक टीम के रूप में अच्छे प्रदर्शन की कोशिश करेंगे।''

संभावित खिलाड़ी

गोलकीपर - कृशन बहादुर पाठक, पवन, सूरज करकेरा, मोहित

डिफेंडर - जरमनप्रीत सिंह, अमित रोहिदास, हरमनप्रीत सिंह, सुमित, संजय, जुगराज सिंह, अमनदीप लाकड़ा, नीलम संजीप सेस, वरूण कुमार, यशदीप सिवाच, दिप्सन टिर्की, मनदीप मोर

मिडफील्डर - राजकुमार पाल, शमशेर सिंह, मनप्रीत सिंह, हार्दिक सिंह, विवेक सागर प्रसाद, नीलाकांता शर्मा, एम रबिचंद्र सिंह, मोहम्मद राहील मौसीन, विष्णुकांत सिंह , राजिंदर सिंह, पूवन्ना सीबी

फॉरवर्ड - अभिषेक, सुखजीत सिंह, ललित कुमार उपाध्याय, मनदीप सिंह, गुरजंत सिंह, अंगद बीर सिंह, आदित्य लालागे, बॉबी सिंह धामी, सुदीप चिरमाको, एस कार्ति, मनिंदर सिंह, शिलानंद लाकड़ा, दिलप्रीत सिंह।

मैच फिक्सिंग के आरोपों से दबाव में रहती थी पाकिस्तानी टीम : मुदस्सर नजर

लाहौर । पूर्व पाकिस्तानी क्रिकेटर मुदस्सर नजर ने कहा है कि जब मैच फिक्सिंग के मामले लगातार सामने आ रहे थे तब हमारी मुश्किलें काफी बढ़ गयीं थी क्योंकि अगर हम भारतीय टीम से हारते तो हमपर फिक्सिंग के आरोप लग जाते थे। ऐसे में टीम के ड्रेसिंग रुम का माहौल बेहद तनावपूर्ण रहता था। इसका एक कारण ये भी था कि पाक के कई क्रिकेटरों पर फिक्सिंग के आरोप हैं। इसी कारण मोहम्मद आमिर, मोहम्मद आसिफ, सलमान बट, शरजील खान और खालिद लतीफ जैसे खिलाड़ियों पर प्रतिबंध भी लगाया गया था। इस पूर्व पाक क्रिकेटर ने कहा कि अगर आप 90 के दशक में हमारी टीम को देखें, तो वह ऑस्ट्रेलिया जितनी ही अच्छी थीं पर इसके बाद भी हमें मैच फिक्सिंग के कारण मैच हारने का डर बना रहता था। इसी कारण पाक टीम बेहद दबाव में रहती थी। वे कोई गेम हारते थे, तो लोग सोचते थे कि मैच

फिक्स था। कोई भी यह मानने के लिए तैयार नहीं था कि वे असल में अपने से बेहतर टीम से हारे हैं। मैं भी उस टीम का हिस्सा था जिसे गेम हारने का डर था, और यह पूरी तरह से मैच फिक्सिंग जैसे आरोपों को लेकर था। 1976 से 1989 तक पाकिस्तान के लिए खेल इस क्रिकेटर नजर का यह भी मानना ??है कि मैच फिक्सिंग के इस विवाद ने टीम के प्रदर्शन पर विपरीत प्रभाव डाला। इसी कारण पिछले डेढ़ साल में सभी प्रारूपों में उसका प्रदर्शन नीचे आया है। साथ ही कहा कि कोई भी पाकिस्तानी जानबूझकर भारतीय टीम ने मैच नहीं हारना चाहता था। हमने इसे शारजाह में देखा है और इसीलिए यह इतना बड़ा आयोजन था। क्रिकेट के मामले में ऐसा नहीं था, लेकिन शायद आम जनता के दिमाग में जो बात भर गयी थी उसे हम निकाल नहीं पाये।

मैं यह मैच जीतना चाहता था, बांग्लादेश के खिलाफ जीत में महत्वपूर्ण योगदान देकर बोले जायसवाल

कानपुर (एजेंसी)। बांग्लादेश के खिलाफ दूसरा टेस्ट जीतने के बाद भारतीय ओपनर यशस्वी जायसवाल ने कहा कि मैं यह मैच जीतना चाहता था। भारत ने बांग्लादेश के खिलाफ कानपुर में खेले गए दूसरे और अंतिम टेस्ट मैच में 7 विकेट से जीत दर्ज करते हुए सीरीज 2-0 से अपने नाम की। यशस्वी जायसवाल ने दोनों पारियों में अर्धशतक लगाए और टीम की जीत में महत्वपूर्व योगदान दिया। उन्होंने पहली पारी में 72 जबकि दूसरी इनिंग में 51 रन बनाए जिसके लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच भी चुना गया।

मैच के बाद जायसवाल ने कहा, 'मुझे लगता है कि मैं बस यही सोच रहा था कि मैं अपनी टीम के लिए क्या कर सकता हूं। चेन्नई में परिस्थितियां अलग थीं और यहां भी अलग। हर पारी महत्वपूर्ण है। मैं अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास करता हूं और उसी तरीके से तैयारी करता हूं। मुझे कहा गया कि मैं जिस तरह से खेलना चाहता हूं, खेलूं। मैं यह मैच जीतना चाहता था।' गौर हो कि भारत ने 95 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए यशस्वी जायसवाल (51) के अर्धशतक और विराट कोहली की 29 रन की शानदार पारी की बदौलत 7 विकेट से जीत अपने नाम की। इससे पहले गेंदबाजों के दम पर बांग्लादेश की टीम भारत के खिलाफ दूसरे और अंतिम क्रिकेट टेस्ट के पांचवें दिन 26/2 के आगे खेलते हुए 146 रन पर ढेर हो गई। रविचंद्रन अश्विन, सप्रीत बुमराह और रविंद्र जडेजा ने शानदार गेंदबाजी का नमूना पेश करते हुए 3-3 विकेट अपने नाम किए जबकि आकाशदीप ने एक विकेट झटका। बांग्लादेश की तरफ से दूसरी पारी में शादमान इस्लाम (50) के अलावा कोई बल्लेबाज नहीं चला। पहली पारी में शतक लगाने वाले मोमिनुल हक भी मात्र 2 रन ही बना पाए। इससे पहले भारत ने पहले टेस्ट में चौथे दिन मैच जीतकर विजय के साथ सीरीज की शुरूआत की थी।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

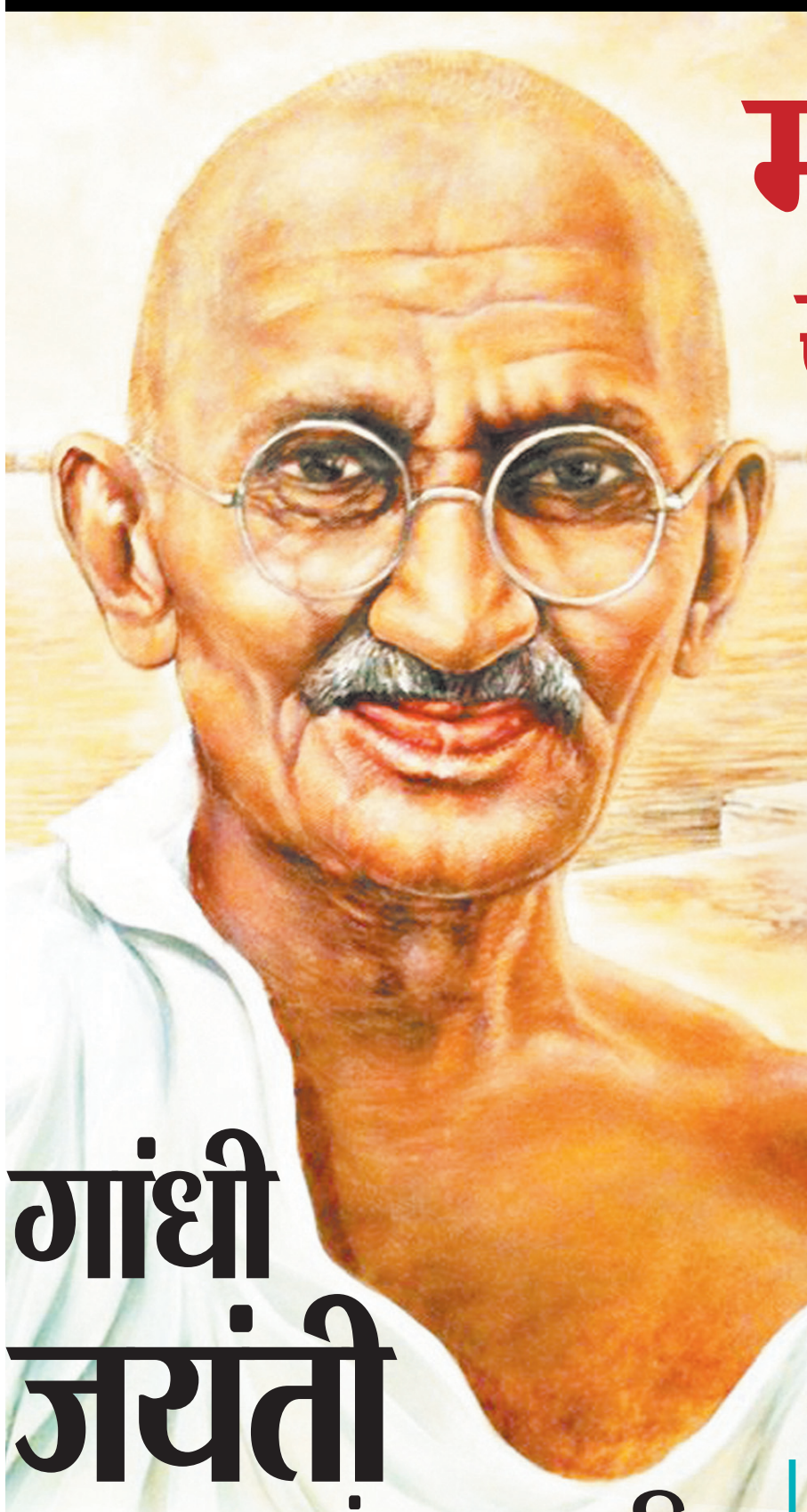

महात्मा गांधी
स्वतंत्र भारत के पिता

भारत के राष्ट्रपिता मोहनदास कर्मचंद गांधी जिन्हें बापू या महात्मा गांधी के नाम से भी जाना जाता है, के जन्म दिन 2 अक्तूबर को गांधी जयंती के रूप में मनाया जाता है। इस दिन को विश्व अहिंसा दिवस के रूप में भी मनाया जाता है। वस्तुतः गांधीजी विश्व भर में उनके अहिंसात्मक आंदोलन के लिए जाने जाते हैं, और यह दिवस उनके प्रति वैश्विक स्तर पर सम्मान व्यक्त करने के लिए मनाया जाता है ।

मोहनदास करमचंद गांधी (2 अक्तूबर 1869 – 30 जनवरी 1948) भारत एवं भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के एक प्रमुख राजनैतिक एवं आध्यात्मिक नेता थे। वे सत्याग्रह – व्यापक सविनय अवज्ञा के माध्यम से अत्याचार के प्रतिकार के अग्रणी नेता थे, उनकी इस अवधारणा की नींव संपूर्ण अहिंसा पर रखी गई थी जिसने भारत को आजादी दिलाकर पूरी दुनिया में जनता के नागरिक अधिकारों एवं स्वतंत्रता के प्रति आंदोलन के लिए प्रेरित किया।उन्हें दुनिया में आम जनता महात्मा गांधी के नाम से जानती है। संस्कृत- महात्मा अथवा महान आत्मा एक सम्मान सूचक शब्द जिसे सबसे पहले रवीन्द्रनाथ टेगौर ने प्रयोग किया और भारत में उन्हें बापू के नाम से भी याद किया जाता है। उन्हें सरकारी तौर पर राष्ट्रपिता का सम्मान दिया गया है 2 अक्टूबर को उनके जन्म दिन राष्ट्रीय पर्व गांधी जयंती के नाम से मनाया जाता है और दुनियाभर में इस दिन को अंतरराष्ट्रीय अहिंसा दिवस के नाम से मनाया जाता है। सबसे पहले गांधी ने रोजगार अहिंसक सविनय अवज्ञा प्रवासी वकील के रूप में दक्षिण अफ्रीका, में भारतीय समुदाय के लोगों के नागरिक अधिकारों के लिए संघर्ष हेतु प्रयुक्त किया। 1915 में उनकी वापसी के बाद उन्होंने भारत में किसानों , कृषि मजदूरों और शहरी श्रमिकों को अत्याधिक भूमि कर और भेदभाव के विरूद्ध आवाज उठाने के लिए एकजुट किया। 1921 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की बागडोर संभालने के बाद गांधी जी ने देशभर में गरीबी से राहत दिलाने, महिलाओं के अधिकारों का विस्तार, धार्मिक एवं जातीय एकता का निर्माण, आत्म-निर्भरता के लिए अस्पृश्यता का अंत आदि के लिए बहुत से आंदोलन चलाएं। किंतु इन सबसे अधिक विदेशी राज से मुक्ति दिलाने वाले स्वराज की प्राप्ति उनका प्रमुख लक्ष्य था। गाँधी जी ने ब्रिटिश सरकार द्वारा भारतीयों पर लगाए गए नमक कर के विरोध में 1930 में दांडी मार्च और इसके बाद 1942 में , ब्रिटिश भारत छोड़ो आन्दोलन छेडकर भारतीयों का नेतृत्व कर प्रसिद्धि प्राप्त की। दक्षिण अफ्रीका और भारत में विभिन्न अवसरों पर कई वर्षों तक उन्हें जेल में रहना पड़ा। गांधी जी ने सभी परिस्थितियों में अहिंसा और सत्य का पालन किया और सभी को इनका पालन करने के लिए वकालत भी की। उन्होंने आत्म-निर्भरता वाले आवासीय समुदाय में अपना जीवन गुजारा किया और पंरपरागत भारतीय पोशाक धोती और सूत से बनी शॉल पहनी जिसे उसने स्वयं ने चरखे पर सूत कात कर हाथ से बनाया था। उन्होंने सादा शाकाहारी भोजन खाया और आत्मशुद्धि तथा सामाजिक प्रतिकार दोनों के लिए लंबे-लंबे उपवास भी किए।

गांधी दक्षिण अफ्रीका में (1895)

दक्षिण अफ्रीका में गान्धी को भारतीयों पर भेदभाव का सामना करना पड़ा। आरम्भ में उन्हें प्रथम श्रेणी कोच की वैध टिकट होने के बाद तीसरी श्रेणी के डिब्बे में जाने से इन्कार करने के लिए ट्रेन से बाहर फेंक दिया गया था। इतना ही नहीं पायदान पर शेष यात्रा करते हुए एक यूरोपियन यात्री के अन्दर आने पर चालक की मार भी झेलनी पड़ी। उन्होंने अपनी इस यात्रा में अन्य भी कई कठिनाइयों का सामना किया। अफ्रीका में कई होटलों को उनके लिए वर्जित कर दिया गया। इसी तरह ही बहुत सी घटनाओं में से एक यह भी थी जिसमें अदालत के न्यायाधीश ने उन्हें अपनी पगड़ी उतारने का आदेश दिया था जिसे उन्होंने नहीं माना। ये सारी घटनाएँ गान्धी के जीवन में एक मोड़ बन गईं और विद्यमान सामाजिक अन्याय के प्रति जागरुकता का कारण बनीं तथा सामाजिक सक्रियता की व्याख्या करने में मददगार सिद्ध हुईं। दक्षिण अफ्रीका में भारतीयों पर हो रहे अन्याय को देखते हुए गान्धी ने अंग्रेजी साम्राज्य के अन्तर्गत अपने देशवासियों के सम्मान तथा देश में स्वयं अपनी स्थिति के लिए प्रश्न उठाये।

1906 के जुलु युद्ध में भूमिका

1906 में, दक्षिण अफ्रीका में नए चुनाव कर के लागू करने के बाद दो अंग्रेज अधिकारियों को मार डाला गया। बदले में अंग्रेजों ने जूलू के खिलाफ युद्ध छेड़ दिया। गांधी जी ने भारतीयों को भर्ती करने के लिए ब्रिटिश अधिकारियों को सक्रिय रूप से प्रेरित किया। उनका तर्क था अपनी नागरिकता के दावों को कानूनी जामा पहनाने के लिए भारतीयों को युद्ध प्रयासों में सहयोग देना चाहिए। तथापि, अंग्रेजों ने अपनी सेना में भारतीयों को पद देने से इंकार कर दिया था। इसके बावजूद उन्होने गांधी जी के इस प्रस्ताव को मान लिया कि भारतीय घायल अंग्रेज सैनिकों को उपचार के लिए स्टेचर पर लाने के लिए स्वैच्छा पूर्वक कार्य कर सकते हैं। इस कोर की बागडोर गांधी ने थामी। 21 जुलाई 1906 को गांधी जी ने इंडियन ओपिनिय में लिखा कि 23 भारतीय निवासियों के विरूद्ध चलाए गए आप्रेशन के संबंध में प्रयोग द्वारा नेटाल सरकार के कहने पर एक कोर का गठन किया गया है। दक्षिण अफ्रीका में भारतीय लोगों से इंडियन ओपिनियन में अपने कॉलमों के माध्यम से इस युद्ध में शामिल होने के लिए आग्रह किया और कहा, यदि सरकार केवल यही महसूस करती हे कि आरक्षित बल बेकार हो रहे हैं तब वे इसका उपयोग करेंगे और असली लड़ाई के लिए भारतीयों का प्रशिक्षण देकर इसका अवसर देंगे।

भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के लिए संघर्ष

1915 में, गांधी दक्षिण अफ्रीका से भारत में रहने के लिए लौट आएं।उन्होंने भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अधिवेशनों पर अपने विचार व्यक्त किए, लेकिन वे भारत के मुख्य मुद्दों, राजनीति तथा उस समय के कांग्रेस दल के प्रमुख भारतीय नेता गोपाल कृष्ण गोखले जो एक सम्मानित नेता थे पर ही आधारित थे।

चंपारण और खेड़ा – गांधी की पहली बड़ी उपलब्धि 1918 में चम्पारन और खेड़ा सत्याग्रह, आंदोलन में मिली हालांकि अपने निर्वाह के लिए जरूरी खाद्य फसलों की बजाए नकद पैसा देने वाली खाद्य फसलों की खेती वाले आंदोलन भी महत्वपूर्ण रहे। जमींदारों (अधिकांश अंग्रेज) की ताकत से दमन हुए भारतीयों को नाममात्र भरपाई भत्ता दिया गया जिससे वे अत्यधिक गरीबी से घिर गए। गांवों को बुरी तरह गंदा और अस्वास्थ्यकर और शराब, अस्पृश्यता और पर्दा से बांध दिया गया। अब एक विनाशकारी अकाल के कारण शाही कोष की भरपाई के लिए अंग्रेजों ने दमनकारी कर लगा दिए जिनका बोझ दिन प्रतिदिन बढता ही गया। यह स्थिति निराशजनक थी। खेड़ा, गुजरात में भी यही समस्या थी। गांधी जी ने वहां एक आश्रम बनाया जहाँ उनके बहुत सारे समर्थकों और नए स्वेच्छिक कार्यकर्ताओं को संगठित किया गया। उन्होंने गांवों का एक विस्तृत अध्ययन और सर्वेक्षण किया जिसमें प्राणियों पर हुए अत्याचार के भयानक कांडों का लेखाजोखा रखा गया और इसमें लोगों की अनुत्पादकीय सामान्य अवस्था को भी शामिल किया गया था। ग्रामीणों में विश्वास पैदा करते हुए उन्होंने अपना कार्य गांवों की सफाई करने से आरंभ किया जिसके अंतर्गत स्कूल और अस्पताल बनाए गए और उपरोक्त वर्णित बहुत सी सामाजिक बुराईयों को समाप्त करने के लिए ग्रामीण नेतृत्व प्रेरित किया।

असहयोग आन्दोलन – गांधी जी ने असहयोग, अहिंसा तथा शांतिपूर्ण प्रतिकार को अंग्रेजों के खिलाफ़ शस्त्र के रूप में उपयोग किया। पंजाब में अंग्रेजी फोजों द्वारा भारतीयों पर जलियावांला नरसंहार जिसे अमृतसर नरसंहार के नाम से भी जाना जाता है ने देश को भारी आघात पहुंचाया जिससे जनता में क्रोध और हिंसा की ज्वाला भड़क उठी। गांधीजी ने ब्रिटिश राज तथा भारतीयों द्वारा प्रतिकारात्मक रवैया दोनों की की। उन्होंने ब्रिटिश नागरिकों तथा दंगों के शिकार लोगों के प्रति संवेदना व्यक्त की तथा पार्टी के आरंभिक विरोध के बाद दंगों की भर्त्सना की। गांधी जी के भावनात्मक भाषण के बाद अपने सिद्धांत की वकालत की कि सभी हिंसा और बुराई को न्यायोचित नहीं ठहराया जा सकता है। किंतु ऐसा इस नरसंहार और उसके बाद हुई हिंसा से गांधी जी ने अपना मन संपूर्ण सरकार आर भारतीय सरकार के कब्जे वाली संस्थाओं पर संपूर्ण नियंत्रण लाने पर केंद्रित था जो जल्दी ही स्वराज अथवा संपूर्ण व्यक्तिगत, आध्यात्मिक एवं राजनैतिक आजादी में बदलने वाला था।

स्वराज और नमक सत्याग्रह – गांधी जी सक्रिय राजनीति से दूर ही रहे और 1920 की अधिकांश अवधि तक वे स्वराज पार्टी और इंडियन नेशनल कांग्रेस के बीच खाई को भरने में लगे रहे और इसके अतिरिक्त वे अस्पृश्यता , शराब, अज्ञानता और गरीबी के खिलाफ आंदोलन छेड़ते भी रहे। उन्होंने पहले 1928 में लौटे एक साल पहले अंग्रेजी सरकार ने सर जॉन साइमन के नेतृत्व में एक नया संवेधानिक सुधार आयोग बनाया जिसमें एक भी सदस्य भारतीय नहीं था। इसका परिणाम भारतीय राजनैतिक दलों द्वारा बहिष्कार निकला। दिसंबर 1928 में गांधी जी ने कलकत्ता में आयोजित कांग्रेस के एक अधिवेशन में एक प्रस्ताव रखा जिसमें भारतीय साम्राज्य को सत्ता प्रदान करने के लिए कहा गया था अथवा ऐसा न करने के बदले अपने उद्देश्य के रूप में संपूर्ण देश की आजादी के लिए असहयोग आंदोलन का सामना करने के लिए तैयार रहें। गांधी जी ने न केवल युवा वर्ग सुभाष चंद्र बोस तथा जवाहरलाल नेहरू जैसे पुरूषों द्वारा तत्काल आजादी की मांग के विचारों को फलीभूत किया बल्कि अपनी स्वयं की मांग को दो साल की बजाए एक साल के लिए रोक दिया। अंग्रेजों ने कोई जवाब नहीं दिया। नहीं 31 दिसंबर 1929 , भारत का झंडा फहराया गया था लाहौर में है . 26 जनवरी 1930 का दिन लाहौर में भारतीय स्वतंत्रता दिवस के रूप में इंडियन नेशनल कांग्रेस ने मनाया। यह दिन लगभग प्रत्येक भारतीय संगठनों द्वारा भी मनाया गया। इसके बाद गांधी जी ने मार्च 1930 में नमक पर कर लगाए जाने के विरोध में नया सत्याग्रह चलाया जिसे 12 मार्च से 6 अप्रेल तक नमक आंदोलन के याद में 400 किलोमीटर (248 मील) तक का सफर अहमदाबाद से दांडी, गुजरात तक चलाया गया ताकि स्वयं नमक उत्पन्न किया जा सके। समुद्र की ओर इस यात्रा में हजारों की संख्या में भारतीयों ने भाग लिया। भारत में अंग्रेजों की पकड़ को विचलित करने वाला यह एक सर्वाधिक सफल आंदोलन था जिसमें अंग्रेजों ने 80,000 से अधिक लोगों को जेल भेजा।

द्वितीय विश्व युद्ध और भारत छोड़ो – द्वितीय विश्व युद्ध 1939 में जब छिड़ने नाजी जर्मनी आक्रमण पोलैंड. आरंभ में गांधी जी ने अंग्रेजों के प्रयासों को अहिंसात्मक नैतिक सहयोग देने का पक्ष लिया किंतु दूसरे कांग्रेस के नेताओं ने युद्ध में जनता के प्रतिनिधियों के परामर्श लिए बिना इसमें एकतरफा शामिल किए जाने का विरोध किया। कांग्रेस के सभी चयनित सदस्यों ने सामूहिक तौर पर अपने पद से इस्तीफा दे दिया। लंबी चर्चा के बाद, गांधी ने घोषणा की कि जब स्वयं भारत को आजादी से इंकार किया गया हो तब लोकतांत्रिक आजादी के लिए बाहर से लड़ने पर भारत किसी भी युद्ध के लिए पार्टी नहीं बनेगी। जैसे जैसे युद्ध बढता गया गांधी जी ने आजादी के लिए अपनी मांग को अंग्रेजों को भारत छोड़ो आन्दोलन नामक विधेयक देकर तीव्र कर दिया। यह गांधी तथा कांग्रेस पार्टी का सर्वाधिक स्पष्ट विद्रोह था जो भारतीय सीमा से अंग्रेजों को खदेड़ने पर लक्षित था। गांधी जी के दूसरे नंबर पर बैठे जवाहरलाल नेहरू की पार्टी के कुछ सदस्यों तथा कुछ अन्य राजनैतिक भारतीय दलों ने आलोचना की जो अंग्रेजों के पक्ष तथा विपक्ष दोनों में ही विश्वास रखते थे। कुछ का मानना था कि अपने जीवन काल में अथवा मौत के संघर्ष में अंग्रेजों का विरोध करना एक नश्वर कार्य है जबकि कुछ मानते थे कि गांधी जी पर्याप्त कोशिश नहीं कर रहे हैं। भारत छोड़ो इस संघर्ष का सर्वाधिक शक्तिशाली आंदोलन बन गया जिसमें व्यापक हिंसा और गिरफ्तारी हुई। पुलिस की गोलियों से हजारों की संख?या में स्वतंत्रता सेनानी या तो मारे गए या घायल हो गए और हजारों गिरफ्तार कर लिए गए। गांधी और उनके समर्थकों ने स्पष्ट कर दिया कि वह युद्ध के प्रयासों का समर्थन तब तक नहीं देंगे तब तक भारत को तत?काल आजादी न दे दी जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस बार भी यह आन्दोलन बन्द नहीं होगा यदि हिंसा के व्यक्तिगत कृत्यों को मूर्त रूप दिया जाता है। उन्होंने कहा कि उनके चारों ओर अराजकता का आदेश असली अराजकता से भी बुरा है। उन्होंने सभी कांग्रेसियों और भारतीयों को अहिंसा के साथ करो या मरो (अंग्रेजी में डू ऑर डाय) के द्वारा अन्तिम स्वतन्त्रता के लिए अनुशासन बनाए रखने को कहा।

स्वतंत्रता और भारत का विभाजन

गांधी जी ने 1946 में कांग्रेस को ब्रिटिश केबीनेट मिशन के प्रस्ताव को ठुकराने का परामर्श दिया क्योकि उसे मुस्लिम बाहुलता वाले प्रांतों के लिए प्रस्तावित समूहीकरण के प्रति उनका गहन संदेह होना था इसलिए गांधी जी ने प्रकरण को एक विभाजन के पूर्वाभ्यास के रूप में देखा। हालांकि कुछ समय से गांधी जी के साथ कांग्रेस द्वारा मतभेदों वाली घटना में से यह भी एक घटना बनी। चूंकि नेहरू और पटेल जानते थे कि यदि कांग्रेस इस योजना का अनुमोदन नहीं करती है तब सरकार का नियंत्रण मुस्लिम लीग के पास चला जाएगा। 1948 के बीच लगभग 5000 से भी अधिक लोगों को हिंसा के दौरान मौत के घाट उतार दिया गया। गांधी जी किसी भी ऐसी योजना के खिलाफ थे जो भारत को दो अलग अलग देशों में विभाजित कर दे।भारत में रहने वाले बहुत से हिंदुओं और सिक्खों एवं मुस्लिमों का भारी बहुमत देश के बंटवारे के पक्ष में था। इसके अतिरिक्त मुहम्मद अली जिन्ना, मुस्लिम लीग के नेता ने, पश्चिम पंजाब, सिंध, उत्तर पश्चिम सीमांत प्रांत और ईस्ट बंगाल में व्यापक सहयोग का परिचय दिया। व्यापक स्तर पर फैलने वाले हिंदु मुस्लिम लड़ाई को रोकने के लिए ही कांग्रेस नेताओं ने बंटवारे की इस योजना को अपनी मंजूरी दे दी थी। कांगेस नेता जानते थे कि गांधी जी बंटवारे का विरोध करेंगे और उसकी सहमति के बिना कांग्रेस के लिए आगे बझना बसंभव था चुकि पाटर्टी में गांधी जी का सहयोग और संपूर्ण भारत में उनकी स्थिति मजबूत थी। गांधी जी के करीबी सहयोगियों ने बंटवारे को एक सर्वोत्तम उपाय के रूप में स्वीकार किया और सरदार पटेल ने गांधी जी को समझाने का प्रयास किया कि नागरिक अशांति वाले युद्ध को रोकने का यही एक उपाय है। मज़बूर गांधी ने अपनी अनुमति दे दी।

हत्या

30 जनवरी 1948 गांधी की उस समय गोली मारकर हत्या कर दी गई जब वे नई दिल्ली के बिड़ला भवन के मैदान में रात चहलकदमी कर रहे थे। गांधी का हत्यारा नाथूराम गौड़से हिन्दू राष्ट्रवादी थे जिनके कट्टरपंथी हिंदु महासभा के साथ संबंध थे जिसने गांधी जी को पाकिस्तान को भुगतान करने के मुद्दे को लेकर भारत को कमजोर बनाने के लिए जिम्मेदार ठहराया था। गोड़से और उसके उनके सह षड्यंत्रकारी नारायण आप्टे को बाद में केस चलाकर सजा दी गई तथा 15 नवंबर1949 को इन्हें फांसी दे दी गई।

गांधी जयंती
आत्ममूल्यांकन का दिन

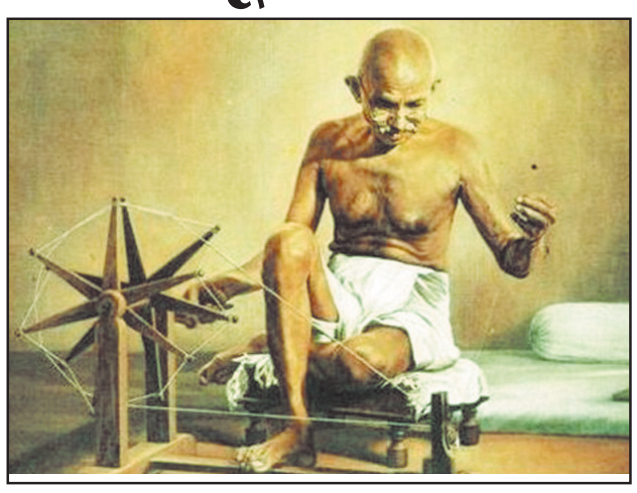

आज गांधी जयंती है। गांधी प्रतिमाओं और उनकी तस्वीरों को पिछली पुण्यतिथि के बाद धोने-पोंछने का यह पहला अवसर आया है। प्रत्येक वर्ष ऐसा ही होता है, जयंती और पुण्यतिथि के बीच की अवधि में गांधीजी के साथ कोई नहीं होता है। कड़वी बात तो यह है कि बचे-खुचे गांधीवादी भी नहीं। वे गांधीजी का साथ दे भी नहीं सकते हैं क्योंकि जरूरतों और परिस्थितियों ने उन्हें भी सिखा दिया है कि गांधी बनने से केवल प्रताड़ना मिल सकती है, संपदा, संपत्ति नहीं। वैचारिक धरातल में यह खोखलापन एक दिन या एक माह या एक वर्ष में नहीं आ गया। जान-बूझकर धीरे-धीरे और योजनाबद्ध ढंग से गांधी सिद्धांतों को मिटाया जा रहा है क्योंकि यह मौजूदा स्वार्थों में सबसे बड़े बाधक हैं। गांधी सिद्धांतों को मिटाने की इस गतिविधि को देखा नहीं गया, ऐसा नहीं है। सब चुप हैं क्योंकि अपना-अपना लाभ सभी को चुप रहने के लिए प्रेरित कर रहा है। आमतौर पर जन्मदिन या जयंती के दिन आस्था के फूल अर्पित करने की परंपरा है। इस दिन कड़वी बातों को कहने का रिवाज नहीं है। यदि इस रिवाज को तोड़ा जा रहा है, तो मजबूरी के दबाव को समझे जाने की आवश्यकता है। यह राष्ट्र नेताओं को महात्मा गांधी के सिद्धांतों पर कीचड़ उछालने की अनुमति कैसे दे रहा है, क्यों दे रहा है? यह कैसी सहिष्णुता है जो राष्ट्र की बुनियादी विचारधारा को मटियामेट करने पर आमादा है?

कहते हैं कि जो राष्ट्र अपने चरित्र की रक्षा करने में सक्षम नहीं है, उसकी रक्षा कोई नहीं कर सकता है। क्या परमाणु बम भारतीयता की रक्षा कर पाएगा? दरअसल, यह भुला दिया गया है कि पहले विश्वास बनता है, फिर श्रद्धा कायम होती है। किसी ने अपनी जय-जयकार करवाने के लिए क्रम उलट दिया और उल्टी परंपरा बन गई। अब विश्वास हो या नहीं हो, श्रद्धा का प्रदर्शन जोर-शोर से किया जाता है। गांधीजी भी श्रद्धा के इसी प्रदर्शन के शिकार हुए हैं। उनके सिद्धांतों में किसी को विश्वास रहा है या नहीं, इससे कुछ फर्क नहीं पड़ता। जयंती और पुण्यतिथि पर उनकी कसमें खाकर वाहवाही जरूर लूटी जा रही है। गांधीजी के विचार बेचने की एक वस्तु बनकर रह गए हैं। वे छपे शब्दों से अधिक कुछ नहीं हैं। इसलिए ही गांधीजी की जरूरत आज पहले से कहीं अधिक है। इस जरूरत को पूरा करने की सामर्थ्य वाला व्यक्तित्व दूर-दूर तक नजर नहीं आ रहा है। हर कोई चाहता है कि आदर्श और मूल्य इतिहास में बने रहें और इतिहास को वह पूजता भी रहेगा। परंतु अपने वर्तमान को वह इस इतिहास से बचाकर रखना चाहता है। अपने लालच की रक्षा में वह गांधी की रोज हत्या कर रहा है, पल-पल उन्हें मार रहा है और राष्ट्र भीड़ की तरह तमाशबीन बनकर चुपचाप उसे देख रहा है। शायद कल उनमें से किसी को यही करना पड़े! अपने हितों की विरोधी चीजों को इतिहास में बदल देने में भारतीयता आजादी के बाद माहिर हो चुकी है। वर्तमान और इतिहास की इस लड़ाई में वर्तमान ही जीतता आ रहा है क्योंकि इतिहास की तरफ से लड़ने वाले शेष नहीं हैं। आज गांधी जयंती है। गांधीजी की प्रतिमा के सामने आंख मूंदकर कुछ क्षण खड़े रहने वाले क्या यह पश्चाताप कर रहे होंगे कि वे गांधीजी के बताए रास्तों पर क्यों नहीं चल रहे हैं? नहीं, वे यह कतई नहीं सोच रहे होंगे। तब वे मन ही मन क्या कह रहे होंगे? सोचिए और उस पर मनन कीजिए। गांधी जयंती पर यही बड़ा काम होगा।

गांधीजी ने बजाया था सत्याग्रह का बिगुल

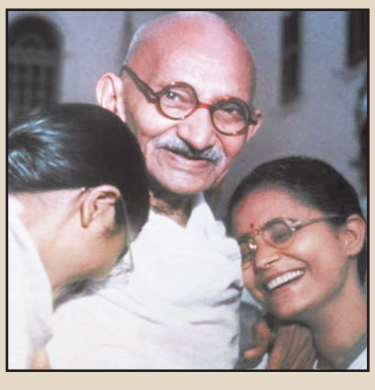

दक्षिण अफ्रीका से लौटने के बाद भारतवासियों को उनके अधिकार दिलाने के लिए गांधी जी नेशनल इण्डियन कांग्रेस की स्थापना की। पहली बार सत्याग्रह के शस्त्र का प्रयोग किया और विजय भी पाई। इस प्रकार सन? 1914-15 में गांधी जब दक्षिण अफ्रीका से वापिस भारत लौटे, तब तक इन विचारों और जीवन-व्यवहारों में आमूल-चूल परिवर्तन आ चुका था।

भारत लौटकर कुछ दिन गांधी जी देश का भ्रमण कर वास्तविक स्थिति का जायजा लेते रहे। फिर भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस जैसी संस्था को पूर्ण स्वतंत्रता का लक्ष्य देकर संघर्ष में कूद पड़े। क्योंकि प्रथम विश्वयुद्ध में वचन देकर भी अंग्रेज सरकार ने भारतीयों के प्रति अपने रवैये में कोई परिवर्तन नहीं किया था, इससे गांधी जी और भी चिढ़ गए और अंग्रेजी कानूनों का बहिष्कार और सत्याग्रह का बिगुल बजा दिया। भारतवासियों के मानवाधिकारों का हनन करने वाले रोलट एक्ट का स्थान-स्थान पर विरोध-बहिष्कार होने लगा। सन 1919 में जलियां-वाला बाग में हो रही विरोध-सभा पर हुए अत्याचार ने गांधी जी की अंतरात्मा को हिलाकर रख दिया। सो अब ये समूचे स्वतंत्रता आंदोलन की बागडोर सम्हाल खुलम-खुल्ला संघर्ष में कूद पड़े। इनका संकेत पाते ही सारे देश में विरोधी आंदोलनों की एक आंधी सी छा गई। अंग्रेज सरकार की लाठी-गोलियां भी अंधाधुंध बरसने लगीं। जेलें सत्याग्रहियों से भर उठीं। गांधीजी को भी जेल में डाल दिया गया। बिहार की नील सत्याग्रह, डाण्डी यात्रा या नमक सत्याग्रह, खेड़ा का किसान सत्याग्रह आदि गांधी जी के जीवन के प्रमुख सत्याग्रह हैं। इन्हें कई बार महीने-महीने भर का उपवास भी करना पड़ा। अपने विचारों के प्रचार-प्रसार के लिए इन्होंने नवजीवन और यंग इण्डिया जैसे पत्र भी प्रकाशित किए। विदेशी-बहिष्कार और विदेशी माल का दाह, मद्य निषेध के लिए धरने का आयोजन, अछूतोद्धार, स्वदेशी प्रचार के लिए चर्खे और खादी को महत्व देना, सर्वधर्म-समन्वय और विशेषकर हिन्दू-मुस्लिम एकता के लिए प्रचार इनके द्वारा आरंभ किए गए अन्य प्रमुख सामाजिक सुधारात्मक कार्य माने गए हैं। इस प्रकार के स्वतंत्रता दिलाने वाले प्रयासों के लिए अक्सर बीच-बीच में इन्हें जेलयात्रा भी करनी पड़तीं। सन 1931 में इग्लैंड में संपन्न गोलमेज कान्फ्रेस में भाग लेने के लिए गांधी जी वहां गए, पर जब इनकी इच्छा के विरुद्ध हरिजनों को निर्वाचन का विशेषाधिकार हिन्दुओं से अलग करके दे दिया, तो भारत लौटकर गांधी जी ने पुनः आंदोलन आरंभ कर दिया। बंदी बनाए जाने पर जब ये अनशन करने लगे, तो सारा देश क्षुब्ध हो उठा। फलतः ब्रिटिश सरकार को गांधी जी के मतानुसार हरिजनों का पृथक निर्वाचनाधिकार का हठ छोड़ना पड़ा।

संक्षिप्त समाचार

पाकिस्तान के बलूचिस्तान में आतंकवादियों ने पंजाब के 7 मजदूरों की हत्या की

पेशावर, एजेंसी। पाकिस्तान के अशांत बलूचिस्तान प्रांत में संदिग्ध आतंकवादियों ने रविवार को पंजाब के कम से कम सात मजदूरों की हत्या कर दी। बलूचिस्तान में लक्षित हत्या की यह नवीनतम घटना है। पुलिस ने बताया कि पंजगुर कस्बे के खुदा-ए-अबादान इलाके में ये मजदूर एक मकान के निर्माण कार्य में लगे थे। उसने बताया कि संदिग्ध आतंकवादियों ने यह हमला उस समय किया जब सभी मजदूर दिनभर काम करने के बाद एक ही छत के नीचे सो रहे थे। पुलिस ने बताया कि सभी पंजाब के मुल्तान जिले के रहने वाले थे। पुलिस महानिरीक्षक मोअज्जम जाह अंसारी ने समाचार पत्र 'डॉन को बताया, ''गोलीबारी में सात मजदूरों की मौके पर ही मौत हो गई और एक अन्य घायल हो गया। उन्होंने बताया कि मृतकों की पहचान साजिद, शफीक, फैयाज, इफ्तिखार, सलमान, खालिद और अल्लाह वासिया के रूप में हुई है। किसी भी आतंकवादी संगठन ने इस हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है। पंजगुर के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक फाजिल शाह बुखारी ने कहा कि यह एक आतंकवादी हमला है और जांच शुरू कर दी गई है। पाकिस्तान के राष्ट्रपति आसिफ जरदारी और प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने इस हमले की निंदा की।

लेबनान दौरे पर पहुंचे फ्रांस के विदेश मंत्री

बेरूत, एजेंसी। इस्राइल लगातार लेबनान में हिजबुल्ला के ठिकानों पर हवाई हमले कर रहा है। इन हमलों के बीच रविवार को फ्रांस के विदेश मंत्री जीन नोएल बैरट लेबनान पहुंचे हैं। इस्राइल के हमलों के बाद फ्रांस ने तुरंत हमले रोकने की मांग की थी। फ्रांस की तरफ से लेबनान को मानवीय मदद भी पहुंचाई गई है। इस्राइल-हिजबुल्ला की लड़ाई के पूरे पश्चिम एशिया में फैलने का डर है।

अमेरिका का सीरिया में बड़ा हवाई हमला, 37 आतंकी ढेर

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका ने रविवार को सीरिया में आतंकियों के ठिकानों पर चुन-चुन कर हमले किए. इन हमलों में आईएसआईएस के बड़े नेताओं सहित 37 आतंकवादियों को मार गिराया गया. एक बयान में अमेरिका के सेंट्रल कमांड ने कहा कि सुरक्षा बलों ने सीरिया में टारगेटेट अटैक किए. इस दौरान आईएसआईएस और अलकायदा से जुड़े हुर्र अल-दीन के आतंकवादी संगठनों के कई बड़े नेताओं समेत 37 आतंकवादियों को मार गिराया गया. बयान में आगे कहा गया कि हवाई हमले क्षेत्र के साझेदारों के साथ मिलकर किए गए. इसमें सहयोगियों ने हमलों की योजना बनाने, उन्हें संगठित करने, आतंकवादियों के प्रयासों को बाधित करने और उन्हें कमजोर करने में मदद की. बता दें कि इससे पहले 24 सितंबर को अमेरिकी सुरक्षा बलों ने उत्तर-पश्चिम सीरिया में एक टारगेटेड अटैक किया था. इसमें नौ आतंकवादी मारे गए थे, जिनमें सीरिया से सैन्य अभियानों की देखरेख के लिए जिम्मेदार हुर्रस अल-दीन का एक वरिष्ठ नेता मारवान बासम अब्द-अल-रऊफ भी शामिल था. हुर्रस अल-दीन सीरिया में अलकायदा से संबद्ध संगठन है. इसका उद्देश्य अमेरिका और पश्चिमी हितों को निशाना बनाना है. मारवान बासम अब्द-अल-रऊफ के खिलाफ सफल हमला हुर्रस अल-दीन के एक अन्य वरिष्ठ नेता अबू-अब्द अल-रहमान अल मक्की की हत्या के एक महीने बाद हुआ है. अमेरिकी सुरक्षा बलों ने अपने बयान में 16 सितंबर को आईएसआईएस के एक प्रशिक्षण शिविर पर किए गए हमले की भी जानकारी दी. इस हमले में 28 आईएसआईएस आतंकी मारे गए. इसके साथ ही 16 सितंबर की सुबह भी मध्य सीरिया में एक सुदूर आईएसआईएस ट्रेनिग सेंटर पर बड़े पैमाने पर हवाई हमले किए गए. इस हमले में कम से कम चार बड़े नेताओं सहित कम से कम 28 आईएसआईएस मारे गए।

इजराइली नेता से बात करेंगे, पश्चिम एशिया में पूर्ण युद्ध टाला जाना चाहिए : बाइडन

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी प्रशासन ने सावधानी से कदम उठाने की कोशिश की है, क्योंकि उसने हमास के साथ इजराइल के युद्ध को रोकने की कोशिश की है, जो हिज्बुल्ला की तरह ईरान द्वारा समर्थित है, ताकि यह एक व्यापक युद्ध में न तब्दील हो। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने रविवार को कहा कि वह इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से बात करेंगे और उनका मानना है कि पश्चिम एशिया में पूर्ण युद्ध से बचा जाना चाहिए। वाशिंगटन के लिए एयरफोर्स वन विमान में सवार होते समय बाइडन ने संवाददाताओं से कहा, ''ऐसा होना ही चाहिए। हमें वास्तव में इसे रोकना है।'' राष्ट्रपति का यह बयान ऐसे समय में आया है जब रविवार को लेबनान में इजराइल के हवाई हमलों में दर्जनों लोग मारे गए। हालांकि, उन्होंने यह नहीं बताया कि वह नेतन्याहू से कब बात करेंगे। इजराइल ने चरपंथी समूह हिज्बुल्ला के कमान पर कई हमले किए हैं और ऐसे ही हमले में उसका अध्यक्ष हसन नसरल्ला भी मारा गया है। अमेरिका नसरल्ला की मौत को हिज्बुल्ला के लिए एक बड़ा झटका मानता है। साथ ही, अमेरिकी प्रशासन ने सावधानी से कदम उठाने की कोशिश की है।

डोनाल्ड ट्रंप की फिर फिसली जुबान, कमला हैरिस पर आपत्तिजनक टिप्पणी, कहा– वो मानसिक रूप से विकलांग

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव जैसे-जैसे नजदीक आ रहा है, उम्मीदवारों के एक-दूसरे पर निजी हमले बढ़ गए हैं। एक दिन पहले नेवाडा में कमला हैरिस की रैली से पहले लास वेगास में डोनाल्ड ट्रंप की 43 फीट ऊंची नग्न प्रतिमा की प्रदर्शनी लगाई गई। लास वेगास नेवाडा जिले में सबसे अधिक आबादी वाला शहर है। वहीं, डोनाल्ड ट्रंप ने कमला हैरिस पर एक बार फिर आपत्तिजनक टिप्पणी की है। उन्होंने एक रैली में उपराष्ट्रपति और डेमोक्रेटिक पार्टी की राष्ट्रपति उम्मीदवार कमला हैरिस को मानसिक रूप से विकलांग कहा। ट्रंप ने मांग की कि चुनाव जीतने के लिए विदेशी अपराधियों के लिए अमेरिका के द्वार खोलने के कारण कमला हैरिस को अयोग्य घोषित कर देना चाहिए। ट्रंप का अवैध डेमोक्रेटिक सरकार पर अवैध प्रवासियों को अमेरिका में रहने की परमिशन देने का आरोप है।

डोनाल्ड ट्रंप ने विस्कॉन्सिन में एक रैली को संबोधित करते हुए कहा कि अवैध रूप से सीमा पार करने वाले आपराधिक प्रवृत्ति के लोगों को अमेरिका में आने देने वाली डेमोक्रेटिक सरकार की आलोचना की जानी चाहिए। उन्होंने ऐसे अप्रवासियों के खिलाफ कठोर शब्दों का प्रयोग किया और आरोप लगाया कि ये लोग महिलाओं के खिलाफ अपराध में सबसे ज्यादा शामिल हैं। ट्रंप ने इसके लिए डेमोक्रेटिक सरकार को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने कमला हैरिस को मानसिक रूप से विक्षिप्त कहा और आरोप लगाया कि वे चुनाव जीतने के लिए ऐसे अपराधियों को देश के भीतर आने दे रही हैं।

दरअसल, कमला हैरिस ने बीते शुक्रवार को अमेरिका-मैक्सिको सीमा का दौरा किया था, जहां अधिकतर अप्रवासी लोग रह रहे हैं। जनसभा के दौरान ट्रंप का फोकस अप्रवासियों पर केंद्रित था। उन्होंने अप्रवासियों के लिए राक्षस, पत्थर दिल जैसे शब्दों का प्रयोग किया और आरोप लगाया कि हैरिस और मौजूदा जो बाइडेन सरकार इस तरह के अपराधियों को अमेरिका में पनाह देकर देश के साथ धोखा कर रहे हैं। कुछ दिन पहले ट्रंप ने कमला हैरिस का एक वीडियो भी शेयर किया था। जिसमें हैरिस ने समर्थकों के साथ अवैध अप्रवासियों के समर्थन में नारे लगाए थे।

हालांकि, यह पहली बार नहीं है। इससे पहले ट्रंप ने पहले हैरिस को पागल, और पत्थर कहा था। गौरतलब है कि अमेरिका में राष्ट्रपति पद के लिए चुनाव 5 नवंबर को होना है। जनमत सर्वेक्षणों में कमला हैरिस और ट्रंप के बीच जोरदार टक्कर है, लेकिन कई जगहों पर हैरिस ट्रंप पर भारी पड़ रही हैं। ट्रंप और रिपब्लिकन पार्टी ने बाइडेन सरकार पर अवैध अप्रवासियों को अमेरिका में घुसने और बसने की परमिशन देने के आरोप लगाए हैं।

नेपाल में बाढ़-भूस्खलन- 4 दिन में 170 लोगों की मौत:50 से ज्यादा लापता, 300 से ज्यादा घर डूबे, 16 पुल भी टूटे

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल में भारी बारिश के चलते आई बाढ़ और भूस्खलन के चलते अब तक 170 लोगों की मौत हो चुकी है। यहां गुरुवार से लगातार पानी गिर रहा है। इसकी वजह से पूर्वी और मध्य नेपाल के कई इलाके जलमग्न हो चुके हैं। कुछ इलाकों में अचानक बाढ़ भी आई है।

अकेले काठमांडू घाटी में 40 से ज्यादा लोगों की जान जा चुकी है। न्यूज एजेंसी क्क्षद्ब के मुताबिक बाढ़, भूस्खलन और जलभराव की वजह से 55 से ज्यादा लोग लापता हैं और 100 से अधिक घायल हुए है। साथ ही कम से कम 322 घर और 16 पुल अब तक क्षतिग्रस्त हो चुके हैं। सड़कों पर फंसे हुए हैं लोग भारी बारिश और बाढ़ की वजह से सड़कों पर भूस्खलन और जलभराव हुआ है। इसके चलते सैकड़ों लोग सड़कों पर फंसे हुए हैं। प्रशासन ने राहत और बचाव कार्य के लिए 20 हजार से ज्यादा सुरक्षा कर्मियों को लगाया हुआ है। अब तक करीब 3600 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जा चुका है। भूस्खलन के बाद सड़के क्षतिग्रस्त हो गई है, जिसके चलते सैकड़ों लोग सड़कों पर फंसे हुए हैं। भूस्खलन के बाद सड़के क्षतिग्रस्त हो गई है, जिसके चलते सैकड़ों लोग सड़कों पर फंसे हुए हैं। बिहार में भी बाढ़ की संभावना नेपाल में बारिश के कारण 56 साल बाद कोसी नदी रिकॉर्ड तोड़ने वाली है।

गले मिले और खिल उठे चेहरे, सुनीता विलियम्स को लाने पहुंचे एस्ट्रोनॉट्स का आईएसएस में हुआ स्वागत

वाशिंगटन, एजेंसी। सुनीता विलियम्स को अंतरिक्ष से वापस लाने गया स्पेसएक्स कैप्सूल फाल्कन 9 इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन (आईएसएस) में पार्क हो गया है। इस स्पेसयान से दो अंतरिक्ष यात्री भी वहां पहुंचे हैं। इन दोनों यात्रियों का स्पेस स्टेशन पर जोरदार स्वागत हुआ। मिशन की लाइव स्ट्रीमिंग में यह नजारा दिखाया गया है। इसमें नजर आ रहा है कि स्पेस स्टेशन पर मौजूद अंतरिक्ष यात्री निक हेग और एजेक्जेंडर गोर्बुनॉव से गले मिले। क्रू 9 आईएसएस में कुल 200 वैज्ञानिक प्रयोगों को अंजाम देगा। फाल्कन 9 रॉकेट ने शनिवार को 1 बजकर 17 मिनट पर फ्लोरिडा के केप केनेवराल से उड़ान भरी थी। यह इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन पर रविवार को शाम 5 बजकर 30 मिनट पर पहुंच गया। इसके बाद करीब 7 बजे नासा के एस्ट्रोनॉट निक हेग और रूसी कॉस्मोनॉट एलेक्जेंडर गोर्बुनॉव इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन में दाखिल हुए। यहां पर यह दोनों वहां पहले से मौजूद एस्ट्रोनॉट्स से गले मिले। इन दोनों को देखकर वहां मौजूद अंतरिक्ष यात्रियों के चेहरे भी खिल उठे। नासा के डिप्टी एडिमिनिस्ट्रेटर पाम मेलरॉय ने कहाकि यह एक बहुत ही शानदार दिन है। हेग और गोर्बुनॉव जब फरवरी में वापस धरती पर लौटेंगे तो वह अपने साथ बुच विल्मोर और सुनीता विलियम्स को भी लेकर आएंगे। यह दोनों इसी साल करीब आठ दिन की यात्रा पर अंतरिक्ष स्टेशन पर पहुंचे थे। लेकिन इनके स्पेसयान में खराबी आने के चलते दोनों अब वहां पर फंस गए हैं। इन दोनों की वापसी अब फरवरी 2025 में होने वाली है। सुनीता और विल्मोर को लेकर इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन गया स्टारलाइनर वापसी के लिए फिट नहीं पाया गया था। इसके बाद यह स्पेसयान बिना क्रू मेंबर के ही धरती पर लौट आया था।

ब्रिटेन में 12 साल की बच्ची को निर्वस्त्र करके पीटने वाला पुलिस अधिकारी बर्खास्त

लंदन, एजेंसी। अगर रक्षा करने वाला ही हद पार कर दे तो आमजन किससे अपनी सुरक्षा की आस लगाएंगे। ब्रिटेन से एक हैरान करने वाली खबर सामने आई है। यहां एक मेट्रोपॉलिटन पुलिस अधिकारी को 12 साल की बच्ची से छेड़छाड़ करने के लिए बर्खास्त किया गया है। कदाचार पैनल ने पाया कि अधिकारी ने कई बार मासूम बच्ची को नंगा करके पीटा था। 2018 में बच्ची के साथ छेड़छाड़ करने का आरोप पुलिस ने बताया कि पैनल इस निष्कर्ष पर पहुंचा कि रॉस बेन्सन पर अप्रैल और अगस्त 2018 के बीच बच्ची को मारने का आरोप लगाया गया था। बच्ची बेन्सन को जानती थी और जब वह ड्यूटी पर नहीं था, तब ये घटनाएं घटीं। उसने बच्ची के साथ छेड़छाड़ की थी। सुनवाई के बाद बेन्सन को बिना किसी नोटिस के बर्खास्त कर दिया गया और पुलिसिंग कॉलेज की प्रतिबंधित सूची में रखा गया है। कदाचार की जांच हुई थी शुरू बेन्सन ने लंदन में नॉर्थ वेस्ट बेसिक कमांड यूनिट में काम किया था। साल 2020 की नवंबर में बेडफोर्डशायर पुलिस ने बेन्सन को यौन उत्पीड़न के आरोप में गिरफ्तार किया था। मगर, सितंबर 2021 में जानकारी दी गई कि आगे कोई कार्रवाई नहीं की जाएगी। इसके बाद बेडफोर्डशायर पुलिस ने मामले को मेट के व्यावसायिक मानकों के निदेशालय को भेज दिया।

पाकिस्तान में ऐसा संकट कि 6 मंत्रालय ही बंद और डेढ़ लाख नौकरियां खत्म, पर मुसीबत जारी

इस्लामाबाद, एजेंसी। पड़ोसी देश पाकिस्तान ऐसे आर्थिक संकट में घिर गया है कि अब उसने डेढ़ लाख सरकारी नौकरियां समाप्त कर दी हैं। इसके अलावा 6 मंत्रालयों को ही भंग कर दिया है। ऐसा इसलिए किया गया है ताकि सरकारी खर्च को रोका जा सके। यही नहीं दो मंत्रालयों का अन्य विभागों के साथ विलय कर दिया गया है। आईएमएफ से 7 अरब डॉलर की लोन डील के तहत पाकिस्तान सरकार ने ये कदम उठाए हैं। पाकिस्तान लगातार संकट के दौर से गुजर रहा है और आईएमएफ से लोन की एक किस्त मिलने के बाद भी उसका संकट समाप्त नहीं हुआ है। अब वह एक और राउंड का लोन लेने के लिए जुगत भिड़ा रहा है।

आईएमएफ ने पाकिस्तान के लिए मंजूर लोन की पहली किस्त 26 सितंबर को जारी की थी। इसके तहत 1 अरब डॉलर का पैकेज घोषित किया गया है। आईएमएफ ने इसके साथ ही पाकिस्तान सरकार को आदेश दिया है कि वह अपने खर्च घटाएं, टैक्स में इजाफा करे, कृषि और रियल एस्टेट जैसे सेक्टरों में पर भी टैक्स लगाया जाए। इसके अलावा सब्सिडी खत्म की जाए और कुछ योजनाओं को भी सीमित किया जाए। अमेरिका से लौटे पाकिस्तानी वित्त मंत्री मोहम्मद औरंगजेब ने कहा कि आईएमएफ के साथ डील हो गई है। यह हमारी आखिरी डील होगी।

हमें इसके तहत कुछ नीतियों को लागू करना होगा। उन्होंने कहा कि इसी के तहत हम सरकारी खर्चों में भी कटौती कर रहे हैं। 6 मंत्रालयों को बंद किया जाएगा और दो का विलय किया जाएगा। इसके अलावा अलग-अलग मंत्रालयों के डेढ़ लाख सरकारी पदों को समाप्त किया जाएगा। उन्होंने कहा कि हम टैक्स में भी इजाफे के प्रयास करेंगे। बीते साल 3 लाख अतिरिक्त टैक्सपेयर जुड़े हैं।

इस साल अब तक 7 लाख से ज्यादा नए टैक्सपेयर जुड़ चुके हैं। उन्होंने कहा कि टैक्स के नियमों को सख्त किया जाएगा। जो लोग टैक्स नहीं भरेंगे, उन्हें संपत्ति और वाहन खरीदने की परमिशन नहीं होगी। औरंगजेब ने कहा कि पाकिस्तान को यदि जी-20 का हिस्सा बनना है तो फिर अर्थव्यवस्था को मजबूत करना होगा। उन्होंने कहा कि अब तो हमारा एक्सपोर्ट भी बढ़ रहा है।

यूएई ने सूडान में यूएई के राजदूत के आवास को निशाना बनाकर किए गए हमले की निंदा की

आबुधाबी, एजेंसी। संयुक्त अरब अमीरात ने सूडानी सेना के विमान द्वारा खार्तूम में यूएई मिशन के प्रमुख के आवास को निशाना बनाकर किए गए हमले की कड़ी निंदा की है। साथ ही यूएई ने सेना से इस कायरतापूर्ण हमले की पूरी जिम्मेदारी लेने की अपील भी की है। यूएई के विदेश मंत्रालय ने इस बारे में बताया कि वह सूडानी सशस्त्र बलों के इस हमले के खिलाफ अरब राज्यों की लीग, अफ्रीकी संघ और संयुक्त राष्ट्र को एक पत्र प्रस्तुत करेगा।

इजराइल के लेबनान पर हमले जारी

तेल अवीव, एजेंसी। हिजबुल्लाह के शीर्ष कमांडर सैयद हसन नसरल्लाह को मार गिराने के बाद पूरी इस्लामिक दुनिया में इजरायल को लेकर गुस्सा देखा जा रहा है। यहां तक कि पाकिस्तान, तुर्की के अलावा भारत जैसे देश में भी विरोध प्रदर्शन हुए हैं। वहीं ईरान ने इजरायल को धमकी देते हुए कहा है कि वह इसका अंजाम भुगतेगा। अमेरिका ने इजरायल को नसीहत दी है कि वह ऑल आउट वॉर से बचे। फिर भी इजरायल ने हमले नहीं रोके हैं। रविवार को उसने फिर से लेबनान के अंदर कई एयरस्ट्राइक्स कीं। एक तरफ हिजबुल्लाह गम में डूबा था तो वहीं इजरायल के ताबड़तोड़ हमलों में 105 लोगों की मौत हो गई। इसके बाद सोमवार को फिर से दिन की शुरुआत इजरायली हमलों में से हुई। इजरायल ने सुबह ही बेरूत के अंदर हमला किया, जिसमें 4 लोग मारे गए। रविवार को लेबनान में 105 लोगों की मौत हो गई, जबकि 359 लोग जख्मी हुए हैं। इसके साथ ही इजरायली हमलों में लेबनान में हाल के दिनों में मरने वालों की संख्या 1000 से ज्यादा हो गई है। इसके अलावा 6000 से ज्यादा जख्मी हुए हैं। इजरायल की ओर से सोमवार को जो हमला किया गया, वह लेबनान के लिए और चिंता का सबब है। पहली बार इजरायल ने इस तरह बेरूत के अंदर घुसकर अटैक किया है। वहीं रॉयटर्स की रिपोर्ट के अनुसार हिजबुल्लाह ने हसन नसरल्लाह का शव बरामद कर लिया है। हैरान करने वाला तथ्य यह है कि नसरल्लाह के शव पर जख्म को कोई निशान नहीं है। ऐसे में इसे लेकर हैरानी जताई जा रही है कि नसरल्लाह की मौत कैसे हुई होगी। एक अनुमान है कि शायद नसरल्लाह की मौत उस इमारत पर हुए हमले में दहशत के चलते हो गई होगी। इस हमले में 20 अन्य लोग मारे गए हैं। वहीं इससे पहले इजरायल ने हिजबुल्लाह के लीडर फुआद शुकर और इब्राहिम अकील को भी मार डाला था। नेतन्याहू बोले- अब हमले तो नहीं रुकेंगे, पर एक डेडलाइन भी दी इस बीच बेंजामिन नेतन्याहू का कहना है कि इजरायल की ओर से हमले जारी रहेंगे। नेतन्याहू ने कहा कि हम अपनी उत्तरी सीमा को सुरक्षित रखना चाहते हैं। उस हिजबुल्लाह को ही खत्म कर देंगे, जिसके हमलों की वजह से हमारे लोगों को पलायन करना पड़ गया। अब हिजबुल्लाह को खत्म करके ही हमले रोकेंगे ताकि दोबारा ऐसी स्थिति उत्पन्न न हो।

खुद से शादी करने वाली टिकटॉक स्टार कुबरा अयकुट की मौत; पांचवी मंजिल से गिरीं, सुसाइड नोट भी बरामद

इस्तांबुल, एजेंसी। तुर्किये की टिकटॉक इनफ्लुएंसर कुबरा अयकुट की महज 26 साल की उम्र में मौत हो गई। कुबरा अपने वेडिंग विदाउट ए ग्रूम (खुद से शादी करने) वाले वीडियो के लिए बहुत मशहूर हुई थीं। तुर्किये की मीडिया के अनुसार, टिकटॉक इनफ्लुएंसर की मौत सोमवार को इस्तांबुल के सुल्तानबेली जिले में एक लक्जरी अपार्टमेंट इमारत की पांचवीं मंजिल से गिरने से हुई। स्थानीय अधिकारियों को उनके शव के पास से एक सुसाइड नोट भी मिला। मौत के कारणों का पता लगाने के लिए जांच जारी है।

फैंस ने बताया कि मृत्यु से पहले सोशल मीडिया पर अयकुट ने चिंताजनक पोस्ट डाला था। मृत्यु से ठीक पहले उन्होंने अपने वजन बढ़ने के अनुभव के बारे में अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर एक दुख भरा संदेश लिखा था। उन्होंने कहा, मैंने अपनी ऊर्जा जमा कर ली है, लेकिन मेरा वजन नहीं बढ़ रहा है। रोजाना कुछ किलोग्राम से वजन घट रहा है। मुझे नहीं मालूम क्या करूं? मुझे तत्काल वजन बढ़ाने की जरूरत है।

विशेष रूप से 2023 में उन्होंने अपनी अपरंपरागत वेडिंग विदाउट ए ग्रूम सीरिज से पहचान हासिल की थी। उन्होंने सुंदर सफेद रंग का गाउन और माथे पर टियारा पहनकर खुद से ही शादी की थी। इस दौरान उन्होंने कहा था, मुझे अपने लिए कोई योग्य वर नहीं मिल रहा है। एक अन्य वीडियो क्लिप में उन्हें शादी की पोशाक में बर्गर का आनंद लेते हुए भी देखा गया था। अयकुट की मौत की खबर से सोशल मीडिया पर शोक की लहर दौड़ गई। उनके फॉलोअर्स हैरान रह गए। कई फैंन और फॉलोअर्स ने उनकी मौत पर शोक व्यक्त करने के लिए विभिन्न फ्लेटफॉर्म का सहारा लिया। उन्होंने अयकुट को एक खूबसूरत दिल वाली परी कहकर पुकारा। तुर्किये के अधिकारियों ने अयकुट के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। अयकुट के गृहनगर में उनका अंतिम संस्कार किया जाएगा। इस दौरान कई टिकटॉकर और सोशल मीडिया इनफ्लुएंसर के शामिल होने की संभावना है।

अमेरिका में 38 लाख छात्रों को पड़े खाने के लाले ! भूखे पेट नहीं हो रही पढ़ाई, मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ रहा प्रभाव

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी सरकार की एक संस्था के अनुसार देश में ऐसे लाखों कॉलेज छात्र हैं जिन्हें भरपेट खाना नसीब नहीं है। गवर्नमेंट अकाउंटेबिलिटी ऑफिस (जीएओ) की एक स्टडी के मुताबिक 2020 में 38 लाख छात्रों ने भोजन की कमी होने की जानकारी है। इनमें आधे से अधिक छात्रों का कहना था कि पैसा नहीं होने की वजह से वे खाना नहीं खा सके। कई दशकों से कॉलेज छात्रों को पर्याप्त भोजन न मिलने की शिकायत है। अब यह बड़ा संकट बन चुका है। कॉलेजों में कम आमदनी वाले परिवारों के ज्यादा छात्र दाखिला ले रहे हैं। एडमिशन फीस, हाउसिंग और जीवन-यापन के अन्य खर्च बढ़े हैं। रिसर्च से पता लगा है खाने की कमी से छात्रों की पढ़ाई प्रभावित हुई है। छात्रों के कॉलेज पास करने की दर कम हुई है। हालांकि, सरकार के सप्लीमेंट्री न्यूट्रिशन एसिस्टेंस प्रोग्राम (स्नैप) के तहत कम आय वालों को भोजन के लिए मदद दी जाती है।

80 प्रतिशत परिवारों को मदद मिलनी थी, 30त्न को मिली : कुछ शर्ते पूरी न करने के कारण लाखों कॉलेज छात्रों को मदद नहीं मिलती है। स्नैप की मदद के लिए 45 लाख छात्र आय मापदंड के दायरे में आए। लेकिन 33 लाख छात्र सिर्फ शर्त पूरी कर पाए। फिर भी, इनमें से दो तिहाई छात्रों ने बताया कि उन्हें पात्रता के बावजूद स्नैप की मदद नहीं मिली है। स्नैप से औसतन 80त्न पात्र परिवारों को मदद मिलती है। लेकिन, 30त्न छात्र उसकी मदद हासिल कर पाते हैं।

भूखे पेट नहीं हो रही पढ़ाई, मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ रहा प्रभाव : खाने की कमी का छात्रों की शिक्षा पर गंभीर प्रभाव पड़ रहा है। भूख के कारण छात्रों का ध्यान पढ़ाई पर केंद्रित नहीं हो पाता, जिससे उनकी शैक्षणिक प्रदर्शन

प्रभावित होता है। भोजन की कमी से कई छात्र कॉलेज छोड़ने का निर्णय लेते हैं, जिससे उनकी भविष्य की संभावनाएँ कम हो जाती हैं। भोजन की कमी और आर्थिक समस्याएँ छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य पर नकारात्मक प्रभाव डालती हैं, जिससे चिंता, अवसाद और अन्य मानसिक स्वास्थ्य समस्याएँ उत्पन्न होती हैं। जब छात्रों को अपने साथियों के सामने भोजन की कमी का सामना करना पड़ता है, तो इससे उनकी आत्म-सम्मान में कमी आती है। बेशक कई कॉलेज अब भोजन सहायता कार्यक्रम शुरू कर रहे हैं, जैसे फूड पैंट्रीज़, जहाँ छात्रों को मुफ्त भोजन उपलब्ध कराया जाता है। लेकिन अमेरिका सरकार को स्न्नक्क कार्यक्रम को और अधिक सुलभ बनाने और उन छात्रों के लिए विशेष योजनाएँ विकसित करने की आवश्यकता है जो इस कार्यक्रम से वंचित रह जाते हैं।

जम्मू-कश्मीर में राष्ट्रीय राजमार्ग निर्माण को समय सीमा पर पूरा करने जोर

-मुख्य सचिव ने की राष्ट्रीय राजमार्गों के निर्माण की प्रगति की समीक्षा

श्रीनगर। (एजेंसी)

जम्मू-कश्मीर के मुख्य सचिव अटल डुल्लू ने केंद्र शासित प्रदेश में राष्ट्रीय राजमार्गों के निर्माण के संबंध में हुई प्रगति की समीक्षा की। इस समीक्षा बैठक में भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई), राष्ट्रीय राजमार्ग एवं अवसंरचना विकास निगम लिमिटेड (एनएचआईडीसीएल), बीकन और प्रोजेक्ट संपर्क के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। बैठक में एसीएस, वन, प्रमुख सचिव, एपीडी, संभागीय आयुक्त, कश्मीर जम्मू सचिव, आरएंडबी, उपायुक्त और पीडब्ल्यूडी के मुख्य अभियंता शामिल हुए। मुख्य सचिव ने संबंधित एजेंसियों को निर्धारित लक्ष्यों को समय पर पूरा करने के लिए उनके प्रदर्शन में तेजी लाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने सड़क और सुरंग परियोजनाओं को समय सीमा में पूरा करने के लिए संसाधनों के बेहतर इस्तेमाल पर जोर दिया। साथ ही उन्होंने स्पष्ट औचित्य के साथ परियोजना पूर्ण करने की समयसीमा में बदलाव से बचने के लिए निर्देश दिए हैं।

मुख्य सचिव ने संबंधित संभागीय और जिला प्रशासनों को महत्वपूर्ण सड़क परियोजनाओं की प्रगति की नियमित निगरानी करने का निर्देश दिया। इसके अलावा उन्होंने अदालती मामलों, भूमि विवादों और भूमि सौंपने के मुद्दों को सुलझाने के लिए संबंधित एजेंसियों को पूर्ण सहयोग प्रदान करने का आग्रह किया।

बैठक में एनएचएआई की महत्वपूर्ण परियोजनाओं का भी मूल्यांकन किया गया, जिसमें दिल्ली-अमृतसर-कटरा एक्सप्रेस-वे, जम्मू और श्रीनगर के रिंग रोड, एनएच-44 का रामबन-बनिहाल खंड, और मारोग से डिगडोल सुरंग शामिल थीं। एनएचआईडीसीएल की परियोजनाओं में जोजिला सुरंग, जेड-मोड़ सुरंग, जम्मू-अखनूर रोड, चेनानी-वैलू और गोहा-खेलानी राजमार्ग का निर्माण शामिल था।

बातचीत में बीकन और संपर्क परियोजना के तहत बीआरओ द्वारा संचालित परियोजनाओं का भी जिक्र किया, जिसमें श्रीनगर-बारामुल्ला-उड़ी राजमार्ग, रफियाबाद-कुपवाड़ा-तंगधार राजमार्ग और अन्य महत्वपूर्ण मार्ग शामिल थे।

इस बैठक में सड़क सुरक्षा और सुदृढ़ीकरण कार्यों की समीक्षा की गई, जिसमें बेमिना और सनत नगर में फ्लाईओवर का निर्माण, और अन्य शहरों

के लिए बाईपास का निर्माण शामिल था। मुख्य सचिव ने सभी संबंधित पक्षों से सहयोग की अपेक्षा की है ताकि यह परियोजनाएं समय पर पूरी हो सकें।

पेट दर्द के चलते सुपरस्टार रजनीकांत अस्पताल में भर्ती, फैंस ने मांगी जल्द ठीक होने की दुआ

चेन्नइ। (एजेंसी)

पेट दर्द के चलते दक्षिण भारतीय सिनेमा के सुपरस्टार रजनीकांत को सोमवार देर रात चेन्नई के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। डॉक्टरों ने जानकारी दी कि उनकी हालत फिलहाल स्थिर है और वह डॉक्टर्स की निगरानी में हैं। बताया जा रहा है कि सुपरस्टार का मंगलवार को एक पूर्व निर्धारित उपचार ('इलेक्टिव प्रोसीजर') होना है। हालांकि, उनके परिवार या अस्पताल प्रशासन की ओर से अब तक कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है, लेकिन प्रशंसकों के बीच चिंता का माहौल है। सोशल मीडिया पर उनके लाखों फैंस उनकी अच्छी सेहत और जल्द स्वस्थ होने के लिए दुआएं कर रहे हैं।

कुछ साल पहले, सुपरस्टार ने सिंगापुर में किडनी ट्रांसप्लांट कराया था। इसके बाद से वह स्वास्थ्य कारणों को लेकर कई बार चर्चा में रहे हैं। हाल ही में, रजनीकांत ने अपने स्वास्थ्य के कारण राजनीति से संन्यास लेने की घोषणा की थी, जिससे उनके समर्थकों को झटका लगा था। सिनेमा के थलाइवा के नाम से मशहूर रजनीकांत ने अपने चार दशक लंबे करियर में कई ब्लॉकबस्टर फिल्में दी हैं और भारतीय सिनेमा में एक अद्वितीय स्थान हासिल किया है। उनकी फिल्में न सिर्फ बॉक्स ऑफिस पर बड़ी सफलताएं रही हैं, बल्कि उनकी अभिनय शैली और चार्म ने उन्हें एक पंथनायक बना दिया है। फैंस उन्हें भगवान की तरह पूजते हैं, और उनकी हर फिल्म को एक महोत्सव के रूप में मनाया जाता है।रजनीकांत की आगामी फिल्म वेट्टैयान 10 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। इस फिल्म में उनके साथ बॉलीवुड के महानायक अमिताभ बच्चन भी मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। यह रजनीकांत की 170वीं फिल्म है, जिसके लिए फैंस बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। फिल्म का टाइटल और टीजर रजनीकांत के 73वें जन्मदिन पर जारी किया गया था, जिसे फैंस ने खूब सराहा था।

बिहार में अगले विधानसभा चुनाव में नीतीश सीएम कुर्सी से हो जाएंगे बेदखल : प्रशांत

जन सुराज की 2 अक्टूबर को विजन और पार्टी अध्यक्ष के नाम की होगी घोषणा

पटना। (एजेंसी)

राजनीतिक रणनीतिकार प्रशांत किशोर (पीके) बिहार के सीएम नीतीश कुमार पर लगातार हमले बोल रहे हैं। प्रशांत ने दावा किया है कि नीतीश कुमार अगले विधानसभा चुनाव में सीएम कुर्सी से बेदखल हो जाएंगे और इसके प्रशांत ने तीन मुख्य कारण भी बताए हैं। पीके कहना है कि नीतीश की हार की वजह बनेंगे शराबबंदी नीति की विफलता, भ्रष्टाचार से ग्रस्त भूमि सर्वेक्षण और जबरन प्रीपेड स्मार्ट मीटर लगाना। पीके ने सीएम नीतीश के शासन को चुनौती देते हुए कहा कि सीएम मुट्ठी भर सेवानिवृत्त नौकरशाहों के जरिए सरकार चला रहे हैं। उन्होंने यकीन से कहा कि 2025 के विधानसभा चुनावों में उनकी जन सुराज पार्टी सत्ता में आएगी और पार्टी के गठन के 15 मिनट के अंदर ही शराब प्रतिबंध हटा दिया जाएगा। उन्होंने 2 अक्टूबर को अपने विजन और पार्टी अध्यक्ष के नाम की घोषणा करने की बात भी कही। प्रशांत ने साफ किया कि उनकी जन सुराज पार्टी सभी प्रमुख राजनीतिक दलों से समान दूरी बनाए रखते हुए बिहार की सभी 243 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ेगी। उन्होंने कहा कि अगर हमें 130 सीटें भी मिलती हैं तो मैं इसे अपनी व्यक्तिगत हार मानूंगा। उनका मानना है कि अकेले सरकार बनाना पर्याप्त नहीं है। दो-तिहाई बहुमत के समर्थन की जरुरत है ताकि प्रमुख नीतियों को लागू किया जा सके।

उन्होंने नीतीश कुमार की नीतियों पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि ट्रिपल एस शराबबंदी, भूमि सर्वेक्षण और स्मार्ट मीटर लगाना नीतीश सरकार के ताबूत में आखिरी तीन कीलें साबित होंगी। प्रशांत किशोर ने अपनी पैदल यात्रा के दौरान बिहार के 60फीसदी हिस्से को कवर करने की जानकारी दी और उन्होंने कहा कि पार्टी के गठन के बाद भी यह यात्रा जारी रहेगी।

गरबा पंडालों में प्रवेश करने वालों को पिलाया जाए गोमूत्र

-बीजेपी नेता ने नवरात्रि को लेकर आयोजकों से की अपील

भोपाल। (एजेंसी)

इंदौर जिले के बीजेपी जिला अध्यक्ष चिंटू वर्मा ने नवरात्रि के दौरान गरबा पंडालों में प्रवेश करने वालों को गोमूत्र पिलाने का सुझाव दिया है। उन्होंने कहा है कि गोमूत्र पीने से कोई भी हिंदू इनकार नहीं कर सकता। वर्मा ने यह बात पत्रकारों से चर्चा में कही, जिसमें उन्होंने गरबा पंडालों के आयोजकों से अपील की कि वे इस परंपरा को अपनाएं। वर्मा ने कहा कि सनातन धर्म में आचमन का विशेष महत्व है, जिसमें किसी भी धार्मिक अनुष्ठान को शुरू करने से पहले शुद्धिकरण के लिए थोड़ा सा पानी लिया जाता है। उन्होंने कहा कि अगर कोई व्यक्ति हिंदू है, तो वह गरबा पंडाल में तभी प्रवेश करेगा जब वह गोमूत्र का आचमन करेगा। गोमूत्र को अस्वीकार करने का कोई सवाल नहीं उठता है।

बीजेपी के जिला अध्यक्ष के इस अटपटे बयान पर कांग्रेस ने सवाल उठाते हुए इसे ध्रुवीकरण बताया है। कांग्रेस प्रवक्ता नीलाभ शुक्ला ने कहा कि बीजेपी नेता गौशालाओं की खराब हालत पर चुप हैं और गरबा में प्रवेश को लेकर इसका राजनीतिकरण कर रहे हैं। उन्होंने सुझाव दिया कि बीजेपी नेताओं को पहले खुद गोमूत्र पीना चाहिए और इसके वीडियो सोशल मीडिया पर साझा करने चाहिए। यह घटना मध्य प्रदेश और गुजरात में गरबा पंडालों में प्रवेश को लेकर पिछले कुछ सालों में उठे विवादों के बीच हुई है, जिसमें कई बार मारपीट की घटनाएं भी देखने को मिली हैं। वर्मा के बयान ने एक बार फिर गरबा को लेकर नई बहस छेड़ दी है। अब देखना है कि बीजेपी इस हद तक अपने नेता के बयान पर अमल करती है।

11वीं की छात्रा बनी सांकेतिक डीएम, जिम्मेदारी संभालते ही दिए आदेश

-डॉ इंद्रमणि त्रिपाठी की हो रही तारीफ, लोग बोले- वह एक मार्गदर्शक

औरैया। (एजेंसी)

एक छात्रा ने देखा जिलाधिकारी (डीएम) बनने का सपना तो उसका सपना हो गया पूरा। औरैया के डीएम, डॉ इंद्रमणि त्रिपाठी अपने अनोखे अंदाज और कार्यों की वजह से हमेशा चर्चा व अखबारों की सुर्खियां में बने रहते हैं। उनकी दरियादिली और निस्वार्थता के कारण वे लोगों के बीच लोकप्रिय हो गए हैं। हाल ही में, उनका एक और कारनामा सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है। हुआ यूं कि कुछ दिन पहले, डीएम डॉ इंद्रमणि त्रिपाठी ने एक मजदूर से पराठा मांगकर खाया, जो लोगों के बीच चर्चा का विषय बना गया। इससे पहले, उन्होंने एक बुजुर्ग महिला को सरकारी गाड़ी से उनके घर छोड़ने का निर्देश दिया। ऐसे कार्यों के कारण लोग उनकी हमेशा तारीफ करते नहीं थकते हैं। अब एक नई घटना घटी जिसमें एक 11वीं की छात्रा, सुप्रिया भदौरिया अपने भाई के साथ डीएम ऑफिस पहुंची और उनसे मिलने की इच्छा जताई। डीएम ने छात्रा से अच्छे से बात की और जब उसने कहा कि सर, मैं आपके जैसा बनना चाहती हूं, तो डीएम ने तुरंत फैसला लिया कि वह छात्रा को एक दिन का सांकेतिक डीएम बनाएंगे। यह सुनकर छात्रा हैरान रह गई लेकिन डीएम साहब ने अपनी सरकारी कुर्सी छोड़कर उसे चार्ज सौंप दिया।

छात्रा ने तुरंत अपनी नई जिम्मेदारी को संभाला और दो महिला फरियादियों की समस्याओं को सुना जिनका समाधान करने का आश्वासन भी दिया। यह देखकर वहां मौजूद लोग भी दंग रह गए। छात्रा का जोश और उत्साह देखने लायक था और उसने अन्य कई फरियादियों की शिकायतें सुनकर अधिकारियों को उन्हें निपटाने का आदेश भी दिया।

छात्रा का नाम सुप्रिया है जो बेला थाना क्षेत्र की रहने वाली है और उसके पिता महेंद्र पाल सिंह हैं, उनका यह अनुभव न केवल उसे प्रेरित करेगा बल्कि अन्य छात्रों को भी अपने सपनों की ओर बढ़ने के लिए प्रेरित करेगा। डॉक्टर इंद्रमणि त्रिपाठी का यह कदम साबित करता है कि वे केवल एक अधिकारी नहीं, बल्कि एक मार्गदर्शक भी हैं।

अभिनेत्री रवीना टंडन के खिलाफ कोर्ट ने दिए जांच के आदेश

मुंबई। (एजेंसी)

बॉलीवुड अभिनेत्री रवीना टंडन के खिलाफ कोर्ट ने जांच के आदेश दिए हैं। ये आदेश मुंबई की बोरीवली मजिस्ट्रेट कोर्ट ने दिए हैं। दरअसल रवीना पर सोशल मीडिया पर वीडियो डिलीट करने का दबाव बनाने का आरोप लगा है। कोर्ट ने ये आदेश इस संबंध में दायर एक याचिका पर संज्ञान लेते हुए दिए हैं। बताया गया है कि अभिनेत्री रवीना टंडन के खिलाफ मोहसिन शेख ने याचिका दायर की थी। इस साल जून महीने में रवीना का एक वीडियो सामने आया था। इसमें आरोप लगाया गया था कि उसने नशे की हालत में दो महिलाओं पर कार चढाने की कोशिश की और उनके साथ मारपीट की। हालांकि इस मामले में रवीना टंडन को कोर्ट से क्लीन चिट मिल गई है। बताया गया कि जब रवीना टंडन की कार रिवर्स हो रही थी तो अचानक चार लोग कार के सामने आ गए। इसका सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया था। इस मामले में रवीना टंडन ने इस वीडियो को ट्विटर पर शेयर करने वाले मोहसिन शेख को मानहानि का नोटिस भेजा था। रवीना का दावा था कि इस वीडियो से उनकी छवि खराब हुई है। इस मामले में मोहसिन शेख ने रवीना के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी। रवीना पर सोशल मीडिया पर वीडियो डिलीट करने का दबाव बनाने का आरोप लगा था। साथ ही उन्होंने ये भी कहा था कि रवीना ने 100 करोड़ रूपये का मानहानि का दावा किया है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया था कि रवीना ने कई राजनीतिक नेताओं का नाम लेकर फोन पर उन्हें धमकी दी थी। मोहसिन शेख के वकीलों की मांग है कि इस मामले में रवीना टंडन के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 500, 504 और 506 के तहत जांच की जानी चाहिए। इसके मुताबिक, बोरीवली मजिस्ट्रेट कोर्ट ने रवीना टंडन के खिलाफ जांच के आदेश दिए हैं।

चीन ने किया स्टीम्युलस पैकेज का ऐलान,

निवेशक भारत छोड़ चीन का कर रहे रुख

नई दिल्ली। (एजेंसी)

पिछले दो साल में एमर्जिंग मार्केट निवेशकों ने भारत में खरीदो और चीन में बेचो की नीति अपना कर खूब धन कमाया। यह चीन को पसंद नहीं आई अब उसकी एक चाल ने स्थिति ही पलट दी है। चीन सरकार ने अपनी इकॉनमी में जान फूंकने के लिए हाल में स्टीम्युलस पैकेज का ऐलान किया है। इसके बाद से वहां के शेयर मार्केट में काफी उछाल आ गया। इससे निवेशक भारत से पैसा निकालकर चीन का रुख कर रहे हैं। चीन के सीएसआई 300 इंडेक्स में एक सप्ताह में 25 फीसदी उछाल आया है जबकि हैंग सेंग 16फीसदी चढ़ गया। दूसरी ओर निफ्टी और सेंसेक्स दोनों ही बिकवाली का दबाव है। सोमवार के कारोबार में एफआईआई ने एक अरब डॉलर से ज्यादा की निकासी की। इससे सेंसेक्स में करीब 1300 अंक की गिरावट आई। सिंगापुर की वित्तीय सेवा फर्म डीबीएस ग्रुप ने कहा कि भारत ने मजबूत प्रदर्शन किया है और हम अन्य बाजारों पर भी नजर रख रहे हैं। चीन और आसियान बेहतर प्रदर्शन कर सकते हैं। भारत वास्तव में एक डोमेस्टिक लिक्विडिटी मार्केट है।

चीन सरकार के मौद्रिक और तरलता उपायों की घोषणा के बाद उसका प्रदर्शन इस साल के बाकी महीनों में भारत से अच्छा रहेगा। लिक्विडिटी को मुक्त करने के लिए चीन ने बैंकों के लिए रिजर्व रेश्यो को 50 आधार अंकों से कम कर दिया है। इसने मौजूदा आवास के लिए मोर्टगेज रेट को भी 50 बीपीएस से कम कर दिया है।

चीन सरकार के इन उपायों से उपभोग की मांग बढ़ेगी। इसके अलावा पीपुल्स बैंक ऑफ चाइना ने भी अपनी नीति में ढील देने का संकेत दिए है। नोमुरा ने कहा कि निवेशकों से मिली प्रतिक्रिया और कुछ बाजार संकेतकों का आकलन करने से पता चलता है कि इस बार रैली पिछली बार की तुलना में ज्यादा टिकाऊ होगी। निवेशक हांगकांग व चीन के शेयरों में कम निवेश कर रहे थे लेकिन अब स्थिति बदल रही है। उम्मीद की जा रही है कि चीन के बाजार लंबी नींद के बाद अब उठेंगे।

हाल ही में एमएससीआई एसी वर्ल्ड इन्वेस्टेबल मार्केट इंडेक्स में भारत का वेट चीन से ज्यादा हो गया था। इससे एफआईआई को फिर से चीन में निवेश करने के लिए पर्याप्त जगह मिल गई है। चीनी शेयरों का सस्ता वैल्यूएशन उन्हें आकर्षित कर रहा है। जियोजित के विजयकुमार ने कहा कि चीन में तेजी लंबे समय तक बनी रह सकती है। इसका मतलब है कि एफआईआई भारत में बेचना जारी रख सकते हैं और बेहतर प्रदर्शन करने वाले बाजारों में कुछ और पैसा लगा सकते हैं लेकिन इससे भारत के बाजार पर कोई खास असर पड़ने की संभावना नहीं है क्योंकि भारी घरेलू निवेशक भी मजबूत हैं। विश्लेषकों ने कहा कि भारत में एफआईआई का प्रवाह निष्क्रिय किस्म का रहा है और सक्रिय एफआईआई चीन का रुख कर सकते हैं। हालांकि उन्होंने इस बात पर संदेह जताया कि सक्रिय एफपीआई भारत में अपने स्टॉक का अहम हिस्सा बेचेंगे और उसे चीन ले जाएंगे।

डेढ़ लाख के मोबाइल फोन ले लिए पैमेंट मांगने पर कर दी डिलीवरी ब्वॉय की हत्या

दोस्त ने खोला राज, हत्या के बाद शव को बोरे में भरकर नहर में फेंका

लखनऊ। (एजेंसी)

लखनऊ में कैश ऑन डिलीवरी से डेढ़ लाख रुपए के दो मोबाइल फोन मंगवाकर डिलीवरी ब्वॉय की हत्या का सनसनीखेज मामला सामने आया है। यह घटना पिछले हफ्ते की है, जिसका खुलासा यूपी पुलिस ने किया है।

पुलिस के मुताबिक 23 सितंबर को भरत साहू (32) डिलीवरी ब्वॉय ने तकरोही के गजानन नाम ग्राहक के घर पर दो आईफोन्स की डिलीवरी दी। डिलीवरी के बाद जब भरत ने पैसे मांगे, तो गजानन ने भुगतान करने से मना कर दिया, जिससे दोनों के बीच नोंकझोंक हुई। गजानन ने भरत को घर के अंदर खींच लिया और उसकी हत्या कर दी। भरत की हत्या के बाद गजानन ने शव को बोरे में भरकर इंदिरा नहर में फेंक दिया। अभी तक शव बरामद नहीं हुआ है और एसडीआरएफ टीम शव की खोज कर रही है।

लखनऊ के पुलिस उपायुक्त ने बताया कि भरत साहू अमेठी के जामो संभई गांव का रहने वाला था और लखनऊ में अपनी पत्नी के साथ सतरिख रोड पर किराए पर रह रहा था। गजानन के दोस्त आकाश ने गजानन की हत्या की साजिश का खुलासा किया है। उसने पुलिस को बताया कि उसने शव को नहर में फेंकने में गजानन की मदद की थी। पुलिस ने भरत की गुमशुदगी की रिपोर्ट के बाद उसके फोन के कॉल डिटेल्स की जांच की, जिससे गजानन का नाम सामने आया। अब पुलिस गजानन की तलाश में जुट गई है।

संक्षिप्त समाचार

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में टिकट पाने वाले इच्छुक उम्मीदवारों का इंटरव्यू शुरु

सीनियर नेताओं को दी गई जिम्मेदारी

मुंबई । महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस कमेटी (एमपीसीसी) के उपाध्यक्ष नाना गावंडे ने कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव के लिए 1,680 से ज्यादा उम्मीदवारों का साक्षात्कार पार्टी की सभी जिला इकाइयों में मंगलवार से शुरू होगा। गावड़े ने कहा कि पार्टी के वरिष्ठ नेताओं को टिकट चाहने वालों के साक्षात्कार की जिम्मेदारी सौंपी गई है और वे अपने निर्दिष्ट जिलों का दौरा कर साक्षात्कार लेकर एमपीसीसी को रिपोर्ट सौंपेंगे। महाराष्ट्र कांग्रेस प्रभारी रमेश चेन्निथला के मार्गदर्शन में और प्रदेश अध्यक्ष नाना पटोले की सहमति से वरिष्ठ नेताओं को साक्षात्कार लेने की जिम्मेदारी सौंपी गई है जिसमें पूर्व मुख्यमंत्री पृथ्वीराज चव्हाण, नसीम खान, सांसद चंद्रकांत हंडोरे, सांसद प्रणीति शिंदे, मुजफ्फर हुसैन, विधायक कुणाल पाटिल, बंटी पाटिल, अमित देशमुख, डॉ. नितिन राउत, यशोमति ठाकुर और विश्वजीत कदम आदि शामिल हैं। गावंडे ने कहा कि ये नेता इच्छुक उम्मीदवारों का साक्षात्कार लेने के लिए 01 से 08 अक्टूबर तक अपने निर्दिष्ट जिलों का दौरा कर 10 अक्टूबर तक एमपीसीसी को गोपनीय रिपोर्ट सौंपने वाले है।

चेन्नई एयरपोर्ट ने एयर शो के चलते उड़ान कार्यक्रमों में किया बदलाव

चेन्नई। चेन्नई अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे ने भारतीय वायु सेना दिवस पर होने वाले एयर शो के चलते एक से आठ अक्टूबर तक की उड़ान कार्यक्रम में बदलाव किया है। चेन्नई हवाई अड्डे के निदेशक ने इस जानकारी दी। इस विशेष कार्यक्रम में तांबरम और मरीना बीच पर एयर शो आयोजित किया जा रहा है जिससे हवाई क्षेत्र में कुछ समय के लिए बंदी लागू की गई है। इससे उड़ान कार्यक्रम में परिवर्तन की जरुरत हो सकती है। यात्रियों की सुविधा के लिए हवाई अड्डे ने कई समयांतराल पर हवाई क्षेत्र बंद करने का फैसला लिया है, जो 15 मिनट से लेकर दो घंटे तक हो सकता है। उन्होंने यात्रियों से अनुरोध किया है कि वे उड़ान कार्यक्रम की नवीनतम जानकारी के लिए अपनी एयरलाइंस से संपर्क करें। चेन्नई अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा इस असाधारण कार्यक्रम के दौरान एक सहज यात्रा अनुभव सुनिश्चित करने के लिए भारतीय वायु सेना के साथ निकट समन्वय में काम कर रहा है। उन्होंने यात्रियों के सहयोग की सराहना करते हुए कहा कि हम आपकी यात्रा योजनाओं का समर्थन करते हुए इस अवसर का जश्न मनाने के लिए उत्सुक हैं। इस एयर शो के आयोजन से यात्रियों को हवाई यात्रा के दौरान असुविधा हो सकती है, लेकिन सुरक्षा और अनुभव को प्राथमिकता दी जा रही है।

तेंदुए ने पुजारी का किया शिकार, 11 दिनों में 07 की ले ली जान

उदयपुर। उदयपुर में एक तेंदुए ने 11 दिन में सात लोगों का शिकार कर उन्हें मार डाला। विगत दिवस गोगुंदा इलाके में तेंदुए ने एक मंदिर के पुजारी विष्णु गिरी (65), को अपना शिकार बनाया। पुजारी का शव मंदिर से 150 मीटर दूर जंगल में मिला, जिसमें एक हाथ, गर्दन और छाती के हिस्सा गायब था। बड़गांव की मदार पंचायत के राठौड़ों का गुड़ा गांव में हनुमान मंदिर है, जहां पुजारी पूजा-अर्चना करता था। सोमवार सुबह जब लोग मंदिर के पास पानी भरने पहुंचे, तो उन्होंने खून के निशान देखे। रास्ते में खून के निशान देखकर लोगों को अनहोनी का एहसास हो गया। जब पुजारी नजर नहीं आया, तो लोगों ने उनको तलाशना शुरु किया। जंगल में खोजने पर, पुजारी का शव मिला, जो बहुत ही बुरी स्थिति में था। पुलिस और वन विभाग की टीम सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची, जहां डीएफओ भी टीम के साथ पहुंचे। वन विभाग ने तेंदुए को पकड़ने के लिए पिंजरा लगा दिया है। बता दें पिछले दिनों में हुए हमलों के बाद से चार तेंदुए पकड़े जा चुके हैं, लेकिन यह स्पष्ट नहीं है कि हमले एक ही तेंदुए ने किए हैं या अलग-अलग ने। लगातार हो रहे इन हमलों ने वन विभाग और प्रशासन की चिंता बढ़ा दी है। ग्रामीण डर हुए हैं और सुरक्षा के लिए उपायों की मांग कर रहे हैं। अधिकारियों ने लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी है।

आदेश के बाद भी असम में नहीं रुका बुलडोजर, सुप्रीम कोर्ट ने थमाया अवमानना का नोटिस

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने 17 सितंबर को दिए आदेश में कहा था कि कोर्ट की इजाजत के बिना बुलडोजर की कार्रवाई ना की जाए। साथ ही ये भी कहा था कि ये आदेश सड़क, फुटपाथ या रेलवे लाइन पर किए गए अवैध निर्माण पर लागू नहीं होगा। इसके बाद भी असम में बुलडोजर को लेकर शिकायतें आतीं रहीं। इसके बाद असम के सोनापुर में अवैध निर्माण पर बुलडोजर एक्शन पर सुप्रीम कोर्ट ने रोक लगा दी है। इतना ही नहीं जो लोग वहां पर बसे हुए थे उन्हें हटाने पर भी रोक लगाई है। जस्टिस बीआर गवई और केवी विश्वनाथन की पीठ ने असम सरकार को नोटिस जारी किया है और तीन हफ्ते में जवाब मांगा है। रिपोर्ट के मुताबिक, वहीं इसके खिलाफ सोनापुर के इन लोगों की याचिका दाखिल करते हुए वकील अदील अहमद ने कहा कि उनके घरों को पहले किसी भी तरह का कोई नोटिस नहीं दिया गया था। उनके घरों को अचानक ही अवैध निर्माण बता दिया गया और बुलडोजर भी भेज दिए गए।सुप्रीम कोर्ट में 48 लोगों की तरफ से याचिका दाखिल की गई थी। इन सभी लोगों ने अपनी याचिका में कहा कि जब सुप्रीम कोर्ट ने किसी भी बुलडोजर एक्शन पर 1 अक्टूबर तक रोक लगा रखी है तो फिर यह एक्शन क्यों लिया गया। ऐसा किया जाना तो सुप्रीम कोर्ट की अवमानना है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

६ पुलिस स्टेशनों में जब्त की गई ४६,२०३ विदेशी शराब की बोतलें मात्र १० मिनट में सड़क पर शराब रखकर रोलर से नष्ट कर दी

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत शहर में सिर्फ १० मिनट में ४६,२०३ विदेशी शराब की बोतलें नष्ट की गईं। सूरत शहर के ज़ोन ४ में स्थित ६ पुलिस स्टेशनों में जब्त शराब को नष्ट किया गया। पुलिस के उच्च अधिकारियों और मामलतदार की मौजूदगी में यह कार्रवाई की गई। दारूबंदी कानून के बावजूद गुजरात भर में पुलिस करोड़ों रुपये की शराब जब्त करती है और मामले दर्ज करती है। इस शराब को बाद में नष्ट किया जाता है। सूरत शहर में अवैध रूप से विदेशी शराब की तस्करी और बिक्री करने वालों के खिलाफ मामले दर्ज किए गए, और जब्त शराब को नष्ट किया गया। ज़ोन ४ के ६ पुलिस थानों में पिछले २० महीनों में कुल ४६,२०३ विदेशी शराब की बोतलें जब्त की गईं, जिन्हें मात्र १० मिनट में रोलर चलाकर नष्ट कर दिया गया। पुलिस ने ८५ लाख रुपये से भी अधिक कीमत की शराब को आज नष्ट किया। सड़क पर विदेशी शराब रखकर रोलर से नष्ट किया गया। ज़ोन ४ के अंतर्गत आने वाले पांडेसरा, उमरा, वेसु, खटोदरा, अठवा और अलथाण पुलिस थानों में जब्त की गई शराब की बोतलों को आज नष्ट किया गया। सूरत के डीसीपी विजय सिंह गुर्जर ने बताया कि वर्ष २०२३ और २०२४ में ज़ोन ४ के अंतर्गत ६ पुलिस थानों में जब्त की गई अवैध शराब की बोतलों को नष्ट किया गया है।

दक्षिण गुजरात की उकाई डैम की जलस्तर ३४५ फीट तक पहुँचा

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

दक्षिण गुजरात की जीवनरेखा माने जाने वाला उकाई डैम इस समय पूरी तरह भर चुका है। उकाई डैम की जलस्तर ३४५ फीट तक पहुँच गई है, जो लगातार छठे साल हुआ है। इस मानसून सीजन में डैम एक बार पूरी तरह खाली होने के बाद फिर से भर गया है और ताप्ती नदी के माध्यम से समुद्र में पर्याप्त मात्रा में पानी छोड़ा गया है। उकाई डैम की वर्तमान संग्रहण क्षमता ७३४६ MCM है, जबकि अब तक ७६४४.८१ MCM पानी ताप्ती नदी में छोड़ा जा चुका है।

इस वर्ष डैम में कुल १२०४०.८७ MCM पानी की आवक हुई, जिसमें से ७६४४.८१ MCM पानी छोड़ा गया है। इस छोड़े गए पानी की मात्रा इतनी है कि सूरत शहर की पानी की जरूरतें १६ साल तक पूरी हो सकती हैं।

वलसाड जिले में रेलवे कॉरिडोर लाइन के विरोध में "सूचित रेलवे कॉरिडोर हटाओ समिति" द्वारा वलसाड में एक रैली आयोजित

पालघर से भुसावल तक गुजरने वाली प्रस्तावित

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

वलसाड जिले में पालघर से भुसावल तक गुजरने वाली प्रस्तावित रेलवे कॉरिडोर लाइन के विरोध में "सूचित रेलवे कॉरिडोर हटाओ समिति" द्वारा वलसाड में एक रैली आयोजित की गई। बड़ी संख्या में लोग इस रैली में शामिल हुए और जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा। इस ज्ञापन में मांग की गई कि इस प्रस्तावित रेलवे लाइन के बारे में स्थानीय लोगों और प्रभावित क्षेत्र के लोगों को पूरी जानकारी दी जाए।

किसानों के जमीन खोने की आशंका और अन्य अफवाहों के कारण स्थानीय समुदाय में कई सवाल खड़े हो गए हैं। वलसाड जिले के ग्रामीण इलाकों में भी इस बारे में कई तरह की अफवाहें फैल रही हैं। इस संदर्भ में, वलसाड तालुका पंचायत के पूर्व अध्यक्ष के नेतृत्व में प्रभावित गाँवों के किसान और स्थानीय लोग बड़ी संख्या में वलसाड में जमा हुए। उन्होंने वलसाड शहर के मुख्य मार्गों पर एक रैली निकालकर जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में मांग की गई कि प्रस्तावित रेलवे कॉरिडोर का मैप सार्वजनिक किया जाए और प्रभावित क्षेत्रों की स्पष्ट जानकारी दी जाए, ताकि किसानों और स्थानीय लोगों को सही जानकारी मिल सके।

वलसाड जिले में भूमि सर्वेक्षण के दौरान अधिकारियों द्वारा किसानों या गांव के नेताओं को कोई भी आवश्यक जानकारी नहीं दी जा रही है, इस प्रकार के आरोप स्थानीय लोगों द्वारा लगाए गए हैं। वलसाड जिला कलेक्टर और प्रशासनिक अधिकारियों से मांग की गई है कि प्रस्तावित रेलवे कॉरिडोर के बारे में प्रभावित गांवों और नक्शे की सार्वजनिक जानकारी दी जाए। कुछ अधिकारियों ने वलसाड तालुका और जिले के कुछ गांवों का दौरा किया था, लेकिन जब स्थानीय लोगों ने उनसे जानकारी मांगी, तो उन्हें संतोषजनक जवाब नहीं मिले, जिसके चलते लोगों ने सर्वेक्षण कार्य का विरोध किया।

इसके चलते, वलसाड जिला कलेक्टर और संबंधित विभाग से मांग की गई कि वे जल्द से जल्द रेलवे कॉरिडोर का नक्शा और इससे प्रभावित होने वाले गांवों की सूची जारी करें। बिना किसी सूचना के सरकारी कार्य शुरू होते ही, ग्रामीण इसका विरोध करेंगे। इस प्रस्तावित रेलवे कॉरिडोर के चलते जिले की उपजाऊ भूमि को भारी नुकसान होने की आशंका स्थानीय नेताओं को सता रही है। इसी के चलते, आज स्थानीय लोगों ने जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा, जिसमें प्रभावित क्षेत्रों की सूची और नक्शे को सार्वजनिक करने की मांग की गई है।

अग्निदाह सेवा संस्था द्वारा अनजान मृतकों की आत्मा की शांति के लिए तर्पण विधि कराई

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

श्राद्ध पक्ष में लोग अपने पितरों की आत्मा की शांति के लिए तर्पण विधि करते हैं। जिनकी मृत्यु के समय उनकी पहचान कोई नहीं जानता। ऐसे ही अनजान मृतकों के लिए सूरत शहर की अग्निदाह सेवा संस्था पिछले २४ वर्षों से अंतिम संस्कार करती आ रही है और साथ ही जब श्राद्ध पक्ष आता है तो उनकी आत्मा की शांति के लिए तर्पण विधि भी करती है। इस बार संस्था द्वारा २७१ अनजान मृतकों के लिए तर्पण विधि का आयोजन किया गया।

अग्निदाह सेवा संस्था द्वारा अनजान मृतकों की आत्मा की शांति के लिए तर्पण विधि कराई गई। श्राद्ध पक्ष के अवसर पर अग्निदाह सेवा संस्था द्वारा अनजान २७१ मृतकों के लिए तर्पण विधि की गई। अश्विनी कुमार वेदराज ओवारा के माध्यम से श्राद्ध पक्ष के निमित्त यह तर्पण विधि कराई गई। हिंदू शास्त्रों के अनुसार यह श्राद्ध विधि ब्राह्मणों द्वारा की गई। अग्निदाह सेवा केंद्र के प्रमुख वेणी लाल ने बताया कि सूरत शहर में अनजान शवों का अंतिम संस्कार संस्था द्वारा बिना किसी जाति भेदभाव के किया जाता है। भाद्रपद महीने के चौदस के दिन पूरे वर्ष के दौरान २७१ मृतकों के फोटो रखकर हिंदू धर्मशास्त्र के अनुसार ब्राह्मणों द्वारा श्राद्ध विधि का आयोजन किया गया।

संस्था पिछले २४ वर्षों से कार्यरत है। उन्होंने बताया कि यह संस्था पिछले २४ वर्षों से अनजान मृतकों के लिए शास्त्र विधि के अनुसार आर्य समाज मंदिर में शांति के लिए यज्ञ करती है। इस संस्था द्वारा अनजान मृतक की अस्थियों का विसर्जन नासिक में किया जाता है। वर्ष भर हरिद्वार सहित अन्य तीर्थ स्थलों पर इन लोगों के मोक्ष के लिए पिंडदान और अस्थि विसर्जन किया जाता है।

सूरत नगर निगम के विपक्ष ने गांधी जयंती के एक दिन पहले सरकारी स्कूलों में स्वच्छता अभियान

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत नगर निगम के विपक्ष ने गांधी जयंती के एक दिन पहले सरकारी स्कूलों में स्वच्छता अभियान चलाया। विपक्ष की मांग है कि सूरत सहित गुजरात के सभी सरकारी स्कूलों में स्थायी सफाई कर्मचारियों की नियुक्तिकी जाए और जब तक यह नियुक्तिनहीं होती, तब तक स्कूल सफाई ग्रांट में बढ़ोतरी की जाए।

सूरत शिक्षा समिति के विपक्षी सदस्य राकेश हीरपारा ने कहा कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जन्म जयंती पर स्वच्छ भारत मिशन को १० साल पूरे हो गए हैं। इस योजना में अरबों रुपये खर्च होते हैं, गुजरात के सरकारी स्कूलों में स्कूल सफाई के लिए पर्याप्त ग्रांट नहीं दी जा रही है। शिक्षा मंत्री के अपने शहर और क्षेत्र के स्कूलों को केवल २ से ४ हजार रुपये की मासिक ग्रांट मिलती है। इस कारण बच्चों को गंदे स्थानों पर पढ़ाई करनी पड़ती है और मध्याह्न भोजन भी करना पड़ता है, जिससे छात्रों के शिक्षा और स्वास्थ्य पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है।

सूरत सहित गुजरात के सभी सरकारी स्कूलों में स्थायी सफाई कर्मचारियों की नियुक्ति की जाए और जब तक यह नियुक्ति नहीं होती, तब तक स्कूल सफाई की ग्रांट में बढ़ोतरी की जाए। इसी मांग के साथ गांधी जयंती के एक दिन शिक्षा मंत्री के निर्वाचन क्षेत्र में विपक्ष द्वारा स्वच्छता अभियान चलाकर रचनात्मक विरोध किया गया।

नवसारी में युवती की मौत के मामले में आरोपी युवक को चार दिनों की पुलिस रिमांड दी

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

नवसारी में एक युवती की मौत के मामले में आरोपी युवक को चार दिनों की पुलिस रिमांड दी गई है। चिखली के भार्गव पटेल नामक युवक ने सोशल मीडिया पर एक युवती से प्रेम संबंध बनाए और उसे नवसारी के एक होटल में निजी पलों के लिए ले गया। संबंध बनाने के दौरान, युवक की आक्रामकता के कारण युवती के गुप्तांगों में गंभीर चोटें आईं और खून बहने लगा। घबराए हुए युवक ने गूगल पर खून रोकने के उपाय सर्च किए और अपने एक दोस्त को बुलाया। इस बीच, उसने होटल में खून के धब्बे साफ कर दिए और दो घंटे बाद युवती को सिविल अस्पताल ले गया, जहां अत्यधिक खून बहने के कारण उसकी मौत हो गई।

पुलिस ने युवक के खिलाफ अपराध के तहत मामला दर्ज किया और उसे गिरफ्तार कर लिया। कोर्ट में पेश करने पर आरोपी को चार दिन की रिमांड दी गई है। पुलिस ने रिमांड की मांग इसलिए की थी ताकि आरोपी के सोशल मीडिया गतिविधियों की जांच की जा सके, यह पता लगाया जा सके कि उसने कितनी अन्य लड़कियों से दोस्ती की थी, और घटना का पुनर्निर्माण किया जा सके। इसके अलावा, आरोपी पर २०१९ में चिखली डिपो में एक लड़की के साथ उत्पीड़न का मामला भी दर्ज था, और अन्य कई लड़कियों के साथ उसके अफेयर होने की बात भी सामने आई है।

नवरात्रि आयोजकों और शांति समिति की बैठक

क्रांति समय वलसाड शहर के नवरात्रि आयोजकों और शांति समिति के सदस्यों के साथ प्रशासनिक अधिकारियों और डीएसपी की अध्यक्षता में शांति समिति की बैठक आयोजित की गई।